विज्ञान प्रसार

(विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के अन्तर्गत एक स्वायत्तशासी संस्था)

वार्षिक रिपोर्ट
2008–2009

विज्ञान प्रसार
ए–50, सैक्टर–62, इंस्टीट्यूशनल एरिया
एन.सी.एम.आर.डब्ल्यू.एफ. भवन, नोएडा (उ.प्र.)
पिन : 201 307

विज्ञान प्रसार की दृष्टि

foKku izlkj oSKkfud lapkj dks

{k= e {kerk fuek.k dk mHkjrk

gvk lLFkku cuu d fy, lrr

i;Ru'khy jgxk rFkk n'k dh vke

turk d chp foKku dk Qyku

,o blls ykdfi; cuku grq Kku

lalk/ku uVodl d dnh; ?kVd d

:i e Hkh i;kljr jgxkA

विषय सूची

निदेशक की रिपोर्ट 5
सांगठनिक चार्ट 7
सामान्य निकाय/प्रशासकीय निकाय का संगठन 8
वित्त समिति के सदस्यों का संगठन 10
मुख्य गतिविधियाँ 11
संस्था का परिचय 13
उद्देश्य 13

o"kZ 2008&2009 dh nkSjku izeq[k dk;Øe@xfrfof/k;k¡

1. दूरदर्शन पर विज्ञान कार्यक्रम........ 15
2. रेडियो पर विज्ञान कार्यक्रम........ 16
3. एडुसेट इन्टरएक्टिव टर्मिनल द्वारा नेटवर्किंग........ 17
4. विज्ञान प्रसार सूचना प्रणाली (विपरिस)........ 18
5. वैज्ञानिक प्रयोगों हेतु पर्सनल कम्प्यूटर इन्टरफेस........ 23
6. भौतिकी के नवाचारी प्रयोग 23
7. विज्ञान प्रसार सूचना पत्र 'ड्रीम 2047'........ 24
8. प्रकाशन कार्यक्रम........ 26
9. गतिविधि किट – प्रदर्शन एवं कार्यक्रम........ 28
10. हैम रेडियो........ 30
11. विज्ञान प्रसार का विज्ञान क्लबों का नेटवर्क (विपनेट)........ 32
12. खगोलिकी गतिविधियाँ 36
13 प्रशिक्षण एवं प्रसार........ 39
14. संयुक्त रूप से संपन्न कार्यक्रम........ 40
15. उत्तर–पूर्व क्षेत्र में पहल........ 43
16. अन्तर्राष्ट्रीय पृथ्वी ग्रह वर्ष – 2008........ 43
17. अन्तर्राष्ट्रीय खगोलिकी वर्ष – 2009........ 46
18. सम्मेलन एवं संगोष्ठियाँ 48
19. अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में विज्ञान प्रसार की भागीदारी........ 49
20. पुस्तक मेले एवं प्रदर्शनियाँ........ 49
21. पुस्तक विमोचन समारोह........ 49
22. सम्मान एवं उपलब्धियाँ........ 49

23. विजुअल बुक 50
24. वर्ष 2009 का डेस्क कैलेंडर........ 50
25. पुस्तकालय........ 50

o"k 2009&2010 gr iLrkfor xfrfof/k;k---------- 51
jktHkk"kk uhfr dk fØ;kUo;u---------- 55
lkekU; fudk; ,o i'kklfud; fudk; dh cBd---------- 57
okf"kd y[kk
ifjf'k"V&A % ekuo lalk/ku] ctV ,o miyC/k lfo/kk;¡........ 59
ifjf'k"V&AA % y[kk ijh{kdk dh fjikV 31 ekp 2009 rd ---------- 62
ifjf'k"V&AAA % y[kk ijh{kdk }kjk dh xbl fVIif.k;k d
lc/k e vuikyu fjikV---------- 86

निदेशक रिपोर्ट: 2008–2009

विज्ञान प्रसार द्वारा अप्रैल 2008 से मार्च 2009 के दौरान आयोजित किए गए कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए मैं हार्दिक प्रसन्नता का अनुभव कर रहा हूँ।

विगत कुछ वर्षों में, विज्ञान प्रसार का नाम देश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार की केंद्रीय संस्था और अग्रणी संसाधन–सह–सुविधा केन्द्र के रूप में स्थापित हुआ है। आज विज्ञान प्रसार को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार हेतु विविध प्रकार के उत्कृष्ट कोटि के सॉफ्टवेयरों के विकास एवं प्रसार के रूप में पहचाना जाता है। विशेषतः रेडियो एवं दूरदर्शन पर विज्ञान कार्यक्रमों के निर्माण एवं प्रसारण, पुस्तक प्रकाशन तथा आधुनिक प्रविधियों का जनसामान्य में वैज्ञानिक चेतना जगाने हेतु त्वरित उपयोग आदि की काफी सराहना हुई है।

इस वर्ष प्रसारित कुछ खास पसंदीदा टी. वी. धारावाहिक इस प्रकार हैं– 'जिज्ञासा' नामक क्विज और आरोग्य संबंधी धारावाहिक 'जीते रहो'। अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी ग्रह वर्ष–2008 के एक भाग के रूप में निर्मित धारावाहिक 'कहानी धरती की–द स्टोरी ऑफ प्लेनेट अर्थ'– रेडियो द्वारा वर्तमान में प्रसारित हो रही है। अंतराष्ट्रीय खगोलिकी वर्ष 2009 के अवसर पर खगोलिकी पर केंद्रित एक धारावाहिक का निर्माण चल रहा है।

रेडियो की व्यापक पहुँच को ध्यान में रखकर पिछले कुछ वर्षों के दौरान विज्ञान प्रसार ने ऑल इंडिया रेडियो के साथ मिलकर प्रयास किए हैं। विज्ञान प्रसार द्वारा पृथ्वी ग्रह पर 56 कड़ियों वाले रेडियो धारावाहिक का निर्माण किया गया था जिसका प्रसारण जनवरी 2008 से आकाशवाणी के 117 केंद्रों द्वारा 19 भारतीय भाषाओं में आरंभ हुआ और जनवरी 2009 तक निरंतर प्रसारित किया गया। लोगों से प्राप्त होने वाली प्रतिक्रियाओं की बहुलता से यह प्रतीत होता है कि यह धारावाहिक स्कूली बच्चों एवं जनसामान्य में अत्यंत लोकप्रिय है। इसके बाद समान परिपाटी में खगोलिकी पर एक धारावाहिक का निर्माण किया गया और जिसका प्रसारण अप्रैल 2009 से आरंभ किया जायेगा। वर्ल्डस्पेस सैटेलाइट डिजिटल रेडियो पर विगत वर्षों से अंग्रेजी एवं हिंदी दोनों भाषाओं में हमारा दैनंदिन प्रसारण अनवरत चल रहा है। इग्नू के ज्ञानवाणी एफ. एम. चैनल पर विज्ञान कार्यक्रमों का प्रसारण पिछले चार वर्षों से जारी है। लम्बी अवधि से विज्ञान प्रसार कम्यूनिटी रेडियो केंद्रों पर अपने श्रव्य कार्यक्रमों को उपलब्ध कराता चला आ रहा है जो देश के विभिन्न हिस्सों में सुना जाता है।

विज्ञान प्रसार द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की संख्या 200 तक पहुँच चुकी है। वर्तमान वर्ष में विज्ञान प्रसार ने पृथ्वी ग्रह के विविध पहलुओं पर अंग्रेजी एवं हिंदी में 13 पुस्तकें प्रकाशित की हैं। इन पुस्तकों के साथ विज्ञान प्रसार की एक अन्य पुस्तक 'द मिस्टीरियस मून एंड इंडियाज चंद्रयान मिशन' को बेहद सराहा गया और इनकी व्यापक समीक्षाएँ की गईं। *'ड्रीम 2047'* विज्ञान प्रसार की एक संपूर्ण द्विभाषी लोकप्रिय विज्ञान पत्रिका है जिसकी वर्तमान प्रसार संख्या 52000 है। यह पत्रिका देश के सभी भागों में खास लोकप्रिय है। अन्तर्राष्ट्रीय खगोलिकी वर्ष–2009 के एक हिस्से के रूप में खगोलिकी पर पुस्तकों की एक श्रृंखला प्रकाशित करने का प्रयास आरंभ कर दिया गया है।

विज्ञान प्रसार के एडुसेट नेटवर्क का उपयोग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी जागरूकता लाने तथा विभिन्न लक्ष्य समूहों के प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु व्यापक स्तर पर किया जा रहा है। 50 एस.आई.टी. केंद्रों के हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर उपकरणों को बढ़ाया जा रहा है। विज्ञान प्रसार की वेबसाइट को प्रतिदिन 1000 हिट प्राप्त हो रही हैं। डिजिटल लाइब्रेरी को निःशुल्क डाउनलोडिंग की सुविधा प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित कर रही है। विज्ञान प्रसार के विज्ञान क्लबों के नेटवर्क में सदस्य क्लबों की संख्या 10,000 पार कर चुकी है और यह संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। 'भौतिकी में नवाचारी प्रयोग' के दूसरा संस्करण को लगभग 100 गतिविधियों के साथ स्कूल स्तर हेतु विकसित किया जा चुका है जो डीवीडी के रूप में उपलब्ध है।

डॉ. सुबोध महंती को हिंदी में मौलिक विज्ञान लेखन हेतु प्रतिष्ठित आत्माराम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। यह सम्मान उन्हें भारत की महामहिम राष्ट्रपति ने प्रदान किया है।

विज्ञान प्रसार निरंतर समान रूचि के कार्यक्रमों एवं गतिविधियों में, सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम करता रहा है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (कानपुर), एवी–कोड और गुजरात साइंस सिटी जैसे संस्थानों एवं संगठनों के सहयोग से होने वाली संयुक्त गतिविधियाँ विशेष उल्लेखनीय हैं।

उपर्युक्त विवरण विज्ञान प्रसार की वर्ष 2008–09 के दौरान हुई उपलब्धियों की एक झलक है। समग्र रिपोर्ट के आगामी पृष्ठों में इसकी विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई है । इस सबके लिए विज्ञान प्रसार की पूरी टीम बधाई की पात्र है।

प्रशासकीय निकाय एवं सामान्य निकाय के सभी सदस्यों की, विज्ञान प्रसार की गतिविधियों में संपूर्ण भागीदारी हेतु मैं उनका अभिनंदन करता हूँ। उनकी उत्प्रेरणा एवं प्रोत्साहन के बिना विज्ञान प्रसार के विभिन्न प्रयासों एवं उपलब्धियों के आज दिखने वाले दूरगामी परिणाम असंभव होते।

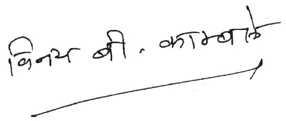

¼fou; ch- dkEcy½

विज्ञान प्रसार
(सांगठनिक चार्ट)

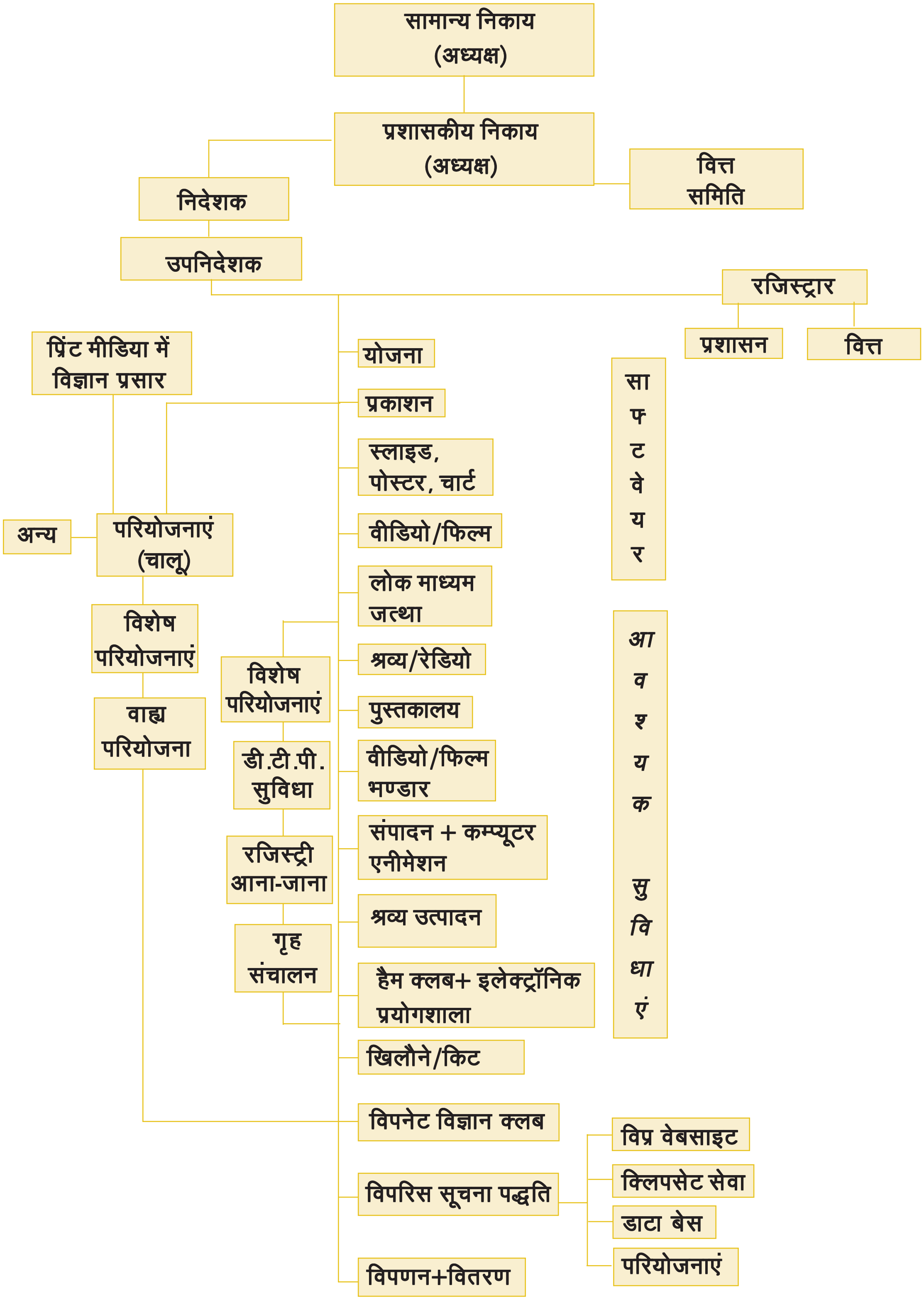

सामान्य निकाय/प्रशासकीय निकाय का संघटन'

1. **श्री किरण कार्णिक** — सोसाइटी के अध्यक्ष
अध्यक्ष, नेसकॉम एवं
पूर्व सी.ई.ओ. डिस्कवरी इंडिया
क्यू–2–ए, हौजखास इंक्लेव
नई दिल्ली–110 016

2. **डॉ. टी. रामासामी** — अध्यक्ष, अधिशासी निकाय
सचिव
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
टेक्नोलॉजी भवन, नई दिल्ली – 110 016

3. **महानिदेशक** — सदस्य
ऑल इंडिया रेडियो
आकाशवाणी भवन, संसद मार्ग
नई दिल्ली–110 001

4. **प्रो. माधव गाडगिल** — सदस्य
अगरकर रिसर्च इंस्टीट्यूट
गोपाल गणेश अगरकर मार्ग
पुणे–411 004, महाराष्ट्र

5. **डॉ. जी.पी. फोंडके** — सदस्य
5, रागिनी, साहित्य सहवास
बांद्रा ईस्ट
मुंबई–400 051, महाराष्ट्र

6. **प्रो. अमित रॉय** — सदस्य
निदेशक
इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर
अरुणा आसफअली मार्ग
नई दिल्ली–110 067

7. **महानिदेशक** — सदस्य
नेशनल कॉउंसिल ऑफ साइंस म्यूजियम्स
ब्लॉक–जीएन, सैक्टर–5, विधान नगर
कोलकाता – 700 091 (पश्चिम बंगाल)

8. **श्री बी.एस. भाटिया** — सदस्य
19, आम्र शिरीष बंगलो
प्रहलाद नगर, वेगलपुर
अहमदाबाद–380 015

9. **श्री ए.के. बरुआ** सदस्य
पूर्व निदेशक
असम विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण परिषद
बी सी 3, प्रेसटिज इलाइट, गिताली पार्क
जू नारंगी रोड़
गुवाहाटी – 781 020, असम

10. **प्रो. जे.एस. यादव** सदस्य
डी–7/7490, वसंतकुंज
नई दिल्ली – 110 070

11. **महानिदेशक** सदस्य
दूरदर्शन
मंडी हाउस, कोपर्निकस मार्ग
नई दिल्ली – 110 001

12. **प्रो. ए. एन. माहेश्वरी** सदस्य
ए–193ए, दूसरा तल, ब्लाक–ए,
सुशान्त लोक –1
गुडगांवा – 122 009, हरियाणा

13. **श्री के.पी. पांडियन** सदस्य
संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
टेक्नोलॉजी भवन
न्यू मैहरोली रोड
नई दिल्ली – 110 016

14. **डॉ. वी.बी. काम्बले** सदस्य–सचिव
निदेशक, विज्ञान प्रसार
ए–50, सैक्टर–62,
एन.सी.एम.आर.डब्ल्यू.एफ. भवन
इंस्टीट्यूशनल एरिया, नोएडा

---

* प्रशासकीय और सामान्य निकाय का संघटन एक जैसा है, सिवाय इसके कि सामान्य निकाय के अध्यक्ष श्री किरण कार्णिक अधिशासी निकाय के सदस्य नहीं हैं।

वित्त समिति का संघटन

1. **डॉ. टी. रामासामी** — अध्यक्ष
सचिव
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
टेक्नोलॉजी भवन, नई दिल्ली – 110 016

2. **प्रो. ए. एन. माहेश्वरी** — सदस्य
ए–193ए, दूसरा तल, ब्लाक–ए,
सुशान्त लोक –1
गुडगांवा – 122 009, हरियाणा

3. **श्री के.पी. पांडियन** — सदस्य
संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
टेक्नोलॉजी भवन, नई दिल्ली – 110 016

4. **डॉ. वी.बी. काम्बले** — सदस्य–सचिव
निदेशक, विज्ञान प्रसार
ए–50, सैक्टर–62,
एन.सी.एम.आर.डब्ल्यू.एफ. भवन
इंस्टीट्यूशनल एरिया, नोएडा

मुख्य गतिविधियाँ

- विज्ञान प्रसार द्वारा डेकू (इसरो) के सहयोग से दूरदर्शन पर प्रत्येक रविवार की सुबह एक साप्ताहिक विज्ञान कार्यक्रम प्रसारण कर रहा है। वर्ष 2008–09 के दौरान अप्रैल 2008 और अक्टूबर 2008 के बीच 26 कड़ियों वाले एक क्विज प्रोग्राम 'जिज्ञासा' का प्रसारण किया गया। इसके साथ ही जनवरी 2009 तक 12 कड़ियों वाले एक स्वास्थ्य संबंधी टी.वी. धारावाहिक 'जीते रहो' का प्रसारण किया गया जिसमें आम बीमारियों और उनकी दवाओं पर चर्चा की गई। फरवरी 2009 से, 26 कड़ियों वाली एक धारावाहिक 'कहानी धरती की – स्टोरी ऑफ प्लैनेट अर्थ' का प्रसारण किया जा रहा है।

- अन्तर्राष्ट्रीय पृथ्वी ग्रह वर्ष–2008 के मौके पर 52 कड़ियों वाले एक रेडियो धारावाहिक 'धरती मेरी धरती' का 19 भारतीय भाषाओं में आकाशवाणी के 117 केंद्रों द्वारा पूरे देश में प्रसारण किया गया। इस धारावाहिक का प्रसारण जनवरी 2008 में आरंभ हुआ और जनवरी 2009 तक चलता रहा। इस धारावाहिक का निर्माण ऑल इंडिया रेडियो के सहयोग से किया गया था जिसकी काफी सराहना की गई।

- विज्ञान प्रसार द्वारा एक इंटरेक्टिव मल्टीमीडिया सीडी 'फन विथ फिजिक्स' तैयार की गई।

- पूरे वर्ष विज्ञान प्रसार ने एडुसेट नेटवर्क पर अनेक कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और व्याख्यानों का आयोजन किया। इस अवधि के दौरान विज्ञान प्रसार द्वारा विज्ञान फिल्मों को अनेक स्थानों पर दिखाया गया। इन कार्यक्रमों के द्वारा करीब 5000 लोगों को प्रशिक्षित किया गया।

- सितंबर से दिसंबर 2008 के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में अन्य एजेंसियों, संस्थानों और संगठनों के साथ मिलकर पांच प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी ग्रह वर्ष–2008 के अंतर्गत किया गया। ये कार्यक्रम आनुषंगिक एजेंसियों के सहयोग से आयोजित हुए थे।

- विज्ञान प्रसार ने अपने प्रकाशन कार्यक्रम के अंतर्गत इस अवधि के दौरान अंग्रेजी और हिंदी में 20 नई पुस्तकों को प्रकाशित किया है।

- देश के विभिन्न हिस्सों में विपनेट क्लब के सदस्यों, शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए विज्ञान प्रसार ने प्रशिक्षण एवं अभिमुखीकरण कार्यक्रमों का आयोजन किया।

हमारी गतिविधियों की झलक

महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में आयोजित विपनेट पूर्वाभिमुखीकरण सह नवाचारी भौतिकी प्रयोग कार्यशाला

मध्यप्रदेश में रतलाम शहर मे विपनेट क्लब समन्वयकों के लिए आयोजित भौतिकी नवाचारी प्रयोग कार्यशाला

ग्वालियर में दूरबीन निर्माण कार्यशाला

चण्डीगढ़ में आयोजित मुख्य व्यक्ति संसाधन प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रकृति अध्ययन में लगे प्रतिभागी

लीड इको क्लबों के लिए आयोजित पूर्वाभिमुखीकरण कार्यक्रम

केरल के पालक्कड़ में आयोजित विपनेट पूर्वाभिमुखीकरण कार्यक्रम के दौरान एक औषधिय संयंत्रा का दौरा करते प्रतिभागी

संस्था का परिचय

विज्ञान प्रसार की स्थापना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा 1989 में एक स्वायत्तशासी पंजीकृत संस्था के रूप में विज्ञान को व्यापक रूप से लोकप्रिय बनाने वाले कार्यों हेतु की गई थी। विज्ञान प्रसार का मुख्य उद्देश्य समाज में, अधिक से अधिक वैज्ञानिक एवं तार्किक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित तथा प्रचारित करना है। इस लक्ष्य को दृष्टि में रखकर विज्ञान प्रसार निरंतर एक ऐसी संस्था बनने हेतु प्रयत्नशील है जो वैज्ञानिक संचार की क्षमता बढ़ा सके और साथ ही विज्ञान के प्रसार तथा देश भर में विज्ञान को लोकप्रिय बनाने हेतु जानकारी प्राप्ति के संसाधनों के नेटवर्क का केंद्र हो। विज्ञान प्रसार के व्यापक लक्ष्य संक्षेप में इस प्रकार हैं :

उद्देश्य

- विज्ञान को लोकप्रिय बनाने और वैज्ञानिक चेतना जगाने के प्रयासों को आरंभ करना, उनमें सहयोग देना, प्रोत्साहित करना, दिशा–निर्देश प्रदान करना एवं उन्हें समायोजित करना। साथ ही विज्ञान एवं तकनीकी ज्ञान की जानकारी, सजगता एवं रुचि, समाज के सभी वर्गों में बढ़ाना।

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित सूचनाओं के प्रभावी आदान–प्रदान तथा वितरण के लिए विभिन्न वैज्ञानिक संस्थाओं, एजेंसियों, शैक्षिक एवं अकादमिक निकायों, प्रयोगशालाओं, संग्रहालयों, उद्योग, व्यापार और अन्य संगठनों के बीच नियमित रूप से परस्पर प्रभावी संबंध विकसित करना तथा प्रोत्साहित करना।

- श्रव्य/दृश्य, श्रव्य–दृश्य एवं मुद्रण – संचार की विभिन्न विधियों एवं माध्यमों की सामग्री के विकास की जिम्मेदारी लेना, जिससे जनसमाज गूढ़ वैज्ञानिक सि)ांतों एवं प्रक्रियाओं को बेहतर ढंग से समझ सके, उनका महत्व पहचाने और उन्हें अपनाए।

- संस्था के लक्ष्यों को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान कार्य, पाठ्यक्रम, कार्यशालाएँ, सेमीनार,

संगोष्ठियाँ, प्रशिक्षण कार्यक्रम, मेले, प्रदर्शनियाँ, फिल्म, लोकप्रिय विचार–विमर्श, नुक्कड़ नाटक, प्रश्नोत्तरी, गीत–नृत्य–नाटक आदि का आयोजन करना।

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से जुड़े मुद्दों के संबंध में सामान्य जन के बीच जागरूकता लाने एवं उनके प्रसार हेतु व्यापार मेलों एवं प्रदर्शनियों, जैसे लोकमंच के कार्यक्रमों में भागीदारी निभाना, सिंडीकेट फीचर सेवा का विकास करना तथा समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और जर्नलों में नियमित रूप से इस प्रकार की सामग्री प्रकाशित करना।

- संचार के, दृश्य तथा अन्य माध्यमों से जुड़े लोगों के लिए रूपरेखा तैयार करना, मॉडल की रचना तथा विकास करना एवं प्रदर्शन सामग्री तथा अन्य जरूरी उपकरणों को उपलब्ध कराना।

- शोधवृत्ति, छात्रवृत्ति, पुरस्कार, पदक तथा अन्य प्रोत्साहन सामग्री प्रदान करना।

वर्ष 2008–09 के दौरान सम्पन्न कार्यक्रम/गतिविधियाँ

दूरदर्शन पर विज्ञान कार्यक्रम

दूरदर्शन पर प्रसारित ''जिज्ञासा'' प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का एक दृश्य

डेकू, इसरो के सहयोग से विज्ञान प्रसार रविवार की सुबह दूरदर्शन पर एक साप्ताहिक विज्ञान कार्यक्रम प्रसारित कर रहा है। अप्रैल 2008 से अक्टूबर 2008 के बीच 26 कड़ियों वाले ''जिज्ञासा'' नामक एक क्विज प्रोग्राम का प्रसारण टीवी पर किया गया। इसके साथ ही जनवरी 2009 तक 12 कड़ियों वाले एक आम बीमारियों और उनकी दवाओं पर केंद्रित एक टीवी धारावाहिक 'जीते रहो' का प्रसारण किया गया। फरवरी 2009 से, 26 कड़ियों वाले एक धारावाहिक 'कहानी धरती की – स्टोरी ऑफ प्लेनेट अर्थ' का प्रसारण शुरू हुआ है। विज्ञान प्रसार को दर्शकों द्वारा बहुत अच्छी प्रतिक्रियाएँ मिल रही हैं। इस कार्यक्रम की सराहना में प्रत्येक सप्ताह करीब 1500 ई–मेल और पत्रा हमें मिल रहे हैं जिनमें से कुछ तो पाकिस्तान से भी प्राप्त हुए हैं। 'कहानी धरती की' के समाप्त होने के बाद अंतर्राष्ट्रीय खगोलिकी वर्ष–2009 के अंतर्गत एक अन्य 26 कड़ियों वाली वीडियो श्रृंखला 'तारों की सैर' को प्रसारित करना तय किया गया है जो खगोलिकी कथावस्तु पर आधारित है।

- 13 एपिसोड वाले टीवी धारावाहिक 'देख खेल के', 14 एपिसोड वाले 'जीते रहो' और 12 एपिसोड वाले 'आवर सेलेस्टियल नेवर्स' की डबिंग का कार्य 11 भारतीय भाषाओं में पूरा हो चुका है। अन्य भाषाओं वाले कार्यक्रम दूरदर्शन के क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा प्रसारित किए जा रहे हैं।

- पूर्ण सूर्य ग्रहण–2009 के अवसर पर तीन खंडों वाले 'ग्रहण' पर केंद्रित वीडियो धारावाहिक का निर्माण तय किया गया।

❖ मूलभूत वैज्ञानिक अवधारणाओं की व्याख्या और चित्रीय प्रदर्शन के लिए साधारण प्रदर्शन प्रयोगों द्वारा 13 खंडों वाले एक वीडियो धारावाहिक ''राज़ की बात'' एवी-कोड, अहमदाबाद के सहयोग से आरंभ हो गया है।

❖ खगोलिकी पर केंद्रित 26 कड़ियों वाले एक टीवी धारावाहिक 'तारों की सैर' का निर्माण आरंभ हो गया है। इस धारावाहिक प्रसारण सितंबर 2009 में आरंभ होगा।

दूरदर्शन पर प्रसारित कार्यक्रम ''जीते रहो'' के दृश्य

रेडियो पर विज्ञान कार्यक्रम

❖ अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी ग्रह वर्ष-2008 के मौके पर 52 कड़ियों के एक रेडियो धारावाहिक 'धरती मेरी धरती' का 19 भारतीय भाषाओं में आकाशवाणी के 117 केंद्रों द्वारा पूरे देश में प्रसारण किया गया। इस धारावाहिक का प्रसारण जनवरी 2008 में आरंभ हुआ और जनवरी 2009 तक चलता रहा। इस धारावाहिक का निर्माण ऑल इंडिया रेडियो के सहयोग से किया गया था जिसकी काफी सराहना की गई। हर भाषा के हर एपिसोड के अंत में दो प्रश्न पूछे जाते थे जिसने इस धारावाहिक में श्रोताओं की दिलचस्पी बढ़ाई। विजेताओं के डाटाबेस तैयार किए जा रहे हैं और पुस्तकों व अन्य सॉफ्टवेयर के रूप में पुरस्कार भी समय-समय पर भेजे गए।

❖ अन्तर्राष्ट्रीय खगोलिकी वर्ष-2009 के एक भाग के रूप में विज्ञान प्रसार ने ऑल इंडिया रेडियो के सहयोग से खगोलिकी पर केंद्रित 52 कड़ियों वाले एक रेडियो धारावाहिक 'सितारों से आगे' का निर्माण शुरू कर दिया है। केरल शास्त्र साहित्य परिषद, तमिलनाडु साइंस फोरम, जन विज्ञान वेदिका, कर्नाटक राज्य विज्ञान परिषद, नेशनल सेंटर फॉर साइंस कम्यूनिकेटर्स, विक्रम ए. साराभाई कम्यूनिटी साइंस सेंटर, बीजीवीएस पंजाब, असम साइंस सोसाइटी, एसटेक, साइंस कम्यूनिकेटर्स फोरम और सृजनिका जैसी स्वैच्छिक एजेंसियां अन्य भाषाओं की पांडुलिपि रचना में भागीदार रही हैं। विज्ञान प्रसार ने हिंदी और अंग्रेजी में मूल प्रतियों को विकसित किया है। अप्रैल 2009 से इस कार्यक्रम का प्रसारण आरंभ किया जाएगा।

वर्ल्ड स्पेस रेडियो पर विज्ञान संचार

विज्ञान प्रसार द्वारा पिछले सात वर्षों से भी अधिक समय से वर्ल्ड स्पेस रेडियो के एशियाडेव चैनल पर एक घंटे की अवधि के 30 मिनट हिंदी एवं 30 मिनट अंग्रेजी- विज्ञान कार्यक्रम सप्ताह में छह दिन प्रसारित किए जा रहे हैं।

ज्ञानवाणी एफ. एम. केंद्रों द्वारा विज्ञान संचार

विज्ञान प्रसार के कार्यक्रम सप्ताह में दो बार ज्ञानवाणी एफ. एम. रेडियो के इलाहाबाद, अहमदाबाद, बैंगलोर, भोपाल, कानपुर, लखनऊ, नागपुर, जयपुर, वाराणसी, राजकोट, रायपुर, जबलपुर, पटना, कोलकाता, शिलांग, गुवाहाटी, हैदराबाद, विशाखापत्तनम, मैसूर, इंदौर, गोवा, नई दिल्ली, चैन्नई और कोयम्बटूर केंद्रों द्वारा नियमित रूप से प्रसारित किए गए हैं।

एडुसेट इन्टरएक्टिव टर्मिनलों द्वारा नेटवर्किंग

- विज्ञान प्रसार ने डेकू, इसरो के सहयोग से सभी राज्यों एवं संघ शासित प्रदेशों हेतु विज्ञान संचार तथा प्रसार कार्यक्रमों के लिए एडुसेट के माध्यम से 50 सैटेलाइट इन्टरएक्टिव टर्मिनलों का नेटवर्क स्थापित किया है। इस प्रणाली का उपयोग मुख्यतः विज्ञान एवं तकनीकी संचार व लोकप्रियकरण के लिए किया जा रहा है, साथ ही इनका प्राकृतिक आपदाओं के दौरान एवं उसके बाद संचार नेटवर्क के रूप में उपयोग संभव है। पिछले तीन वर्षों से विज्ञान कार्यक्रमों का बहुप्रसारण, जागरूकता एवं क्षमता विकास दोनों क्षेत्रों में नियमित रूप से जारी है।

एडुसेट नेटवर्क पर आयोजित ग्रीष्म शिविर के दौरान स्वयं से की जा सकने वाली गतिविधियों का प्रदर्शन

- दिसंबर 2008 से मार्च 2009 के दौरान एडुसेट नेटवर्क पर केंद्रित चौदह लोकप्रिय विज्ञान व्याख्यानों का आयोजन किया गया। जनवरी 2009 में एडुसेट नेटवर्क द्वारा एक क्विज प्रतियोगिता किया गया। एस.आई.टी. प्रतिभागियों के लिए फरवरी 2009 में 'सुदूर शिक्षा द्वारा विज्ञान लेखन' विषय पर दो कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इस अवधि में खगोलिकी पर केंद्रित तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए गए। 'महिला स्वास्थ्य और पोषण' विषय पर एक समूह चर्चा की गई। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के अवसर पर 'स्वयं सहायता समूह महिलाओं के लिए प्रौद्योगिकी' विषय पर केंद्रित एक सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवधि के दौरान विज्ञान प्रसार द्वारा निर्मित विज्ञान फिल्मों को भी अनेक स्थानों पर दिखाया गया। इन कार्यक्रमों से तकरीबन 5000 लोगों को प्रशिक्षित किया गया।

एडुसेट नेटवर्क पर आयोजित ''वूमेन एण्ड हेल्थ'' सेमीनार का दृश्य

- प्रशंसकों की माँग को देखते हुए मराठी, बंग्ला, अंग्रेजी, तमिल और हिंदी भाषाओं में 'चंद्रयान' पर बहुप्रसारण सत्र की एक विशेष श्रृंखला दिखाई गई। गर्मी की छुट्टियों के दौरान 19 मई से 10 जून 2008 के बीच बच्चों एवं शिक्षकों के लिए गतिविधि आधारित सत्रों का आयोजन किया गया। इसमें सीधे तौर पर कुल 16,280 लोग लाभांवित हुए।

- तकनीकी उन्नतीकरण के लिए एडुसेट प्रणाली को 15 जून से 10 दिसंबर 2008 के दौरान बंद रखा गया था। हब जो अब तक अहमदाबाद में था, वह अब इग्नू, नई दिल्ली में स्थानांतरित हो गया है और इस स्थानीय हब से विज्ञान प्रसार का नेटवर्क आबद्ध हो गया है। 10 से 25 दिसंबर 2008 के मध्य सिट की तकनीकी जाँच सम्पन्न की गई। मार्च 2009 में एडुसेट स्टूडियो का उन्नतीकरण और नई प्रणाली को प्रतिस्थापित कर दिया गया है।

- वर्ष के दौरान जब जैसी आवश्यकता हुई, अनेक एस आई टी का निरीक्षण किया जाता रहा। यह पूरा नेटवर्क मैसर्स इनफिनियम, अहमदाबाद के उत्कृष्ट ए एम सी सी के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है। सैटेलाइट इन्टरएक्टिव टर्मिनलों को संचालित करने के लिए और पिछले एक वर्ष में इनेक उपयोग की समीक्षा के लिए क्षेत्रीय केंद्रों पर कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए क्षेत्रीय बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

विज्ञान प्रसार सूचना प्रणाली (विपरिस)

विज्ञान प्रसार वेबसाइट

डिजिटल लाइब्रेरी

डिजिटल लाइब्रेरी बेहद लोकप्रिय हो चला है। विज्ञान प्रसार द्वारा इसे आरंभ के दो वर्षों के भीतर इसके पंजीकृत उपयोगकर्ताओं की संख्या पाँच हजार का आकड़ा पार कर चुका है और डिजिटल लाइब्रेरी के लिए हिट की संख्या करीब 1,50,000 तक पहुंच गई है। उपयोगकर्ताओं की रूपरेखा से यह जाहिर हुआ है कि 50 फीसदी उपयोगकर्ता विद्यार्थी हैं।

विज्ञान प्रसार के समस्त प्रकाशन अब इलैक्ट्रानिक स्वरूप में उपलब्ध हैं। विज्ञान प्रसार के साथ ऑनलाइन पंजीकरण करने के बाद अब कोई भी व्यक्ति इन पुस्तकों को ऑनलाइन पढ़ सकता है या इनके प्रिंट आउट ले सकता है।

विचार–विमर्श फोरम

विज्ञान प्रसार वेबसाइट का डिसकशन फोरम एक ई-प्लेटफार्म है जहां कोई भी व्यक्ति वैज्ञानिक प्रश्न पूछ सकता है अथवा सहभागियों की जिज्ञासाओं के जवाब भी दे सकता है। मार्च 2009 तक इस फोरम पर

करीब 200 सक्रिय विमर्श बिंदु और अनेक उप विमर्श बिंदु थे। एक महीने में इस विचार-विमर्श फोरम पर लगभग 500 प्रतिभागी सक्रियता से हिस्सेदारी निभाते हैं। करीब 70 प्रतिशत उपयोगकर्ता विद्यार्थी हैं।

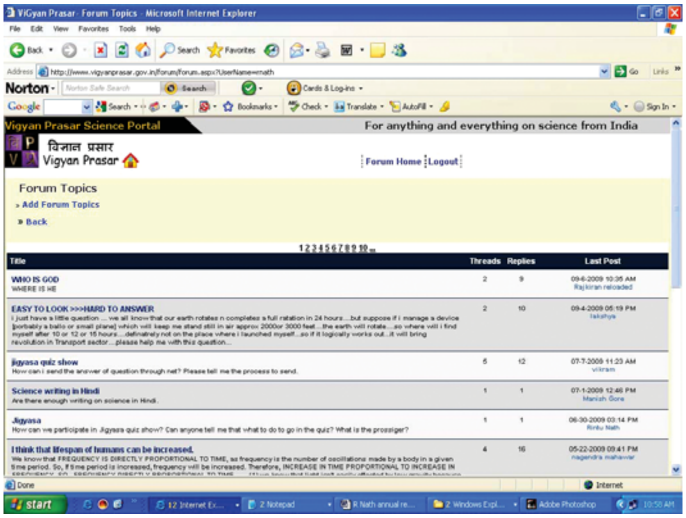

वेबसाइट पर उपलब्ध विचार–विमर्श फोरम

गतिविधि पर आधारित विज्ञान सीखना

आई.आई.टी. कानपुर के साथ विकसित किए गए प्रयोग/गतिविधियां विज्ञान प्रसार की वेबसाइट पर उपलब्ध है। विडियो क्लिप्स की भी व्यवस्था की गई है।

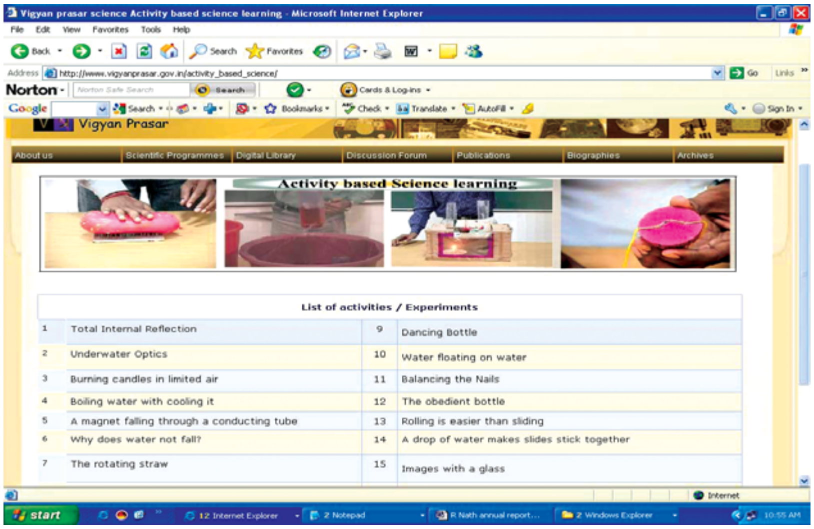

वेबसाइट पर उपलब्ध विज्ञान पर आधारित गतिविधि

दृश्य श्रव्य कार्यक्रमों का सुप्रवाहीकरण

प्रत्येक पखवाड़े में दृश्य कार्यक्रमों के सुप्रवाहीकरण के लिए तीन विज्ञान विषयक वीडियो को अपलोड किया गया है। इसके अलावा विज्ञान प्रसार द्वारा रेडियो या टी वी के लिए निर्मित विज्ञान धारावाहिक निःशुल्क डाउनलोड किए जा सकते हैं।

विज्ञान प्रसार के हिंदी वेबसाइट को नियमित रूप से अद्यतन किया जा रहा है। सभी सूचनाएँ हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं।

ऑनलाइन चैट सेशन

विज्ञान प्रसार द्वारा वेबसाइट पर इस दौरान छः लाइव चैट सैशन सम्पन्न कराए गए। चैट सेशन इस प्रकार थे- 1. डॉ. हिमांशु पाठक, इंडियन राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली ''चावल और गेहू उत्पादन में पोषक तत्वों एवं जल का प्रबंधन''; 2. प्रो. कौशल कुमार शर्मा, भूगोल विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, ''मौसम परिवर्तन और पर्वतीय क्षेत्रों में मानव अनुकूलताएँ''; 3. श्री बी. आर. गुरुप्रसाद, जन संपर्क अधिकारी, इसरो ''चंद्रयान-1ः भारत का चंद्रमा के लिए पहला वैज्ञानिक मिशन''; 4. डॉ. आत्माराम जैन, राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाना, नई दिल्ली में इसरो के विजिटिंग साइंटिस्ट, ''भारत में वायुमंडलीय विज्ञान के क्षेत्र में वर्तमान परिदृश्य''।

सी–डी रॉम का विकास

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2009 पर ''फन विद् फिजिक्स'' सीडी का विमोचन

विज्ञान प्रसार द्वारा निर्मित एक इंटरएक्टिव मल्टीमीडिया सीडी ''फन विद् फिजिक्स'' का विमोचन पद्म भूषण डॉ. वी. एल. चोपड़ा, सदस्य (विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण) योजना आयोग द्वारा टेक्नोलॉजी भवन, नई दिल्ली में 27 फरवरी 2009 को मनाए जा रहे राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के दौरान किया गया। इस अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान के माननीय कैबिनेट मंत्री श्री कपिल सिब्बल तथा डॉ. टी. रामासामी, सचिव, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार भी मौजूद रहे।

❖ इस सीडी में भौतिकी की विभिन्न अवधारणाओं पर 30 अभिनव प्रयोग/गतिविधि हैं जिन्हें वीडियो क्लिप के माध्यम से समझाया गया है। ये प्रयोग कक्षा 6 से 10 तक के विद्यार्थियों और शिक्षकों को लक्ष्य करके दिए गए हैं। इन प्रयोगों को भौतिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी

हिन्दी एवं अंग्रेजी में उपलब्ध ''फन विद् फिजिक्स'' सीडी

संस्थान, कानपुर और विज्ञान प्रसार द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। इनमें से अधिकांश प्रयोगों को आम तौर पर उपलब्ध वस्तुओं/उपकरणों के प्रयोग द्वारा किया जा सकता है। यह सीडी हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है।

- 'प्रकाशिकी' पर केंद्रित सीडी का हिंदी संस्करण विकसित किया गया है। यह सीडी आरंभ में प्रकाशिकी के 40 प्रयोगों के साथ अंग्रेजी में बनाई गई थी। इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स इस सी डी (हिंदी व अंग्रेजी) को बड़ी संख्या में वितरण उद्देश के लिए क्रय करने की योजना बना रहा है।

- अन्तर्राष्ट्रीय पृथ्वी ग्रह वर्ष-2008 के अवसर पर एक सीडी लाई गई थी जिसमें ''पृथ्वी ग्रह'' के अनेक विषयों पर 14 पावर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन दिए गए हैं। अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी ग्रह वर्ष-2008 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में इस सी डी का व्यापक उपयोग किया गया।

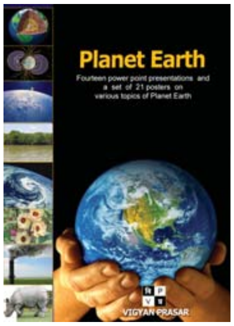

'प्लेनेट अर्थ' सीडी

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की वेबसाइटों का विकास एवं देखरेख

विज्ञान प्रसार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभिन्न प्रभागों की वेबसाइट के विकास एवं रख-रखाव में भी सतत् संलग्न है जैसे अंतर्राष्ट्रीय प्रभाग, एन.एस.टी.एम.आई.एस, एस.ई.आर.सी., विज्ञान एवं समाज, उत्कृष्ट प्रयोगशाला अभ्यास (जी. एल. पी.) कार्यक्रम और भारतीय महिला वैज्ञानिक।

विज्ञान प्रसार द्वारा विकसित एन.एस.टी.एम.आई.एस., डी.एस.टी. की वेबसाइट का एक पृष्ठ

विपरिस क्लिपसेट

समाचार क्लिपिंग सेवा 'विपरिस क्लिपसेट' जारी है। 2008-09 के दौरान विपरिस क्लिपसेट के 24 अंक निकाले गए। इसके अतिरिक्त चन्द्रयान पर एक विशेष अंक भी निकाला गया ।

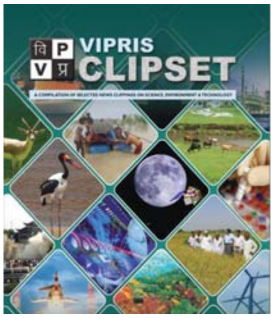

विपरिस क्लिपसेट

लोकप्रिय विज्ञान व्याख्यान

विज्ञान प्रसार, राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र और नेहरू तारामंडल, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से सात लोकप्रिय विज्ञान व्याख्यानों का आयोजन किया गया। इन व्याख्यानों का व्यौरा निम्नवत है:

- श्री आलोक मुखर्जी, राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला, नई दिल्ली ने ''खतरे में पृथ्वी- मौसम परिवर्तन के प्रभाव'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

- डॉ. डी. सी. उप्रेती, एमेरिटस साइंटिस्ट, इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च, नई दिल्ली ने ''ग्रीन हाउस गैसों में वृद्धि एवं फसलों पर इसका प्रभाव'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस – 5 जून 2008 को नेशनल साइंस सेंटर नई दिल्ली पर आयोजित लोकप्रिय विज्ञान व्याख्यान

- प्रोफेसर माधव गाडगिल, एमेरिटस साइंटिस्ट, अगरकर रिसर्च इंस्टीट्यूट, पुणे ने ''तितलियाँ- सौन्दर्य और चौपाया'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

- प्रोफेसर यशपाल और दिल्ली के स्कूली विद्यार्थियों के बीच एक वार्तालाप का आयोजन भी इसी व्याख्यान कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया।

नेहरू तारामंडल, नई दिल्ली के साथ मिलकर अंतर्राष्ट्रीय खगोलिकी वर्ष-2009 के अंतर्गत तीन व्याख्यान आयोजित किए गए। ये व्याख्यान निम्नलिखित विषयों पर केंद्रित थे:

- ''गैलिलियो, वैज्ञानिक और मनुष्य'' भाषणकर्ता: प्रोफेसर पी. आर. विश्वनाथ, प्रोफेसर, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स, बैंगलौर।

- ''रेडियो ब्रह्मांड और जी आर टी'' भाषणकर्ताः प्रोफेसर डी. जे. सैकिया, प्रोफेसर, नेशनल सेंटर फॉर रेडियो एस्ट्रोफिजिक्स, पुणे।

- ''हमारे ब्रह्मांड की उत्पत्ति'' भाषणकर्ताः प्रोफेसर टॉम गेहरेल्स, एरिजोना विश्वविद्यालय, अमेरिका।

वैज्ञानिक प्रयोगों हेतु पर्सनल कम्प्यूटर इन्टरफेस

विज्ञान प्रसार विज्ञान व प्रौद्योगिकी संचार हेतु नए प्रशिक्षण मॉड्यूल/साधनों के विकास में निरंतर संलग्न रहा है। विज्ञान के प्रयोगों के लिए कम्प्यूटर का उपयोग छात्रों को भौतिकी पैरामीटरों और प्रक्रियाओं के मापन एवं नियंत्रण हेतु कम्प्यूटर की उपयोगिता को समझाने का एक अभिनव प्रयास है।

तापमान, प्रकाश तीव्रता व ध्वनि, आर्द्रता आदि जैसे पैरामीटरों प्रयोगों द्वारा कैसे माप और नियंत्रित किया जा सकता है; इसकी व्याख्या करने के लिए विज्ञान प्रसार ने अनेक प्रदर्शन और कार्यशालाओं को आयोजित किया है। यह किट, मैसर्स ट्रिनिटी माइक्रोसिस्टम्स् लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा तैयार कर बाजार में भेजा जा रहा है और मैसर्स ट्रिनिटी प्रति किट 1200 रूपये की दर से विज्ञान प्रसार को रॉयल्टी दे रहा है।

कम्प्यूटर से किए जा सकने वाले वैज्ञानिक प्रयोगों से संबंधित किट् का प्रदर्शन

भौतिकी के नवाचारी प्रयोग

- विज्ञान प्रसार और भौतिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, (आई. आई. टी.) कानपुर ने संयुक्त रूप से 'प्रयोग आधारित शिक्षण के लिए नवाचारी भौतिकी प्रयोगों का विकास और शिक्षकों का प्रशिक्षण' नामक परियोजना पर काम शुरू किया है। यह परियोजना जून 2008 से आरंभ की गई। इस परियोजना का उद्देश्य एक विशेष अवधारणा की कक्षा में शिक्षण के दौरान नवाचारी गतिविधियों के उपयोग द्वारा शिक्षकों को प्रशिक्षित करना है। इस दिशा में निरंतर नई गतिविधियाँ और नए प्रयोग भी विकसित किए जाने हैं।

- 15 से 20 जून 2008 के दौरान नवाचारी भौतिकी की गतिविधियों/प्रयोगों में शिक्षकों को प्रशिक्षण देने के लिए आई.आई टी. कानपुर में 'भौतिकी में नवाचारी प्रयोग' विषय पर एक राष्ट्रीय

कार्यशाला आयोजित की गई। ग्यारह राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों से आए 41 शिक्षकों ने इस कार्यशाला में हिस्सेदारी की। प्रोफेसर कृपा शंकर, उपनिदेशक, आई. आई. टी. कानपुर उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि थे। आई. आई. टी., कानपुर द्वारा समाज तक अपनी पहुंच बनाने के लिए जो प्रयास किए जा रहे हैं और विज्ञान प्रसार एवं भौतिकी विभाग, आई. आई. टी., कानपुर के द्वारा नवाचारी प्रयोग आधारित विज्ञान को सीखने का जो संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है, उसकी प्रोफेसर शंकर ने सराहना की। कार्यशाला में 112 प्रयोगों/गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया और उन पर चर्चा की गई। पूरी कार्यशाला के दौरान बारह संसाधन व्यक्तियों ने हैन्ड्स ऑन गतिविधियों को संपादित करने मेंप्रतिभागियों की सहायता की। सभी प्रतिभागियों को भौतिकी का एक किट और 'भौतिकी के नवाचारी प्रयोग' शीर्षक सीडी प्रदान की गई। प्रतिभागियों को आई आई टी, कानपुर के भौतिकी विभाग की विभिन्न प्रयोगशालाओं में ले जाकर विशेषज्ञों द्वारा अनेक विशिष्ट यंत्रों की कार्य प्रणाली की व्याख्या की गई।

नवाचारी भौतिकी के प्रयोगों पर आई आई टी कानपुर में आयोजित कार्यशाला में प्रशिक्षण लेते हुए प्रतिभागी

विज्ञान प्रसार की मासिक पत्रिका 'ड्रीम 2047'

'ड्रीम 2047' विज्ञान प्रसार की लोकप्रिय मासिक विज्ञान पत्रिका है जो नियमित रूप से प्रकाशित की जा रही है। इस पत्रिका की वर्तमान प्रसार संख्या 52,000 से अधिक है। इस वर्ष के दौरान पत्रिका में जो लेख प्रकाशित हुए उसकी झलकियाँ इस प्रकार हैः

संपादकीयः

रोगाणुओं के साथ निरंतर संघर्ष, ब्रह्मांड को समझें कणों को टकराकर, जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य, आधुनिक जीवन शैली- दीर्घकालिक रोगों को न्योता, क्षुधितों के मुँह में निवाला, परमाणु ऊर्जा कितनी आवश्यक, चिड़िया की आँख पर निशाना, अब मंजिल है चांद, स्पाई ग्लास से अंतरिक्ष दूरबीनों तक, कैंसर के साथ, खगोलीय विरासत का संरक्षण।

ड्रीम – 2047 मासिक पत्रिका

आलेखः

आत्मारामः भारत में काँच प्रौद्योगिकी के अग्रदूत; रक्त दाब; माईक्रोलेंसिंग की मदद से नया 'सौर मंडल' खोजा गया; पहले चमगादड़ अंधेरे में नहीं उड़ पाते थे; आकाश दर्शन; आर्थर चार्ल्स क्लार्कः एक भविष्यदृष्टा विज्ञान कथा लेखक; उच्च रक्त दाब की समझ; ग्लोबल वार्मिग को कम करने की कवायद; टाइटन के भूमिगत समुद्र; अंतरिक्ष में जीवन की कड़ी ज्ञानेन्द्रनाथ मुखर्जीः कोलाइडी' रसायन के अग्रदूत; चन्द्रयान-1ः इंडिया का चंद्र मिशन; बैचेन मनः सामान्यीकृत व्यग्रता विकार; क्या एच एच सी ब्लैक होल को बड़ा कर सकते हैं?; इमारतों पर भूकंप के प्रभावों को कम करने के उपाय; जान नेपियरः लघुगणक के आविष्कारक; डायबिटीज के लिए इंसुलिन चिकित्सा; फोनिक्स मंगल पर उतरा; बुध के वायुमंडल में हाइड्रॉक्सील अणु खोजा गया; नैनोपदार्थों से कैंसर का खतरा; दवा से मिलते-जुलते जीन; कोलेस्टेरॉल पित्ताश्मरियां, ऑफिस फिटनेस व्यायामः काम के दौरान देह की जकड़न से बचाव; मजबूत नैनो कागज; मस्तिष्क के लिए स्टेम सेल चिकित्सा; जीवाणु भविष्य दर्शन कर सकते हैं; प्लूटो बना प्लूटॉइड; ग्लोबल वार्मिंग से अधिक ऊंचाई वाले स्थानों पर विस्थापित हो रही हैं पादप प्रजातियां; क्रिश्चियान हाइगेन्सः प्रकाश के तरंग सिद्धांत के संस्थापक; आलू की कहानी; यंत्रणादायक विचार; बेतुका आचरणः मनोग्रस्ति विषयक बाध्यता विकार (ऑँसेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर), फ्रेड हॉयलः बीसवीं सदी के सर्वाधिक बहुमुखी प्रतिभासंपन्न खगोलभौतिकी-विद; विज्ञान- प्रौद्योगिकी तथा ज्ञान आधारित समाज की ओर परिवर्तन महत्वपूर्ण सरोकार एवं मुद्दें; वस्तुओं को अदृश्य करना; ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसआर्डर का प्रबंधन; मॉर्टिन राइलः रेडियों खगोलिकी के अग्रदूत; उपचार के दौरान खाद्य एवं औषध अन्योन्यक्रिया; आंतरिक मदोन्मत्ता मद्यपान; ऑगस्ट केकुलेः संरचनात्मक कार्बनिक रसायन के जनक; कम्प्यूटर के विकास में नैनोप्रौद्योगिकी; ओएसडीडी-वहनीय और स्वास्थ्यकर प्रतिमान; मद्यव्यसनिताः कैसे हो व्यक्ति की धुत हो जाने की पहचान? जैकब्स हेनरिकसः वान्ट हॉफः रसायन का पहला नोबेल विजेता; स्वास्थ्य और रोग से बचाव के लिए न्यूट्रास्यूटिकल मद्यव्यसनिताः शरीर पर प्रभाव, सवान्ते ऑगस्ट अरहेनियसः इलैक्ट्रोलाईट के वियोजन सिद्धांत के संस्थापक; डार्विन की विरासत और आधुनिक विज्ञान; एक सेकेण्ड देर आया नया वर्ष; हिपरकसः महानतम प्राचीन खेगोलवेत्ता; वैज्ञानिक दृष्टिकोण; जैव विज्ञान में हरित क्रांति; तंबाकूः अभिशप्त पत्ती; आंतरिक धुआँ; आकाश दर्शन।

मासिक पत्रिका के नियमित स्तंभः

- तन-मन
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की अभिनव उपलब्धियाँ
- विज्ञान प्रसार समाचार
- आकाश दर्शन

विज्ञान प्रसार ने अपनी मासिक पत्रिका 'ड्रीम 2047' में 'आपकी राय' शीर्षक से एक नया स्तंभ शुरू किया है। इसमें अपनी राय देने वाले दो/तीन प्रतिभागियों के विचारों को उनके नाम, पता और छायाचित्र के साथ प्रकाशित किया जाता है। 'ड्रीम 2047' में 'आपकी राय' स्तंभ के अंतर्गत दिए गए कुछ शीर्षक इस प्रकार हैं: 'निकट भविष्य में भारत एक मानवयुक्त मिशन को भेजने की योजना बना रहा है, क्या यह मिशन भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को लाभ पहुँचाएगा'; व्यक्तिगत तौर पर ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों को कम करने के लिए हम पर्याप्त उपाय कर रहे हैं', क्या हमारे विज्ञान के विद्यार्थी स्कूलों में पर्याप्त हैन्ड-ऑन प्रयोग सीख रहे हैं जिससे उन्हें उच्च शिक्षा लेने और विज्ञान में कैरिअर बनाने की प्रेरणा मिल सके?

प्रकाशन कार्यक्रम

रिपोर्ट की अवधि के दौरान विज्ञान प्रसार द्वारा निम्नलिखित पुस्तकें अंग्रेजी में प्रकाशित की गई:

- डब्ल्यू 5 एच ऑफ साइंस- डॉ. राकेश मोहन हालेन
- डब्ल्यू 5 एच ऑफ टैक्नोलॉजी- डॉ. राकेश मोहन हालेन
- जेनेटिक्स इन हेवेन- देवी पी. वर्मा एण्ड महारानी चक्रवर्ती
- टू रीच द स्टार्स ऑर डिग द अर्थ- प्रो. जी. पद्मनाभन
- ए हैण्ड बुक ऑफ फिशेस- निलेश हेडा
- ए हैण्डबुक ऑफ ड्रेगन फ्लाईज- के. ए. सुब्रमण्यम
- मिस्टिरियस मून एण्ड इंडिया चंद्रयान मिशन- डॉ. नरेन्द्र भंडारी

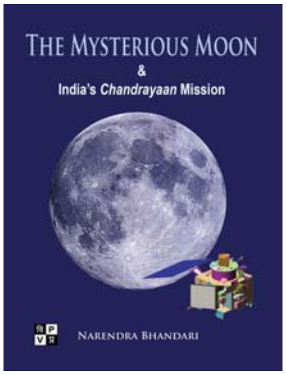

रिपोर्ट की अवधि के दौरान निम्न पुस्तकें अंग्रेजी में पुर्नमुद्रित की गई:

- सीइंग इज नाट आल्वेज बिलीविंग
- हैण्ड्स ऑन- अरविन्द्र गुप्ता
- ओरिगैमी: फन एण्ड मैथमेटिक्स- वी एस एस शास्त्री
- फन एण्ड साइंस एट होम- एल एस कोठारी एण्ड ज्योति भंसाली
- व्हाई द स्काई इज ब्लू
- पम्पूस फ्राम द डम्पस

इस अवधि में निम्न पुस्तकें हिन्दी में प्रकाशित की गई:

- सुनो तारे-- उषा श्रीनिवासन
- मेरा दोस्त मिस्टर लीकी- जे. बी. एस. हाल्डेन
- अस्थमा- डॉ. एस. के. शर्मा

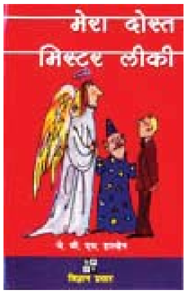

इस अवधि में निम्न हिंदी पुस्तकों को पुर्नमुद्रित किया गयाः

- प्रकृति की प्रयोगशाला- निखिल मोहन पटनाइक एवं पुष्पश्री पटनाइक
- साईकिल की कहानी- विजय गुप्ता
- क्यों और कैसे- पार्थ घोष
- आकाश दर्शन का आनंद- राकेश पोपली
- खेल-खेल में खिलौने- अरविन्द गुप्ता
- सच तो कुछ और है- नरेन्द्र सहगल
- पत्तों का चिड़ियाघर- अरविन्द गुप्ता

इस अवधि में पृथ्वी ग्रह के विविध विषय–वस्तुओं पर हिंदी और अंग्रेजी में निम्न तेरह पुस्तकें प्रकाशित की गईः

- वाटर- पी. एस. दत्ता
- द वायलेन्ट अर्थ- अर्थक्वेक/सुनामी/वोल्केनोज- डॉ. सुबोध महंती
- स्नेक्स- सुकन्या दत्ता
- मैंग्रोव- आर. पन्नीर सेल्वम
- माउंटेन अण्डर सीज- हसन जावेद खान
- प्लेनेट अर्थ इन ए नटशेल- बिमान बसु
- लाईफ ऑन अर्थ- सुकन्या दत्ता
- डेजर्ट्सः द ड्राइएस्ट प्लेस ऑन अर्थ- डॉ. सुबोध महंती
- वेदर रिडल- बिमान बसु
- अर्थ'स चेंजिंग क्लाइमेट- बिमान बसु
- बैम्बू- डी. सी. बरूआ
- ग्लोबल वार्मिंग एण्ड हैल्थ- आलोक मुखर्जी
- मेगा सिटीज- टी. वी. जयन

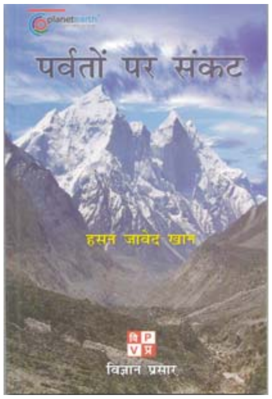

विज्ञान प्रसार ने अंतर्राष्ट्रीय खगोलिकी वर्ष 2009 के अवसर पर खगोलिकी से जुड़े अनेक विषयों पर निम्न पुस्तकों के प्रकाशन की योजना बनाई हैः

- प्लैनेटरी मोशंस- जे. एन. देसाई, एन. एम. अशोक एण्ड वी. बी. काम्बले।
- एन इंट्रोडक्शन टू एस्ट्रोनॉमी- जे. एन. देसाई
- डेवलपमेंट ऑफ एस्ट्रोनॉमी थ्रू द इंस्ट्रूमेंटस- बिमान बसु
- खगोलिकी से संबंधित वी. बी. काम्बले के ड्रीम 2047 में प्रकाशित संपादकीय पर आधारित एक पुस्तक।
- ड्रीम 2047 में प्रकाशित महान खगोल वैज्ञानिकों की जीवनियों पर केंद्रित सुबोध महंती के आलेख।

- ❖ प्रोजेक्ट्स इन एस्ट्रोनॉमी- अरविन्द सी. रानडे
- ❖ द आईज ऑन द स्काईः द स्टोरी ऑफ टेलीस्कोप- बिमान नाथ

सस्ता साहित्य मंडल विज्ञान प्रसार की निम्न 10 पुस्तकों को वितरण हेतु प्रकाशित करने के लिए सहमत हुआ है।

- ❖ अंगूठे की छाप
- ❖ आयोडीन नमक
- ❖ फर्मी के प्रश्न या अनुमान लगाने की कला
- ❖ ग्रहणः मिथक और यथार्थ
- ❖ चार्ल्स डार्विन की आत्मकथा
- ❖ रसायन विज्ञान की कहानी
- ❖ दिल्ली लौह स्तंभ
- ❖ साइकिल की सवारी
- ❖ प्रकृति की प्रयोगशाला
- ❖ भौतिकी की कहानी

- ❖ सस्ता साहित्य मंडल प्रकाशन ट्रस्ट की शुरूआत महात्मा गांधी के स्नेहानुशीलन में जी डी बिरला और जमनालाल बजाज द्वारा की गई तथा इसके वर्तमान अध्यक्ष भारत के पूर्व मुख्य न्यायमूर्ति पी. एन. भगवती हैं। विज्ञान प्रसार ने पूर्व में भी अपनी पुस्तकों का वितरण-प्रसार उद्देश्य से निजी प्रकाशकों द्वारा प्रकाशन कराया है।

- ❖ मराठी और उड़िया भाषाओं में 1850 से 1950 के दौरान किए गए विज्ञान लोकप्रियकरण प्रयासों के प्रलेखन से संबंधित दो परियोजनाओं को विज्ञान प्रसार ने आरंभ किया है।

गतिविधि किट– कार्यशालाएं एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

- ❖ विज्ञान प्रसार ने 'जैव विविधता' और 'मौसम' पर केंद्रित दो गतिविधि किटों को विकसित किया है। 'जैव विविधता' किट में 51 स्वयं से की जा सकने वाली गतिविधियाँ हैं जो वैज्ञानिक सिद्धांतों, प्राकृतिक घटनाओं और प्रक्रियाओं की व्याख्या स्वयं करती हैं। किट में दी गई हैन्ड्सऑन गतिविधियों के द्वारा जैव विविधता से जुड़ी

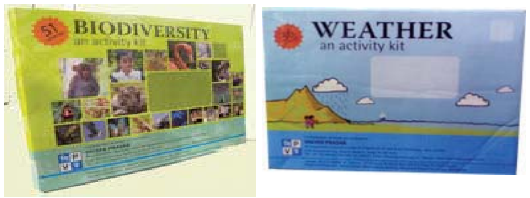

''जैव विविधता'' एवं ''मौसम'' पर विज्ञान प्रसार द्वारा विकसित की गयी किट्स

वैज्ञानिक संकल्पनाओं, सूचना व सिद्धांतों, घटनाओं और प्राकृतिक प्रक्रियाओं की गतिकी को सीखा-समझा जा सकता है। इसे विज्ञान प्रसार के पृथ्वी ग्रह कार्यक्रम के एक भाग के रूप में विकसित किया गया था।

'मौसम' किट में 31 हैन्ड्सऑन गतिविधियाँ है जिसमें मौसम से जुड़े वैज्ञानिक सिद्धांतों प्राकृतिक घटनाओं और प्रक्रियाओं की व्याख्या की गई है। किट में दी गई गतिविधियों के द्वारा मौसम से जुड़ी प्राकृतिक प्रक्रियाओं और उनकी गतिकी को समझा जा सकता है। इसे भी विज्ञान प्रसार के पृथ्वी ग्रह कार्यक्रम के एक भाग के रूप मे विकसित किया गया था।

- इलैक्ट्रानिक किट् का प्रदर्शन कार्यक्रम, बाल भारती स्कूल, गाजियाबाद (उ.प्र.) को 1 मई 2008 को समपन्न किया गया । इस कार्यक्रम में एन.सी.आर दिल्ली क्षेत्र में स्थित बाल भारती स्कूल के लगभग 50 बच्चों ने भाग लिया ।

- विज्ञान प्रसार द्वारा विकसित गतिविधि किटों पर केंद्रित बच्चों के लिए तीन कार्यशालाओं का आयोजन समर कैंप के दौरान विज्ञान प्रसार और राष्ट्रीय रेल संग्रहालय, नई दिल्ली द्वारा 23 मई, 30 मई और 6 जून 2008 को किया गया। इस कार्यक्रम में करीब 200 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

- विज्ञान प्रसार के एडुसेट नेटवर्क के समस्त सिट केंद्रों द्वारा 26 से 29 मई 2008 के दौरान 'फन विथ इलैक्ट्रानिक्स' पर केंद्रित एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- अपोलो इंटरनेशनल स्कूल, सोनीपत, हरियाणा के विद्यार्थियों के लिए एक व्याख्यान सह प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन 22 जुलाई 2008 को विज्ञान प्रसार, नोएडा में किया गया।

- विज्ञान प्रसार द्वारा विकसित गतिविधि किटों पर आधारित एक व्याख्यान सह प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन मध्य प्रदेश के विज्ञान शिक्षकों के लिए 26 से 28 सितंबर 2008 के दौरान इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च, पिप्लोदा, रतलाम (मध्य प्रदेश) में किया गया। इस कार्यक्रम में रतलाम, मंदसौर और उज्जैन के 50 सरकारी स्कूली शिक्षकों ने भागीदारी की।

- 14 से 20 नवंबर 2008 के दौरान नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली में विद्यार्थियों के लिए वैज्ञानिक गतिविधियों पर केंद्रित एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में दिल्ली के विभिन्न स्कूलों से करीब 500 बच्चों ने हिस्सा लिया।

- 17 दिसंबर 2008 को पर्यावरण मंत्रालय, एनसीटी दिल्ली द्वारा प्रगति मैदान, नई दिल्ली में विज्ञान व प्रौद्योगिकी पर केंद्रित कार्यशाला

नई दिल्ली में आयोजित गतिविधि किटों पर प्रदर्शन कार्यक्रम

का आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली के विज्ञान शिक्षकों/इको-क्लबों के समन्वयकों ने हिस्सा लिया। इस कार्यशाला में विज्ञान प्रसार द्वारा विकसित 'भूकंप किट' पर एक व्याख्यान-सह- प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- विज्ञान प्रसार द्वारा विकसित 'खगोलिकी किट' पर एक प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन 10 जनवरी, 2009 को आवासीय कल्याण सोसाइटी, कौशाम्बी, गाजियाबाद में किया गया। कौशाम्बी क्षेत्र की सोसाइटियों से इस कार्यक्रम में 170 बच्चों और अभिभावकों ने हिस्सेदारी की।

- 17 से 18 जनवरी, 2009 को विज्ञान प्रसार द्वारा विकसित किटों 'मौसम' और 'जैवविविधता' पर ग्वालियर मेला, ग्वालियर के स्थानीय संसाधन व्यक्तियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

- 19 फरवरी, 2009 को एमिटी स्कूलों के नेटवर्क, एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, पुष्प विहार, नई दिल्ली के विद्यार्थियों के लिए 'खगोलिकी किट' पर विज्ञान प्रसार ने प्रदर्शन कार्यक्रम किया।

''मौसम'' पर विकसित की गई गतिविधि किट् का मणिपुर में प्रदर्शन कार्यक्रम

- 25 से 26 मार्च 2009 के दौरान नवाचारी भौतिकी प्रयोगों पर केंद्रित और इम्फाल, मणिपुर में आयोजित एक कार्यशाला में गतिविधि किटों पर एक प्रदर्शन कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम में मणिपुर के विभिन्न जनपदों से तकरीबन 120 शिक्षकों ने हिस्सा लिया।

हैम रेडियो

- हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान, गुड़गांव में 8 अप्रैल 2008 को पांच दिवसीय कार्यशाला के दौरान बाढ़ प्रबंधन में वैकल्पिक संचार प्रणाली के रूप में हैम रेडियो विषय पर केंद्रित एक व्याख्यान-सह-प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें हरियाणा राज्य सरकार के विभिन्न विभागों से वरिष्ठ सरकारी कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्रदर्शनी

- आपदा प्रबंधन-2008 के अवसर पर प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 16 से 18 अप्रैल 2008 को आयोजित आपदा प्रबंधन पर केंद्रित एक अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में हैम रेडियो का प्रदर्शन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।

- विज्ञान प्रसार के एडुसेट सैटेलाइट बहुप्रसारण नेटवर्क के माध्यम से 26-29 मई, 2009 के दौरान हैम रेडियो पर किट निर्माण की एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें विद्यार्थियों को निम्न क्षमता के रेडियो ट्रांसमीटरों के निर्माण और व्यावहारिक तौर पर लंबी दूरियों के लिए संचार हेतु हैम रेडियो लाइसेंसिंग पर विद्यार्थियों को क्रमबद्ध मार्गदर्शन प्रदान किया गया। विद्यार्थी हैम रेडियो के विभिन्न पहलुओं से एकाकार हुए और हैम रेडियो की नई डिजिटल प्रोद्योगिकीयों का भी प्रदर्शन किया गया।

- अपोलो इंटरनेशनल स्कूल, सोनीपत के विद्यार्थियों के लिए 23 जुलाई, 2008 को हैम रेडियो पर एक व्याख्यान-सह-प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी में 5 से 7 सितंबर, 2008 को हैम रेडियो पर एक व्याख्यान एवं प्रदर्शन कार्यक्रम तथा सॉफ्टवेयर परिभाषित रेडियो पर केंद्रित एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- आर्मी टैक्नोलॉजी सेंटर (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान, दिल्ली) में 10 नवंबर, 2008 को हैम रेडियो ऑटोमेटिक पोजिशन रिपोर्टिंग सिस्टम (एपीआरएस) का प्रदर्शन किया गया।

- हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (एचआईपीए), गुड़गांव के लिए 11 नवंबर, 2008 को 'राजस्व अधिकारियों हेतु आपदा प्रबंधन' विषय पर हैम रेडियो की नई प्रौद्योगिकीयों के माध्यम से एक व्याख्यान और प्रदर्शन कार्यक्रम सम्पन्न किया गया।

- 19-23 जनवरी, 2009 के दौरान 'भूकंप प्रबंधन' पर हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (एचआईपीए), गुड़गांव में आपदा अल्पीकरण के लिए प्रासंगिक हैम रेडियो की नई प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जिसके अंतर्गत व्याख्यान दिया गया। इस कार्यक्रम में पुलिस विभाग, लोक निर्माण विभाग और नगर व ग्रामीण योजना जैसे संगठनों ने प्रतिभागिता की।

- लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, के मसूरी के आपदा प्रबंधन केंद्र द्वारा 1 से 12 दिसंबर, 2008 के दौरान विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित 'ग्रामीण समाज कार्यक्रम के लिए विज्ञान' नामक कार्यक्रम में विज्ञान प्रसार ने हिस्सा लिया।

- आई आई टी कानपुर के वार्षिक अन्तर कॉलेज तकनीकी उत्सव *तेचकृति* के अवसर पर 12-15 फरवरी, 2009 को आई आई टी कानपुर में हैम रेडियो (रेडियो एक्टिव 2009) पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

❖ राजस्थान के मरुस्थल में सम्पन्न हुए डेजर्ट स्टार्म 2009 कार रैली के दौरान विज्ञान प्रसार ने रेडियो संचार सहायता प्रदान किया। 17-23 फरवरी, 2009 के दौरान इस रैली में करीब 3000 किलोमीटर की दूरी तय की गई और जिसके अंतर्गत रन का कच्छ तथा गुजरात में कच्छ की खाड़ी भी सम्मिलित किए गए।

डेजर्ट स्टार्म - 09 कार रैली के दौरान एंबुलेंस के अंदर डाक्टर एवं हैम की एक टीम

❖ 26 फरवरी, 2009 को विज्ञान प्रसार एडुसेट के माध्यम से विभिन्न हैम रेडियो प्रौद्योगिकीयों पर केंद्रित एक सत्र आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न नई तकनीकों का प्रस्तुतीकरण एवं अन्तः क्रिया के द्वारा इनका सजीव प्रदर्शन किया गया।

❖ व्यावहारिक प्रदर्शनों सहित हैम रेडियो की विभिन्न प्रौद्योगिकियों पर विज्ञान प्रसार ने वार्ताएँ प्रस्तुत की। 20-22 मार्च, 2009 के दौरान आई आई टी रूड़की के वार्षिक तकनीकी उत्सव- ''संज्ञान 2009'' के अवसर पर वहां ये वार्ताएँ प्रस्तुत की गईं।

विज्ञान प्रसार का विज्ञान क्लबों का नेटवर्क (विपनेट)

❖ विज्ञान प्रसार का विपनेट विज्ञान क्लबों हेतु मासिक न्यूजलैटर 'विपनेट न्यूज' इस अवधि के दौरान नियमित रूप से प्रकाशित किया गया। न्यूजलैटर में जैव विविधता, प्रकृति, पर्यावरण, मौसम जलवायु, खगोलिकी तथा अन्य संबद्ध विषयों के विभिन्न मुद्दों पर पारस्परिक संवाद एवं जानकारी सुलभ कराने वाले आलेखों को स्थान दिया गया है। 'विपनेट न्यूज' की वर्तमान प्रसार संख्या 12,000 है। विपनेट डाटाबेस निर्मित किया जा रहा है और इसे वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया है जिसमें राज्यवार समस्त पंजीकृत क्लबों का विवरण प्रदर्शित किया गया है।

❖ आंतरिक संसाधन द्वारा प्रमाण पत्रों के मुद्रण की सुविधा विकसित कर ली गई है। पूरी तरह भरे हुए संबद्धता फार्म प्राप्त होने के डेढ़ माह के बाद विधिवत लैमिनेटेड प्रमाण पत्र समस्त पंजीकृत क्लबों को अब भेजा जा रहा है।

❖ विपनेट न्यूज में प्रकाशित आलेखों और गतिविधियों की प्रतिक्रिया में विज्ञान क्लबों द्वारा पत्र और जिज्ञासाओं के रूप में निरंतर प्रतिपुष्टि मिल रही है। सर्वाधिक सक्रिय क्लबों की पहचान कर उन्हें शीर्ष क्लबों में विकसित करने के लिए एक प्रतिपुष्टि प्रविधि का भी उपयोग किया जा रहा है। अनेक राज्यों में पृथ्वी ग्रह आधारित गतिविधियों हेतु विपनेट क्लबों के करीब 25 क्लस्टरों को चिन्हित कर लिया गया है।

विपनेट न्यूजलेटर

❖ 2008-09 के दौरान, देश के विभिन्न अंचलों से 1572 नए विपनेट विज्ञान क्लब आबद्ध हुए हैं। दिल्ली, पंजाब, बिहार महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उड़ीसा, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, केरल, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, पुदुचेरी, कनार्टक और झारखंड जैसे राज्यों में नए क्लबों का गठन हुआ है। वर्तमान समय में भारत के 425 से भी अधिक जनपदों में विपनेट क्लब मौजूद हैं।

देश में विपनेट क्लबों की वर्तमान स्थिति

राज्य/केंद्रशसित प्रदेश	विपनेट क्लबों की संख्या
आंध्र प्रदेश	138
अंडमान व निकोबार	02
अरुणाचल प्रदेश	04
असम	204
बिहार	1971
चंडीगढ़	05
छत्तीसगढ़	291
दिल्ली	102
गोवा	15
गुजरात	217
हरियाणा	98
हिमाचल प्रदेश	38
जम्मू और कश्मीर	165
झारखंड	86
कर्नाटक	44
केरल	44
महाराष्ट्र	240
मणिपुर	14
मेघालय	04
मध्य प्रदेश	1997
मिजोरम	02
नागालैंड	02
उड़ीसा	937
पुदुचेरी	05
पंजाब	228
पश्चिम बंगाल	497
राजस्थान	184
सिक्किम	36
तमिलनाडु	143
त्रिपुरा	33
उत्तर प्रदेश	1043
उत्तराखंड	230
लक्षद्वीप	07
कुल योग	**9026**

विपनेट दिशा निर्देशक कार्यक्रम

❖ विज्ञान प्रसार और न्यास ट्रस्ट के संयुक्त प्रयास द्वारा मई 2008 के दौरान अहमदाबाद, नागपुर, बुलढाना (महाराष्ट्र) में विज्ञान क्लबों के निर्माण के लिए प्रशिक्षण-सह अभिमुखीकरण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। अगस्त 2007 में पुणे में हुआ अभिमुखीकरण कार्यक्रम कार्यशालाओं के रूप में सामने आई। प्रत्येक कार्यशाला में विभिन्न स्कूलों और कॉलजों से 50 शिक्षकों ने प्रतिभागिता की। इस कार्यशाला का मूल उद्देश्य महाराष्ट्र में सक्रिय विपनेट क्लबों के नेटवर्क को सशक्त बनाना है और पृथ्वी ग्रह वर्ष 2008 और खगोलिकी वर्ष 2009 के लिए गतिविधियों का रोडमैप तैयार करना है।

❖ मलिन बस्तियों में रहने वाले बच्चों के लिए लीफ फाउंडेशन नामक एनजीओ के साथ मिलकर विज्ञान प्रसार ने 30 मई, 2008 को भागीरथी विहार, दिल्ली में विपनेट अभिमुखीकरण कार्यशाला तथा विज्ञान जागरूकता कैंप का आयोजन किया। इस कार्यशाला में 60 बच्चों ने हिस्सा लिया। चमत्कार के पीछे छिपे वैज्ञानिक तथ्यों और विज्ञान से जुड़ी अन्य बातों को जानने में बच्चे जिज्ञासु दिखे।

दिल्ली के मलिन बस्तियों में रहने वाले बच्चें के लिए आयोजित विज्ञान जागरूकता कैम्प

❖ पंजाब में विज्ञान क्लबों के लिए विज्ञान प्रसार द्वारा एक विपनेट अभिमुखीकरण कार्यक्रम का चंडीगढ में आयोजन 29 जुलाई 2008 को किया गया । इस कार्यक्रम के दौरान विपनेट के साथ 75 नए विज्ञान क्लब जुड़ गए ।

❖ विज्ञान प्रसार ने स्कूल शिक्षकों के लिए 13-15 अगस्त 2008 को आगरा में 'भौतिकी के नवाचारी प्रयोग' विषय पर विपनेट अभिमुखीकरण व प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। अनेक स्कूलों, कॉलेजों से करीब 70 शिक्षकों तथा विपनेट क्लबों के अनेक समन्वयकों ने इस कार्यक्रम में प्रतिभागिता की। अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी ग्रह वर्ष-2008 के एक भाग के रूप में प्रत्येक प्रतिभागी को सीडी, किट, पोस्टर आदि जैसी संसाधन सामग्री प्रदान की गई ताकि इनसे वह अपने क्लब में गतिविधियों की शुरूआत कर सकें।

❖ विपनेट विज्ञान क्लबों के लिए मध्य प्रदेश के भोपाल और ग्वालियर में दूरबीन निर्माण पर केंद्रित दो कार्यशालाएँ क्रमशः 6-10 सितंबर, 2008 तथा 19-23 सितंबर, 2008 को आयोजित की गईं। प्रत्येक कार्यशाला में लगभग 50 प्रतिभागी प्रशिक्षित किए गए।

❖ राजीव गांधी शिक्षा मिशन (आर. जी. एस. एम.) के सहयोग से विज्ञान प्रसार ने 11-13 अक्टूबर 2008 के दौरान विपनेट क्लबों हेतु तीन दिवसीय दो अभिमुखीकरण कार्यक्रमों को आयोजित

किया। इन कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ के छः जनपदों से करीब 200 शिक्षकों/शिक्षाकर्मियों ने हिस्सा लिया। इन कार्यक्रमों का मूल उद्देश्य छत्तीसगढ़ राज्य में विज्ञान क्लबों की स्थापना के लिए आर. जी. एस. एम. के साथ मिलकर दीर्घ अवधि का संबंध विकसित करना है। इस कार्यक्रम के दौरान किटों और हैन्ड्स-ऑन गतिविधियों पर आधारित प्रदर्शनों की एक पूरी श्रृंखला आयोजित की गई।

- तमिलनाडु राज्य में विपनेट क्लबों के गठन हेतु पहला और अंतिम सुग्राहीकरण कार्यक्रम 19-20 फरवरी, 2009 के दौरान पी. एस. जी. आर. कृष्णाम्माल महिला कॉलेज, पीलामेडु, कोयम्बत्तूर में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विज्ञान प्रसार और तमिलनाडु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र, चैन्नई के संयुक्त प्रयास से सम्पन्न हुआ। कार्यशाला में प्रतिभागियों को अपने स्कूलों में विज्ञान क्लबों के गठन द्वारा गतिविधियों के माध्यम से उन्हें प्रोत्साहित किया। अनेक स्कूलों से करीब 60 प्रतिनिधि शिक्षकों ने कार्यशाला में हिस्सा लिया। प्रत्येक प्रतिभागी को उसके विज्ञान क्लब में गतिविधियों की शुरूआत करने के दृष्टिकोण से संसाधन सामग्री के रूप में पोस्टर, सीडी और किट प्रदान किया गया।

आगरा (उ.प्र.) में आयोजित नावाचारी भौतिकी प्रयोगों पर कार्यशाला

- विज्ञान प्रसार ने भारतीय विद्या निकेतन, पालक्काड़, केरल के सहयोग से पालक्काड़ में 18-20 मार्च 2009 के दौरान शैक्षिक संस्थानों के विज्ञान शिक्षकों और स्वैच्छिक संगठनों के कार्यकर्ताओं के लिए तीन दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूलों में स्थायी तौर पर विपनेट क्लबों का आरंभ करना था। इस तीन दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम में केरल के विभिन्न जनपदों से करीब 70 शिक्षकों ने हिस्सा लिया। विज्ञान प्रसार के द्वारा विकसित की गई संसाधन सामग्रियाँ जिनमें 21 पोस्टरों का एक सेट, गतिविधि किट (मौसम, जैव-विविधता और खगोलिकी) तथा 14 पॉवर प्वाइंट प्रेजेन्टेशनों पर केंद्रित पृथ्वी ग्रह संबंधी सीडी प्रत्येक प्रतिभागी को दी गई।

पालक्काड़, केरल में शिक्षिकों के लिए तीन दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम

खगोलिकी गतिविधियाँ

मंगल ग्रह का प्रच्छादन

मंगल ग्रह के प्रच्छादन की घटना के अवसर पर नोएडा और आस-पास के लोगों के लिए विज्ञान प्रसार ने रात्रि आकाश दर्शन तथा ग्रह दर्शन कार्यक्रम आयोजित किए। यह कार्यक्रम 10 मई 2008 को कैम्ब्रिज स्कूल (सीनियर विंग) में किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान करीब 300 विद्यार्थियों और 200 लोगों ने प्रच्छादन और ग्रह दर्शन का आनंद उठाया। यह घटना विज्ञान प्रसार के सेलेस्ट्रान सीजीई 1100 टेलीस्कोप और 80 एमएम रिफ्रैक्टर की मदद से देखी गई। संपूर्ण कार्यक्रम 7 से 10 बजे रात्रि में संपन्न हुआ।

मंगल ग्रह के प्रच्छदान के दौरान आयोजित रात्रि आकाश दर्शन का दृश्य

देश के विभिन्न भागों में मौजूद विपनेट क्लबों के लिए खगोलिकी पर कार्यशाला

❖ पंजाब में स्थित विपनेट क्लबों के लिए खगोलिकी कार्यशाला

विज्ञान प्रसार ने पंजाब राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के साथ मिलकर पंजाब के विपनेट क्लबों हेतु पांच दिवसीय खगोलिकी कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला 29 जुलाई से 02 अगस्त 2008 तक भौतिकी विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में चली। पंजाब के विभिन्न जनपदों से तकरीबन 60 शिक्षकों ने इस कार्यशाला में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस कार्यशाला का उद्देश्य स्कूलों में खगोलिकी के प्रति जागरूकता और उत्साह विकसित करना था। राज्य परिषद ने नामांकन द्वारा विभिन्न स्कूली क्लबों का चयन किया।

विपनेट क्लबों के लिए पंजाब में आयोजित खगोलिकी कार्यशाला का दृश्य

❖ परभनी, महाराष्ट्र के शिक्षकों हेतु भौतिकी एवं खगोलिकी पर कार्यशाला

विज्ञान प्रसार ने सोशिओ इकोनॉमिक डेवलपमेंट ट्रस्ट (एस इ डी टी) एवं महाराष्ट्र सरकार (जिला परिषद परभनी) के सहयोग से परभनी जनपद से आए 50 शिक्षकों के लिए भौतिकी और खगोलिकी पर केंद्रित दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला 19 से 22 अगस्त 2008 तक डिस्कवरी साइंस सेंटर, करबाड़ी, परभनी में चली। इस कार्यशाला का उद्देश्य स्कूली बच्चों में ऐसा कौशल पैदा करना था जिससे उन्हें भौतिकी और खगोलिकी जैसे विषय अधिक रोचक लगें। शिक्षकों का चयन जिला परिषद परभगी द्वारा नामांकन पद्धति से किया गया। कार्यशाला के दौरान परभनी जिले के अंतर्गत करीब 50 नए विपनेट क्लबों का गठन किया गया।

❖ मध्य प्रदेश के विपनेट क्लबों हेतु खगोलिकी पर कार्यशाला

विज्ञान प्रसार और साइंस सेंटर (ग्वालियर) भोपाल ने संयुक्त रूप से मध्य प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए 40 शिक्षकों के लिए खगोलिकी पर केंद्रित पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला 6-10 सितंबर 2008 तक एआईसी यूएफ आश्रम, भोपाल में चली। इस कार्यशाला का उद्देश्य स्कूली बच्चों में खगोलिकी के प्रति रुचि जागृत करना था। शिक्षकों का चयन साइंस सेंटर (ग्वालियर) द्वारा शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश सरकार के परामर्श पर नामांकन प्रणाली से किया गया।

भोपाल में विपनेट क्लबों के लिए आयोजित खगोलिकी कार्यशाला का दृश्य

विज्ञान प्रसार ने युवा विज्ञान मंच (ग्वालियर) के सहयोग से मध्य प्रदेश के 50 विपनेट क्लबों के लिए खगोलिकी पर दो कार्यशालाएँ आयोजित की। ये कार्यशालाएँ 19 से 23 सितंबर, 2008 तक ग्वालियर में तथा 14 से 18 फरवरी 2009 तक पंचमढ़ी में चलीं। इसका उद्देश्य स्कूली बच्चों में खगोलिकी के लिए रुचि जगाना था। कार्यशाला के दौरान प्रत्येक प्रतिभागी को खगोलीय पिण्ड देखने के लिए 39 एमएम का साधारण रिफ्रेक्टर टेलीस्कोप दिया गया। इसके अतिरिक्त, नाईट स्काई के दौरान ग्रहों की पहचान, टेलीस्कोप का प्रयोग, गतिविधि किट का प्रदर्शन, हैन्डस-ऑन गतिविधियों आदि जैसे विविध पहलुओं पर इस कार्यशाला में प्रशिक्षण भी दिया गया।

❖ पृथ्वी और आकाश, खगोलीय एवं इमेज प्रोसेसिंग

विज्ञान प्रसार ने नेहरू तारामंडल और अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर भारत व अन्य देशों के शौकिया खगोलविदों के लिए 'पृथ्वी और आकाश, खगोलीय-फोटोग्राफी और इमेज प्रोसेसिंग' विषय पर एक अंतराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा

खगोलीय पिंडों की फोटोग्राफी और फोटोमिट्री पर प्रशिक्षण दिया गया। यह कार्यशाला 03 से 06 अक्टूबर 2008 तक चली जिसमें लगभग 100 शौकिया खगोलविदों ने हिस्सा लिया।

व्याख्यान एवं रात्रि आकाश दर्शन कार्यक्रम

- महिला कॉलेज, रोहतक (हरियाणा) में 14 मई, 2008 को 'खगोलिकी में मापन व पैमाना' और 'व्यावहारिक खगोलिकी' संबंधी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के अन्तर्गत व्याख्यान आयोजित किया गया।

- विज्ञान प्रसार, नोएडा में 23 जुलाई, 2008 को व्याख्यान और रात्रि आकाश दर्शन का आयोजन किया गया जिसमें 30 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

- 23 नवंबर 2008 को सरस्वती शिशु मंदिर, हापुड़ (उ0 प्र0) में एक व्याख्यान और रात्रि आकाश दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें 300 विद्यार्थियों और शिक्षकों ने हिस्सा लिया।

- विज्ञान प्रसार ने अनेक संगठनों के साथ मिलकर बाल भवन, नई दिल्ली में 15 सितंबर, 2008 को रात्रि आकाश दर्शन और टेलीस्कोप द्वारा खगोलीय पिंडों के अवलोकन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 300 विद्यार्थियों और शिक्षकों ने हिस्सा लिया।

बाल भवन, नई दिल्ली में आयोजित रात्रि आकाश दर्शन कार्यक्रम

- 10 जनवरी, 2009 को रेजिटेंड वेलफेयर एसोसिएशन, कौशांबी, गाजियाबाद में एक व्याख्यान-सह-प्रदर्शन तथा रात्रि आकाश दर्शन का आयोजन किया गया जिसमें 170 की संख्या में बच्चों और अभिभावकों ने हिस्सा लिया।

- विज्ञान प्रसार ने राष्ट्रीय रेल संग्रहालय के सहयोग से 20 मई से 8 जून 2008 तक 8 से 15 वर्ष के बच्चों के लिए समर कैम्प आयोजित किया जिसके अंतर्गत 22,28 मई और 05 जून 2008 को रात्रि आकाश दर्शन कराया गया।

- 29 फरवरी 2009 को एमिटी स्कूल, पुष्प विहार, नई दिल्ली के बच्चों के लिए खगोलिकी किट पर एक व्याख्यान और प्रदर्शन का आयोजन किया गया जिसमें 200 विद्यार्थियों तथा 15 शिक्षकों ने हिस्सा लिया।

एडुसेट नेटवर्क पर सैटेलाइट इन्टरएक्टिव टर्मिनल (एस.आई.टी.) हेतु खगोलिकी/अंतरिक्ष विज्ञान का कार्यक्रम

- 19 मई 2008 को एस. आई. टी. नेटवर्क के लिए 'वायुगतिकी' पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत वायुगतिकी से जुड़ी गतिविधियों जैसे वायु कैसे ऊपर उठती है, वायु में भार होता है, वायु में कर्षण-प्रभाव आदि का व्यावहारिक प्रयोगों के द्वारा प्रदर्शन किया गया। यह कार्यक्रम 'स्वयं करो' श्रृंखला का एक भाग था।

- एस.आई.टी. नेटवर्क पर खगोलिकी से जुड़े दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 30 मई और 2 जून 2008 को किया गया। यह गर्मी के विशेष कार्यक्रम का एक भाग था। सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को खगोलिकी से संबंधित विभिन्न पहलुओं की शिक्षा दी गई।

प्रशिक्षण एवं प्रसार

- विज्ञान प्रसार ने अहमदनगर, नागपुर, बुलढाना (महाराष्ट्र) में स्थित न्यास ट्रस्ट के साथ जुड़कर मई 2008 के दौरान विज्ञान क्लबों के गठन हेतु प्रशिक्षण-सह अभिमुखीकरण कार्यक्रम तथा 'भौतिकी में नवाचारी प्रयोगों' पर कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन किया। यह कार्यशाला अगस्त 2007 में पुणे में हुए अभिमुखीकरण कार्यक्रम का प्रतिफल थी। प्रत्येक कार्यशाला में विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों से आए 50 शिक्षकों ने हिस्सा लिया। इस कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य महाराष्ट्र में विपनेट क्लबों के नेटवर्क को सशक्त बनाना और पृथ्वी ग्रह वर्ष 2008 तथा खगोलिकी वर्ष 2009 से जुड़ी गतिविधियों के लिए मार्ग प्रशस्त करना था।

अहमद नगर, महाराष्ट्र में विज्ञान प्रसार एवं न्यास ट्रस्ट द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में प्रशिक्षण लेते शिक्षक

- विज्ञान प्रसार ने आगरा में 13 से 15 अगस्त 2008 तक भौतिकी के नवाचारी प्रयोगों पर आधारित विपनेट अभिमुखीकरण और प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों के प्रतिनिधि के रूप में 70 शिक्षकों तथा विपनेट क्लबों के समन्वयकों ने हिस्सा लिया। किट, सीडी, पोस्टर आदि के रूप में प्रत्येक प्रतिभागी को संसाधन सामग्री दी गई जिसमें वे अन्तर्राष्ट्रीय पृथ्वी ग्रह वर्ष-2008 के एक भाग के बतौर अपने क्लब में गतिविधियों की शुरूआत कर सकें।

- मध्य प्रदेश के भोपाल और ग्वालियर में विपनेट विज्ञान क्लबों के लिए क्रमशः 6-10 सितंबर, 2008 और 19-23 सितंबर 2008 तक टेलीस्कोप निर्माण पर केंद्रित दो कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। प्रत्येक कार्यशाला में करीब 50 प्रतिभागी प्रशिक्षित किए गए। ये कार्यशालाएँ अंतर्राष्ट्रीय खगोलिकी वर्ष 2009 के एक भाग के रूप में आयोजित हुई थीं। प्रत्येक कार्यशाला में प्रतिभागियों द्वारा करीब 60 टेलीस्कोप (गैलेलियन) निर्मित किए गए। अपने क्षेत्रों में रात्रि आकाश दर्शन से जुड़ी गतिविधियों का आरंभ करने के लिए ये संसाधन क्लबों को प्रदान किए गए।

- विज्ञान प्रसार ने विपनेट क्लब और रतलाम जिले के विज्ञान शिक्षकों हेतु 26 से 28 सितंबर 2008 तक पिपलोदा में 'भौतिकी के नवाचारी प्रयोगों' पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। प्रत्येक कार्यशाला में अनेक सरकारी स्कूलों से आए लगभग 50 भौतिकी के शिक्षकों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला के समापन पर हर एक प्रतिभागी को संबंधित विषय की एक सीडी और किट दी गई ताकि वे अपने क्लबों और स्कूलों में समान गतिविधियाँ आरंभ कर सकें। रतलाम मध्य प्रदेश के ऐसे जनपदों में एक है जहाँ विज्ञान प्रसार के 200 से अधिक विपनेट क्लब मौजूद हैं। यहां के विपनेट क्लबों का समूह देश के सर्वाधिक सक्रिय विपनेट क्लब समूहों में से एक है।

- मध्य प्रदेश के चयनित जनपदों में मौजूद विपनेट क्लबों के लिए खगोलिकी गतिविधियों और पृथ्वी ग्रह से जुड़ी एक कार्यशाला का आयोजन 14 से 18 फरवरी 2009 तक पंचमढ़ी में किया गया। यह कार्यशाला विज्ञान लोकप्रियकरण हेतु कार्यरत मध्य प्रदेश की एक एजेंसी युवा विज्ञान परिषद के साथ जुड़कर आयोजित की गई। इस कार्यशाला के दौरान लगभग 55 प्रतिभागी मौजूद रहे। हर एक प्रतिभागी को विज्ञान प्रसार की गतिविधि किट और पृथ्वी ग्रह से संबंधित संसाधन सामग्री प्रदान की गई।

- दिल्ली के इको-क्लब के साथ जुड़कर कार्यक्रम और गतिविधियों को गति देने के एक विशेष प्रयास के रूप में दिल्ली के फादर एंजेल स्कूल में एक दिवसीय अन्तःक्रिया-सह-अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह स्कूल दिल्ली का एक अग्रणी इको-क्लब है जो आस-पास के 20 स्कूल क्लबों को प्रोत्साहित करने में अपनी भूमिका निभाता है। इस कार्यक्रम के दौरान 20 इको-क्लबों को आमंत्रित किया गया और उन्हें जैव विविधता एवं मौसम संबंधी किट दिए गए ताकि वे अपने क्लबों में इनसे जुड़ी गतिविधियाँ शुरू कर सकें। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दिल्ली के सभी इको-क्लबों को विपनेट क्लबों की परिधि में लाना था।

संयुक्त रूप से सम्पन्न कार्यक्रम

मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद और साइंस सेंटर, ग्वालियर के साथ समन्वित मार्गदर्शक परियोजना

मध्य प्रदेश राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद और साइंस सेंटर के साथ शुरू की गई समन्वित परियोजना के तहत मई और जून 2008 के दौरान दो प्रशिक्षण कार्यक्रम भोपाल में आयोजित किए गए जिसमें पृथ्वी ग्रह वर्ष-2008 के मौके पर क्लबों में विज्ञान आधारित गतिविधियों के संचालन

हेतु शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। इन कार्यक्रमों में मध्यप्रदेश के 40 जनपदों से आये 300 शिक्षकों ने हिस्सा लिया। इस मार्गदर्शक परियोजना के लिए प्रत्येक जनपद से लगभग 10 स्कूलों का चयन किया गया और इन्हें यह दायित्व दिया गया कि वे विज्ञान के शिक्षण व अधिगम प्रक्रिया को रोचक व मनोरंजक बनाकर विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रूचि पैदा करें। यह परियोजना ‘विज्ञान शाला परियोजना’ के नाम से विकसित की गई है जो 2010 तक चलेगी। इस परियोजना को मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल द्वारा आर्थिक सहायता दी जा रही है। इस परियोजना के लिए सभी प्रकार की तकनीकी मदद और संसाधन सामग्रियों का प्रबंध विज्ञान प्रसार द्वारा किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश वि प्रौ काउंसिल और साइंस सेंटर ग्वालियर के साथ समन्वित कार्यक्रम का दृश्य

राष्ट्रीय रेल संग्रहालय, नई दिल्ली में कार्यशाला

राष्ट्रीय रेल संग्रहालय, नई दिल्ली के साथ एक संयुक्त अभियान के अंतर्गत 20 मई से 19 जून 2008 तक बच्चों के लिए विज्ञान गतिविधि आधारित चार कैंपों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के लिए अनेक अवलोकनों और प्रायोगिक गतिविधियों पर आधारित व्याख्यानों एवं फिल्मों को डिजाइन किया गया था। इस समर कैंप में 150 से अधिक बच्चों ने प्रतिभागिता की।

विज्ञान प्रसार एवं राष्ट्रीय रेल संग्रहालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ग्रीष्म शिविर का दृश्य

नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली के साथ कार्यक्रम

नेशनल बुक ट्रस्ट के साथ एक छः दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली में किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक दिन प्रयोग आधारित किटों का प्रदर्शन, व्याख्यान व कथा-वाचन सत्र जैसी विविधतापूर्ण गतिविधियाँ आयोजित की गईं। प्रत्येक दिन इस कार्यक्रम में लगभग 200 विद्यार्थियों और आम जनता ने हिस्सा लिया।

पर्यावरण विभाग, दिल्ली सरकार के सहयोग से कार्यक्रम

पर्यावरण विभाग, दिल्ली सरकार के सहयोग से दिल्ली के 100 स्थानीय इको-क्लबों को प्रशिक्षण देने के लिए प्रगति मैदान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। विज्ञान प्रसार ने इस कार्यक्रम में तकनीकी सहायता और संसाधन सामग्री उपलब्ध कराई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दिल्ली के सभी इको-क्लबों को विपनेट के दायरे में लाना था।

विज्ञान मेले

परफेक्ट हेल्थ मेला–2008

17-26 अक्टूबर, 2008 तक हार्ट केयर फाउंडेशन, दिल्ली द्वारा आयोजित परफेक्ट हेल्थ मेला 2008 में विज्ञान प्रसार ने गतिविधियों की श्रृंखला का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम के दौरान, प्रतिभागियों हेतु एक विशेष क्विज का कार्यक्रम रखा गया जिसके विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। विज्ञान प्रसार ने मेले के दौरान अपने स्टॉल पर विज्ञान प्रसार के सॉफ्टवेयर और प्रकाशनों को प्रदर्शित किया।

ग्वालियर मेला–2009

विज्ञान प्रसार ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आधारित एजेंसी युवा विज्ञान परिषद के सहयोग से ग्वालियर मेला में एक स्टॉल-सह गतिविधि कोना उपलब्ध कराया। यह मेला मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 1 जनवरी से 10 फरवरी 2009 तक आयोजित किया गया था। दीर्घाओं के लिए विषय जैसे 'पृथ्वी को सँवारो', आकाश को निखारो' विज्ञान प्रसार द्वारा सुझाए गए थे। इस मेले में आम जनों के लिए खगोलिकी के मुख्य विषय तथा पृथ्वी ग्रह के अनेक उप-विषयों पर एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

ग्वालिय मेला 2009 में विज्ञान प्रसार का स्टाल

स्टॉल पर प्रत्येक दिन आयोजित होने वाले अनेक कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए ग्वालियर के लगभग 70 निकटवर्ती स्कूलों को बुलाया गया था। आम जन के लिए इस मेले में गतिविधियों, प्रतियोगिताओं, क्विजों और सहवर्ती सत्रों का आयोजन किया गया। जल परीक्षण, भोजन में मिलावट की जाँच, कठपुतली प्रदर्शन और तथाकथित चमत्कारों की वैज्ञानिक व्याख्या जैसी गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। प्रत्येक दिन विज्ञान प्रसार के स्टॉल पर औसतन 12,000 लोग आए।

उत्तर–पूर्व में पहल

❖ विज्ञान प्रसार, आकाशवाणी केंद्र गुवाहाटी एवं असम विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण काउंसिल गुवाहाटी के संयुक्त तत्वाधान में, प्रकाशन एवं दृश्य मीडिया में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सामग्री संवर्द्धन हेतु जैव विविधता पर एवं विशेषतः उत्तर पूर्व के प्राकृतिक संसाधनों पर 26 कड़ियों का एक कार्यक्रम तैयार किया गया। यह कार्यक्रम पृथ्वी ग्रह वर्ष 2008 का ही एक अंग था। जैव विविधता पर आधारित इस धारावाहिक का प्रसारण 8 नवंबर 2007 से जून 2008 तक चला। इसका बेसिक फॉर्मेट डॉक्यू-ड्रामा का था एवं हर एपिसोड पारस्परिक संवाद पर आधारित था। चुने गए श्रोताओं को विज्ञान प्रसार द्वारा पुरस्कार भी वितरित किए गए।

❖ आकाशवाणी गंगतोक एवं आकाशवाणी कोलकाता के सहयोग से विज्ञान प्रसार द्वारा एक 13 कड़ियों का रेडियो धारावाहिक, विज्ञान कथा पर बनाया गया जो नेपाली एवं बांग्ला दोनों भाषाओं में था। इस धारावाहिक का प्रसारण कुरसैंग, गंगतोक आकाशवाणी केंद्र द्वारा नेपाली में एवं पश्चिमी बांग्ला के छह केंद्रों द्वारा बंग्ला में किया गया जिसके अंतर्गत असम में सिलचर एवं त्रिपुरा के अगरतला केंद्र भी सम्मिलित थे। यह प्रसारण जनवरी 2008 में आरंभ हुआ और इसका समापन जुलाई 2008 में हो गया।

अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी ग्रह वर्ष–2008

❖ पृथ्वी ग्रह वर्ष-2008 हेतु आयोजित कार्यक्रमों के अंतर्गत विज्ञान प्रसार द्वारा विभिन्न लक्ष्य समूहों के लिए कार्यक्रमों की योजना तय की गई जिनमें विविध प्रकाशन, रेडियो/दूरदर्शन कार्यक्रम, गतिविधि किट एवं पृथ्वी ग्रह से जुड़ी विभिन्न पहलुओं पर आधारित प्रदर्शनियां सम्मिलित हैं।

❖ अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी ग्रह वर्ष-2008 के कार्यक्रम के एक अंग के रूप में अन्य एजेंसियों, संस्थानों आदि के सहयोग से देश के विभिन्न अंचलों में सितंबर से दिसंबर 2008 के दौरान पाँच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। ये कार्यक्रम राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग और आनुषंगिक एजेंसी के सहयोग से संपन्न किए गए। इन कार्यक्रमों के दौरान विज्ञान प्रसार द्वारा निर्मित सॉफ्टवेयर एवं अन्य संसाधन सामग्रियों पर आधारित व्याख्यान-सह प्रदर्शनों की एक पूरी श्रृंखला आयोजित की गई। विभिन्न विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एजेंसियों, कॉलेजों

और स्कूलों के प्रतिनिधि के रूप में प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 50 मास्टर रिसोर्स ट्रेनरों ने हिस्सा लिया। विज्ञान परिषद के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया था। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम सितंबर 2008 में गुवाहाटी में उत्तर-पूर्वी राज्यों और पश्चिम बंगाल के लिए आयोजित किए गए थे। इस कार्यक्रम के बाद अक्टूबर 2008 में दूसरे चरण का प्रशिक्षण कार्यक्रम भोपाल में तथा नवंबर 2008 में ही उत्तरी क्षेत्र के लिए यह कार्यक्रम चंडीगढ़ में आयोजित किया गया। पाँचवें चरण का प्रशिक्षण कार्यक्रम पश्चिमी क्षेत्र के लिए दिसंबर 2008 में अहमदाबाद में किया गया।

❖ 52 कड़ियों वाले रेडियो धारावाहिक ‘धरती मेरी धरती’ का प्रसारण जनवरी 2008 से आरंभ हुआ और मार्च 2009 तक जारी रहा। यह कार्यक्रम अंग्रेजी सहित 19 भारतीय भाषाओं में तैयार किया गया था और आकाशवाणी के 117 रेडियो केंद्रों से प्रसारित हुआ, जिसके अंतर्गत देश का 95 प्रतिशत भू-भाग सम्मिलित है। कार्यक्रम पारस्परिक संवाद पर आधारित था एवं हर एपिसोड के अंत में श्रोताओं को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देने का मौका दिया जाता था। विज्ञान प्रसार द्वारा पुस्तकों एवं साफ्टवेयर के रूप में पुरस्कार प्रदान किए गए।

❖ पृथ्वी ग्रह पर 26 कड़ियों वाले एक टी. वी. धारावाहिक ‘कहानी धरती की’ का निर्माण और प्रसारण किया गया। इसका प्रसारण दूरदर्शन के राष्ट्रीय चैनल पर फरवरी 2009 से आरंभ हुआ।

❖ विज्ञान प्रसार द्वारा पृथ्वी ग्रह के विभिन्न पहलुओं पर हिंदी और अंग्रेजी में 12 पुस्तकें प्रकाशित की गईं।

❖ द वायलेंट अर्थ- अर्थ क्वेक/सुनामी/वॉलकनो- सुबोध महंती
❖ वाटर- पी. एस. दत्ता
❖ स्नेक्स- सुकन्या दत्ता
❖ मैंग्रोब्स- आर. पन्नीरसिलवम
❖ लाईफ ऑन अर्थ- सुकन्या दत्ता
❖ डेजर्ट्स- द ड्राइएस्ट प्लेस ऑन अर्थ- सुबोध महंती
❖ वेदर रिडल- बिमान बसु
❖ बैम्बू- डी. सी. बरूआ
❖ मेगा सिटीज- टी. वी. जयन
❖ ग्लोबल वार्मिंग एण्ड हेल्थ- आलोक मुखर्जी
❖ माउन्टेन अंडर सीज- हसन जावेद खान
❖ प्लैनेट अर्थ इन एक नटशैल- बिमान बसु

पृथ्वी ग्रह के विभिन्न विषयों पर आधारित 21 पोस्टरों का सेट अंग्रेजी और हिंदी में तैयार किया गया।

पृथ्वी ग्रह वर्ष– 2008 पर मास्टर संसाधन व्यक्तियों हेतु प्रशिक्षण कार्य

अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी ग्रह वर्ष-2008 के कार्यक्रम के एक अंग के रूप में अन्य एजेंसियों, संस्थानों आदि के सहयोग से देश के विभिन्न अंचलों में सितंबर से दिसंबर 2008 के दौरान पाँच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। ये कार्यक्रम राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग और आनुषंगिक एजेंसी के सहयोग से संपन्न किए गए। इन कार्यक्रमों के दौरान विज्ञान प्रसार द्वारा निर्मित सॉफ्टवेयर एवं अन्य संसाधन सामग्रियों पर आधारित व्याख्यान-सह प्रदर्शनों की एक पूरी श्रृंखला आयोजित की गई। विभिन्न विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एजेंसियों, कॉलेजों और स्कूलों के प्रतिनिधि के रूप में प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 50 मास्टर रिसोर्स ट्रेनरों ने हिस्सा लिया। विज्ञान परिषद के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया था। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम सितंबर 2008 में गुवाहाटी में उत्तर-पूर्वी राज्यों और पश्चिम बंगाल के लिए आयोजित किए गए थे। इस कार्यक्रम के बाद अक्टूबर 2008 में दूसरे चरण का प्रशिक्षण कार्यक्रम भोपाल में तथा नवंबर 2008 में ही उत्तरी क्षेत्र के लिए यह कार्यक्रम चंडीगढ़ में आयोजित किया गया। पाँचवें चरण का प्रशिक्षण कार्यक्रम पश्चिमी क्षेत्र के लिए दिसंबर 2008 में अहमदाबाद में किया गया।

गुवाहटी, बैंगलौर, चंडीगढ़, अहमदाबाद एवं भोपाल 2008–2009 को पृथ्वी ग्रह पर आयोजित मास्टर रिसोर्स ट्रेनिंग कार्यक्रम

प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम में जैव विविधता, मौसम और भूकंप संबंधी गतिविधि किटों के प्रदर्शन की एक श्रृंखला तथा पृथ्वी ग्रह पर केंद्रित लोकप्रिय व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। हर एक प्रतिभागी को विज्ञान प्रसार द्वारा विकसित की गई संसाधन सामग्री प्रदान की गई। इसमें 10 किताबों का एक सेट, 21 पोस्टरों का एक सेट, 3 किट (मौसम, जैव विविधता और भूकंप) और 12 पॉवर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन वाली एक सीडी सम्मिलित थे।

अंतर्राष्ट्रीय खगोलिकी वर्ष–2009

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2009 को 'खगोलिकी वर्ष' के रूप में घोषित किया गया है। खगोलिकी वर्ष 2009 के अंतर्गत विज्ञान प्रसार ने विभिन्न लक्ष्य समूहों के लिए खगोलिकी के विविध पहलुओं पर प्रकाशन, रेडियो/टी. वी. कार्यक्रम, गतिविधि किट और प्रदर्शनी जैसे कार्यक्रमों को आरंभ किया है।

खगोलिकी पर रेडियो धारावाहिक

अंग्रेजी सहित 19 मुख्य भारतीय भाषाओं में खगोलिकी पर 52 कड़ियों वाले एक रेडियो धारावाहिक 'सितारों से आगे' का निर्माण किया गया है। यह धारावाहिक अप्रैल 2009 से आरंभ होगा।

खगोलिकी पर टी. वी. धारावाहिक

खगोलिकी पर 26 कड़ियों वाले एक टी. वी. धारावाहिक 'तारों की सैर' की शुरूआत की गई है जो प्रत्येक रविवार की सुबह दूरदर्शन के राष्ट्रीय चैनल द्वारा प्रसारित होगी।

प्रकाशन

खगोलिकी के अनेक विषयों पर अंग्रेजी और हिंदी में लोकप्रिय स्तर की सात पुस्तकों के प्रकाशन योजना की शुरूआत की गई है। इन पुस्तकों के अन्य भारतीय भाषाओं में अनुवाद आगे कराए जाएंगे।

- प्लैनेटरी मोशंस- जे. एन. देसाई, एन. एम. अशोक एवं वी. बी. काम्बले
- एन इंट्रोडक्शन टू एस्ट्रोनॉमी- प्रो. जे. एन. देसाई
- डेवलपमेंट ऑफ एस्ट्रोनॉमी थ्रू द इंस्ट्रूमेंटस- श्री बिमान बसु
- ड्रीम 2047 में खगोलिकी से जुड़े मुद्दों पर प्रकाशित वी. बी. काम्बले के आलेखों पर आधारित पुस्तक बायोग्राफीज ऑफ ग्रेट एस्ट्रोनामर्स- ड्रीम 2047 में प्रकाशित सुबोध महंती के आलेखों पर आधारित
- प्रोजेक्टस इन एस्ट्रोनॉमी- डॉ. अरविन्द सी. रानडे
- द आईज ऑन द स्काईः द स्टोरी ऑफ टेलीस्कोप्स- डॉ. बिमान नाथ

खगोलिकी किट

खगोलिकी और ग्रहणों के मौलिक पहलुओं/घटना पर आधारित 32 गतिविधियों वाले एक खगोलिकी किट का निर्माण अंग्रेजी व हिंदी में किया गया है।

सीडी का निर्माण

'ग्रहण' पर एक सीडी का निर्माण शुरू किया गया है। 18 पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन, छह आलेखों और खगोलिकी से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित पुस्तकों को इस सीडी में समाहित किया गया है जिसे प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए तैयार किया गया है।

- 'ड्रीम 2047' में खगोलिकी और ग्रहण पर प्रकाशित आलेखों का एक संकलन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के उपयोगार्थ तैयार किया जाएगा।

- पूर्ण सूर्य ग्रहण 2009 के अवसर पर 'ग्रहण' पर केंद्रित एक फिल्म का निर्माण किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

अन्तर्राष्ट्रीय खगोलिकी वर्ष-2009 के अवसर पर विज्ञान प्रसार एनसीएसटीसी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के साथ जुड़कर खगोलिकी पर चार मास्टर संसाधन व्यक्ति प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित करेगा।

पूर्ण सूर्य ग्रहण–2009 पर राष्ट्रीय अभियान

22 जुलाई 2009 को भारत में दिखाई देने वाले पूर्ण सूर्य ग्रहण के अवसर पर विज्ञान प्रसार खगोलिकी संबंधी लोकप्रियकरण अभियान चलाएगा। इस क्रम में पहला कार्यक्रम विज्ञान प्रसार द्वारा 19 फरवरी 2009 को दिल्ली एवं नोएडा में स्थित एमिटी स्कूलों के समूह हेतु पुष्प विहार, नई दिल्ली स्थित एमिटी स्कूल में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में एमिटी समूह के 10 स्कूलों से आए लगभग 200 विद्यार्थियों और 50 शिक्षकों ने हिस्सा लिया। इसी प्रकार के अभियान समूचे देश में आयोजित किए जाएंगे।

कार्यशालाएँ

देश के विभिन्न क्षेत्रों में टेलीस्कोप निर्माण की कार्यशालाएं आयोजित की जाएँगी।

सम्मेलन एवं संगोष्ठियाँ

हिंदी में विज्ञान लेखन कार्यशाला

- विज्ञान प्रसार और विज्ञान परिषद प्रयाग, इलाहाबाद के संयुक्त प्रयास से 8-9 मार्च 2009 को 'हिंदी में विज्ञान लेखन' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। सम्मेलन का शीर्षक था 'विज्ञान लेखन पर संसाधन सामग्री का विकास कार्यशाला'। इस कार्यशाला में विज्ञान संचार में कार्यरत 25 ख्यातिप्राप्त विज्ञान संचारकों, संपादकों, विज्ञान पत्रकारों और शिक्षाविदों ने हिस्सा लिया। इस कार्यशाला के प्रतिफल के रूप में विज्ञान प्रसार ने विज्ञान लेखन पर एक उम्दा संसाधन सामग्री विकसित किया है।

इलाहाबाद, उ.प्र. में हिन्दी में विज्ञान लेखन पर आयोजित कार्यशाला

- राजभाषा से जुड़ी गतिविधियों के एक भाग के रूप में विज्ञान प्रसार ने हिंदी में विज्ञान लेखन विषय पर एक सम्मेलन का आयोजन सितंबर 2008 में किया। 'विचार गोष्ठीः हिंदी में विज्ञान लेखनः संस्थागत एवं व्यक्तिगत प्रयास' शीर्षक वाले इस सम्मेलन का आयोजन नोएडा में किया गया। इस सम्मेलन का उद्देश्य हिंदी विज्ञान लेखन में किए जा रहे व्यक्तिगत और संस्थागत प्रयासों को एक मंच उपलब्ध कराना था। इस सम्मेलन में वरिष्ठ विज्ञान लेखकों, विज्ञान संचारकों, संपादकों और वैज्ञानिकों ने प्रतिभागिता किया।

हिन्दी पखवाड़ा 2008 के दौरान हिन्दी में विज्ञान लेखन पर आयोजित सेमिनार

प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन पर संचार रणनीति हेतु व्याख्यान सह प्रदर्शन

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, दिल्ली द्वारा भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थानों के वैज्ञानिकों एवं प्रौद्योगिकविदों के लिए प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विज्ञान प्रसार द्वारा 4 मार्च 2009 को भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, दिल्ली के कैम्पस में उपस्थित प्रतिभागियों में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए संचार रणनीतियों पर एक व्याख्यान-सह प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। विज्ञान प्रसार द्वारा विकसित की गई संसाधन सामग्री प्रतिभागियों को वितरित की गई।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/समारोहों में विज्ञान प्रसार की भागीदारी। 10वें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जन संवाद सम्मेलन, स्वीडन में भागीदारी हेतु श्री बी. के. त्यागी की प्रतिनियुक्ति

श्री बी. के. त्यागी, वैज्ञानिक 'डी' ने 10वें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जन संवाद सम्मेलन (पीसीएसटी-10) माल्मो विश्वविद्यालय (स्वीडन) में सहभागिता की और 'विज्ञान संचार के समांतर पहल- एक भारतीय अनुभव' शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया। सम्मेलन के दौरान विज्ञान प्रसार के सॉफ्टवेयरों की एक प्रदर्शनी आयोजित की गई। विज्ञान प्रसार द्वारा विकसित किए गए प्रकाशनों, किटों और सीडी के प्रति विकाससील देशों से पहुँचे अतिथियों ने विशेष रुचि दिखाई।

पुस्तक मेले एवं प्रदर्शनियाँ

विज्ञान प्रसार ने सितंबर 2008 के दौरान दिल्ली पुस्तक मेला और फरवरी 2009 में विश्व पुस्तक मेला में प्रतिभागिता की।

पुस्तक विमोचन समारोह

विज्ञान प्रसार द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'द मिस्टीरियस मून एण्ड इंडियाज चंद्रयान मिशन' का विमोचन डॉ. टी. रामासामी, सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार ने 27 जनवरी 2009 को टेक्नोलॉजी भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में किया। इस अवसर पर पहुँचे चंद्रयान-1 मिशन के परियोजना निदेशक श्री एम. अण्णादुरे ने चंद्रयान से प्राप्त प्रारंभिक अवलोकनों/निष्कर्षों पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया। पुस्तक के लेखक प्रोफेसर नरेन्द्र भंडारी भी उपस्थित थे।

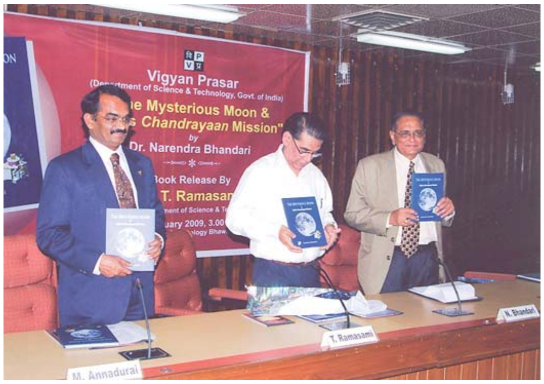

डा. टी रामासामी, सचिव, डी.एस.टी. चन्द्रयान पुस्तक का विमोचन करते हुए

सम्मान एवं उपलब्धियाँ

डॉ. सुबोध महंती, वैज्ञानिक 'एफ' को हिंदी में लेखन के लिए आत्माराम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. महंती को यह पुरस्कार भारत के महामहिम राष्ट्रपति के कर-कमलों से फरवरी 2009 में राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में प्रदान किया गया।

डा. सुबोध महांती, महामहिम राष्ट्रपति श्रीमति प्रतिभा पाटिल से पुरस्कार ग्रहण करते हुए

विजुअल बुक हेतु पेटेंट

भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा विजुअल बुक के लिए विज्ञान प्रसार को एक पेटेंट प्रदान किया गया। इस श्रृंखला के अंतर्गत प्रकाश-वैद्युतिकी प्रौद्योगिकी पर आधारित चार पुस्तकें हैं। निम्नलिखित

विजुअल बुक

विषयों पर विजुअल पुस्तकें उपलब्ध हैंः 1. मूलभूत वैद्युतिकी, 2. प्रकाश और प्रकाशिकी की मूल अवधारणा, 3. अर्धचालक, 4. ताप-वैद्युतिकी।

अन्तर्राष्ट्रीय खगोलिकी वर्ष–2009 हेतु डेस्क कैलेंण्डर

अन्तर्राष्ट्रीय खगोलिकी वर्ष के अवसर पर विज्ञान प्रसार द्वारा वर्ष 2009 के लिए एक डेस्क कैलेण्डर निकाला गया। इस कैलेण्डर में विश्व के खगोलीय अवलोकन केंद्रों के आकर्षक दृश्य प्रस्तुत किए गए हैं। इसमें प्रत्येक माह की खगोलीय घटनाओं, स्काई मैप और रात्रि आकाश में दर्शनीय ग्रहों के दृश्यों को भी शामिल किया गया है।

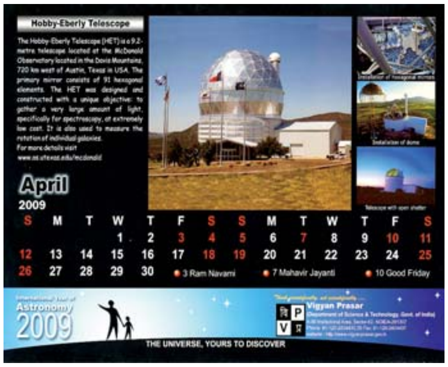

डेस्क कैलेंण्डर – 2009

पुस्तकालय

वर्ष के अंत तक, पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या 4200 थी। वर्ष के दौरान पुस्तकालय के लिए 400 नई पुस्तकें प्राप्त की गईं। पुस्तकालय में मँगाए जाने वाले जर्नलों/पत्रिकाओं की कुल संख्या 21 है। ऑनलाईन जर्नलों तक पहुंचने के लिए बने डीएसआर-सीएसआईआर संघ की सदस्यता विज्ञान प्रसार ने ग्रहण की।

वर्ष 2009–2010 हेतु प्रस्तावित गतिविधियाँ

अंतर्राष्ट्रीय खगोलिकी वर्ष–2009

अन्तर्राष्ट्रीय खगोलिकी वर्ष-2009 के अन्तर्गत विज्ञान प्रसार ने अनेक लक्ष्य समूहों को ध्यान में रखकर एक महत्वाकांक्षी अभियान की योजना बनाई है। इसके अंतर्गत विज्ञान प्रसार द्वारा शुरू की जा चुकी या शुरू की जाने वाली गतिविधियों का विवरण निम्नवत है:

- **खगोलिकी पर रेडियो धारावाहिक:** अंग्रेजी सहित, 19 भारतीय भाषाओं में खगोलिकी पर 52 कड़ियों वाले रेडियो धारावाहिक 'सितारों से आगे' का निर्माण हो गया है और इसका प्रसारण अप्रैल 2009 से आरंभ होगा।

- **खगोलिकी पर टी. वी. धारावाहिक:** खगोलिकी पर 26 कड़ियों वाले टी. वी. धारावाहिक 'सितारों की सैर' का निर्माण शुरू हो चुका है। यह कार्यक्रम दूरदर्शन के राष्ट्रीय चैनल पर रविवार की सुबह 0900–0930 के स्लॉट में प्रसारित किया जाएगा। इसके बाद ये 26 कड़ियां 12 मुख्य भारतीय भाषाओं में डब की जाएँगी और देश में फैले दूरदर्शन के क्षेत्रीय नेटवर्क से क्षेत्रीय दूरदर्शन केंद्रों (टीवी स्टेशन) द्वारा प्रसारित की जाएँगी।

- **प्रकाशन:** खगोलिकी के अनेक पहलुओं पर अंग्रेजी और हिंदी में लोकप्रिय स्तर पर सात पुस्तकों का प्रकाशन शुरू किया गया है। इन पुस्तकों को बाद में अन्य भारतीय भाषाओं में अनूदित कराया जाएगा।

- **गतिविधि किट:** खगोलिकी और ग्रहण की मूलभूत अवधारणाओं/घटनाओं पर केंद्रित 25–30 गतिविधियों वाला एक कम मूल्य के गतिविधि किट–सह शैक्षिक पैकेज का निर्माण अंग्रेजी और हिंदी में किया गया है।

- **सीडी एवं पोस्टरों का निर्माण:**
'ग्रहण' पर सीडी के निर्माण की शुरूआत की गई ।

- **प्रदर्शन:** खगोलिकी/खगोलभौतिकी क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिकों/संस्थाओं के साथ जुड़कर खगोलिकी के विविध पहलुओं पर व्याख्यान/प्रदर्शन के आयोजन किए जाएँगे।

- **प्रशिक्षण:** भारत के विभिन्न क्षेत्रों/राज्यों के संसाधन व्यक्तियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों की शुरूआत की जाएगी। प्रशिक्षित संसाधन व्यक्ति खगोलिकी के लोकप्रिय पहलुओं पर अपने राज्यों में व्याख्यान देंगे और अधिक संचारकों को प्रशिक्षण प्रदान करेगें तथा खगोलिकी आधारित गतिविधियाँ आयोजित करेंगे।

- **कार्यशाला**:देश के विभिन्न हिस्सों में टेलीस्कोप निर्माण कार्यशालाएं आयोजित की जाएँगी।

- **22 जुलाई 2009 को होने वाले पूर्ण सूर्य ग्रहण पर राष्ट्रीय अभियान:** विज्ञान प्रसार 22 जुलाई 2009 को भारत में दिखने वाले इस पूर्ण सूर्य ग्रहण के अवसर पर खगोलिकी लोकप्रियकरण के राष्ट्रीय अभियान का आयोजन करेगा।

प्रशिक्षण एवं प्रसार

खगोलिकी पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अतिरिक्त, देश के विभिन्न भागों के स्कूली विज्ञान शिक्षकों के प्रशिक्षण एवं अभिमुखीकरण कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तैयार की है।

प्रकाशन

- विज्ञान प्रसार के मासिक न्यूजलैटर 'ड्रीम 2047' का प्रकाशन जारी रहेगा।

- अन्तर्राष्ट्रीय खगोलिकी वर्ष-2009 के अवसर पर विज्ञान प्रसार खगोलिकी पर केंद्रित सात पुस्तकें प्रकाशित करेगा।

- वैज्ञानिक विरासत श्रृंखला, स्वास्थ्य श्रृंखला, लोकप्रिय विज्ञान, क्लासिक श्रृंखला, प्राकृतिक इतिहास श्रृंखला, वैज्ञानिक जीवनी, स्वयं करके देखो श्रृंखला आदि जैसी विभिन्न श्रृंखलाओं के अंतर्गत नई पुस्तकें प्रकाशित की जाएंगी। प्रमुख भारतीय भाषाओं में नई पुस्तकें लाने पर बल दिया जाएगा।

विज्ञान प्रसार सूचना प्रणाली (विपरिस)

- विज्ञान प्रसार वेबसाइट का रख-रखाव और अद्यतनीकरण जारी रहेगा। वेबसाइट को और अधिक आकर्षक और गतिशील बनाने के लिए नए कलेवर समाविष्ट किए जाएंगे।
- विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग के अनेक प्रभागों के वेबसाइटों का विकास और रख-रखाव जारी रहेगा।
- विज्ञान प्रसार ग्रहण पर सीडी तथा गतिविधि किटों पर आधारित शिक्षण मॉड्यूलों का विकास करेगा।
- पर्सनल कम्प्यूटर के उपयोग द्वारा वैज्ञानिक प्रयोगों के दूसरे चरण के दौरान विज्ञान प्रसार के प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंग के रूप में नए प्रयोग विकसित किए जाएंगे।
- शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए भौतिकी में नवाचारी प्रयोग पर केंद्रित कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा।

टी. वी. पर विज्ञान कार्यक्रम

- खगोलिकी पर 26 कड़ियों वाले एक टी. वी. धारावाहिक का निर्माण और प्रसारण किया जाएगा।
- ग्रहण पर तीन खण्डों वाले वीडियो का निर्माण किया जाएगा।
- नवाचारी वैज्ञानिक प्रयोगों पर आधारित 26 कड़ियों वाले एक वीडियो धारावाहिक का निर्माण गुजरात साइंस सिटी और एवी कोड, अहमदाबाद के सहयोग से किया जाएगा।

रेडियो का विज्ञान कार्यक्रम

- खगोलिकी पर 52 कड़ियों वाले एक रेडियो धारावाहिक का निर्माण किया जाएगा और इसे 19 भारतीय भाषाओं में प्रसारित किया जाएगा।
- ज्ञान वाणी एफ. एम. नेटवर्क पर प्रसारण हेतु विज्ञान प्रसार द्वारा रेडियो धारावाहिकों का निर्माण किया जाएगा।
- विशेषकर उत्तर पूर्वी राज्यों को ध्यान में रखते हुए देश के विभिन्न आकाशवाणी केंद्रों के साथ जुड़कर रेडियो विज्ञान कार्यक्रमों का निर्माण एवं प्रसारण किया जाएगा।

एडुसेट इन्टरएक्टिव टर्मिनलों द्वारा नेटवर्किंग

विज्ञान प्रसार अपने एडुसेट सिट नेटवर्क द्वारा शिक्षकों, विद्यार्थियों और विज्ञान कर्मियों को प्रशिक्षित करने हेतु जागरूकता और क्षमता निर्माण से जुड़े विज्ञान कार्यक्रमों को बहुप्रसारित करना जारी रखेगा। वर्ष 2009-2010 के दौरान खगोलिकी पर विशेष कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है।

विज्ञान प्रसार का विज्ञान क्लबों का नेटवर्क (विपनेट)

- ❖ विज्ञान प्रसार देश के विभिन्न भागों में विपनेट विज्ञान क्लबों को स्थापित करने का अपना प्रयास जारी रखेगा।
- ❖ देश के विभिन्न भागों में विपनेट क्लबों के लिए कार्यशालाएँ आयोजित की जाएँगी।
- ❖ 'विपनेट न्यूज' नियमित रूप से प्रकाशित किया जाएगा।
- ❖ अन्तर्राष्ट्रीय खगोलिकी वर्ष के एक भाग के रूप में विपनेट क्लबों हेतु विशेष गतिविधियां और पैकेज विकसित की जाएगी।

खगोलिकी कार्यक्रम

- ❖ विद्यार्थियों और आमजन में खगोलिकी के लोकप्रियकरण से जुड़ी गतिविधियों को विज्ञान प्रसार द्वारा मजबूती दी जाएगी।
- ❖ विज्ञान प्रसार टेलीस्कोप द्वारा अंतरिक्षीय पिंडों के खगोलीय छायाचित्रण और फोटोमिट्री की सुविधा उपलब्ध कराएगा।

हैम रेडियो

- ❖ देश के विभिन्न भागों में हैम रेडियो पर और अधिक जागरूकता/प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन पर बल दिया जाएगा।
- ❖ उत्तरांचल, हिमाचल प्रदेश एवं अन्य राज्यों के समान देश के आपदा संवेदनशील क्षेत्रों में शौकिया रेडियो क्लब स्टेशनों की स्थापना के प्रयास किए जाएंगे।

गतिविधि किट

विज्ञान प्रसार खगोलिकी एवं अन्य विषयों पर गतिविधि किट/मॉड्यूलों का विकास करेगा।

पुस्तक मेले और प्रदर्शनियाँ

विज्ञान प्रसार विभिन्न कार्यशालाओं, सम्मेलनों, पुस्तक मेलों और प्रदर्शनियों के आयोजन और प्रतिभागिता को जारी रखेगा।

अग्रगामी गतिविधियां

अन्य अग्रगामी गतिविधियां को जारी रखा जाएगा।

राजभाषा नीति का क्रियान्वयन

विज्ञान प्रसार हिंदी में पुस्तकें प्रकाशित करने हेतु विशेष रूप से प्रयत्नशील रहा है। वर्ष 2008-09 के दौरान हिंदी मे ंनिम्न पुस्तकें प्रकाशित की गईंः

- प्रकृति की प्रयोगशाला- निखिल मोहन पटनाइक, पुष्पश्री पटनाइक
- सुनो तारे- उषा श्रीनिवासन
- मेरा दोस्त मिस्टर लीकी- जे. बी. एस. हाल्डेन
- अन्डरस्टैंडिंग अस्थमा- डॉ. एस. के. वर्मा (हिंदी संस्करण)
- साइकिल की कहानी- विजय गुप्ता (पुनर्मुद्रण)
- क्यों और कैसे- पार्थ घोष (पुनर्मुद्रण)
- आकाश दर्शन का आनंद - राकेश पोपली (पुनर्मुद्रण)
- खेल-खेल में खिलौने- अरविन्द गुप्ता (पुनर्मुद्रण)
- सच तो कुछ और है- नरेन्द्र सहगल (पुनर्मुद्रण)
- पत्तों का चिड़ियाघर - अरविन्द गुप्ता (पुनर्मुद्रण)

- विज्ञान प्रसार का न्यूजलैटर 'ड्रीम 2047' का प्रकाशन हिंदी में किया जा रहा है। विपनेट क्लबों के न्यूजलैटर 'विपनेट न्यूज' में अंग्रेजी के साथ ही अनेक लेख हिंदी में भी प्रकाशित होते हैं।

- विज्ञान प्रसार की वेबसाइट www.vigyanprasar.gov.in हिंदी में भी उपलब्ध है।

- निम्न पुस्तकों के हिंदी संस्करण प्रकाशनाधीन हैंः

- अंगूठे की छाप
- आयोडीन नमक
- फर्मी के प्रश्न या अनुमान लगाने की कला
- ग्रहणः मिथक और यर्थाथः
- चार्ल्स डार्विन की आत्मकथा
- रसायन विज्ञान की कहानी

- दिल्ली लौहः स्तंभ
- साइकिल की कहानी
- प्रकृति की प्रयोगशाला
- भौतिकी की कहानी

- पत्र व्यवहार फाइलों, पत्र शीर्षों और परिचय कार्डो आदि में राजभाषा नीति में दिए गए निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जा रहा है।

- विज्ञान प्रसार द्वारा 14 सितंबर से 30 सितंबर 2008 के दौरान 'हिंदी पखवाड़ा' आयोजित किया गया। विज्ञान प्रसार के कर्मचारियों के लिए हिंदी निबंध लेखन एवं आशुवाक् प्रतियोगिताएं कराई गई।

- विज्ञान प्रसार के कर्मचारियों को अपना दैनंदिन कार्य हिंदी में करने के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जाता है।

सामान्य निकाय एवं प्रशासकीय निकाय की बैठकें

सामान्य निकाय

सामान्य निकाय की 19वीं बैठक 22 अक्टूबर 2008 को टैक्नोलॉजी भवन, नई दिल्ली में श्री किरण कार्णिक की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

प्रशासकीय निकाय

प्रशासकीय निकाय की 35वीं एवं 36वीं बैठकें डॉ. टी. रामासामी सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की अध्यक्षता में क्रमशः 22 अक्टूबर 2008 एवं 23 मई 2008 को टैक्नोलॉजी भवन, नई दिल्ली में सम्पन्न हुई।

वित्त समिति की 23वीं एवं 24वीं बैठकें डॉ. टी. रामासामी सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की अध्यक्षता में क्रमशः 9 अक्टूबर, 2008 और 27 मार्च 2009 को टैक्नोलॉजी भवन, नई दिल्ली में सम्पन्न हुई।

संसदीय समिति का दौरा

कोई नहीं।

मानव संसाधन विकास कार्यक्रम

कोई नहीं।

वित्त

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पर कार्रवाई:

अपेक्षित कदम उठाए गए।

संसाधनों को भीतरी रूप से गतिशील बनाने हेतु संपन्न किए अथवा तय किए गए प्रयास।

साफ्टवेयर/पुस्तकों/स्लाइड सेटों/कैसेटों की बिक्री और उनकी प्राप्तियों को लेखा पुस्तिका में दर्ज किया गया।

व्यावसायिक प्रयोग हेतु दर्ज किए गए पेटेंटों/प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की संख्या

'विजुअल बुक' हेतु एक पेटेंट का आवेदन किया गया था जो विज्ञान प्रसार को प्रदान किया जा चुका है।

वार्षिक लेखा

परिशिष्ट–I:

मानव संसाधन, बजट एवं उपलब्ध सुविधाएँ

परिशिष्ट–II:

31 मार्च 2009 को समाप्त हुए वर्ष हेतु लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

परिशिष्ट–III:

लेखा परीक्षकों द्वारा दी गई टिप्पणियों के संबंध में अनुपालन रिपोर्ट

परिशिष्ट–I

ekuo l;lk/ku

समूह	वैज्ञानिक/तकनीकी कर्मचारियों की संख्या	प्रशासनिक/सचिवीय कर्मचारियों की संख्या
A	10*	1
B	7	शून्य
C	2	8
D	शून्य	3

* वर्तमान में डॉ. वी. बी. काम्बले, वैज्ञानिक 'जी', विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान प्रसार के निदेशक हैं।

राजभाषा क्रियान्वयन

राजभाषा के सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने हेतु सक्रिय प्रयास किए जा रहे हैं। भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए राजभाषा विनियमों एवं निर्देशों के क्रियान्वयन हेतु एक समिति का गठन किया गया है।

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से बचाव

इस विषय पर प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में आवश्यक क्रियाविधि अपनाई गई है। वर्ष के दौरान कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

सर्तकर्ता रिपोर्ट

संस्था के सतर्कता अधिकारी को वर्ष के दौरान कोई शिकायत नहीं प्राप्त हुई। सतर्कता संबंधी मासिक त्रैमासिक रिपोर्ट नियमित रूप से मुख्य सतर्कता अधिकारी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार को प्रस्तुत की गई। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की सतर्कता टीम ने विज्ञान प्रसार का दौरा कर संस्था की सतर्कता जाँच सम्पन्न की।

परिवेदना निवारण प्रक्रिया

संस्था के कर्मचारियों की परिवेदनाओं के निवारण की प्रक्रिया उपलब्ध है।

सूचना के अधिकार संबंधी अधिनियम का क्रियान्वयन

सूचना अधिकार संबंधी अधिनियम के प्रावधान सीपीआईओ के नामांकन और संस्था के अपीलेट प्राधिकरण के माध्यम से क्रियान्वित हुए हैं।

बजट

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 800 लाख रुपये की अनुदान राशि प्रदान की गई थी जिसमें से वर्ष 2007-08 के दौरान व्यय की गई राशि 789.39 लाख रुपए थी।

उपलब्ध सुविधाएँ

डी जी एस एण्ड डी द्वारा वर्ष के दौरान क्रय की गई हार्डवेयर सुविधाएँ:

2 डेस्कटॉप कम्प्यूटर
2 17'' टीएफटी मॉनीटर
6 लेजर- जेट ब्लैक एण्ड व्हाइट प्रिन्टर और 1 कलर लेजर प्रिन्टर
1 स्कैनर
2 डॉट मैट्रिक्स प्रिन्टर

परिशिष्ट–II

डी. डी. अग्रवाल
चार्टड एकाउन्टेंट्स

413, विकास दीप
लक्ष्मीनगर जिला केंद्र
दिल्ली-110092

दूरभाष-011-22437235
22430486

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

हमारे द्वारा विज्ञान प्रसार, ए-50, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सैक्टर-62, नोएडा-201307 (उ० प्र0) के 31 मार्च 2009 तक के तुलन पत्र तथा इसी तिथि को समाप्त हुए वर्ष के आय एवं व्यय के साथ-साथ प्राप्तियों एवं भुगतान संबंधी लेखा की जाँच की गई है, जो कथित सोसाइटी द्वारा तैयार की गई लेखा बहियों के अनुरूप है।

I. हमने वे सभी सूचनाएं एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो कि हमारी जानकारी एवं विश्वास के मुताबिक हमारी लेखा परीक्षा के लिए आवश्यक थे।

II. 31.03.2009 के तुलन पत्र में अनुसूची 13 में निर्दिष्ट लेखा टिप्पणियों के बिंदुओं के आधार पर हमारे विचार में, हमारे द्वारा किए गए बहियों के निरीक्षण से यह ज्ञात होता है कि इस सोसाइटी में उपयुक्त लेखा बहियाँ रखी हुई हैं।

1. सोसाइटी ने लेखा बहियों को प्रोद्भवन आधार पर तैयार किया है, हालांकि निम्नोक्त स्थितियों में नगद प्राप्ति आधार प्रणाली को अपनाया गया है
   - ❖ कर्मचारियों के वेतन भुगतान
   - ❖ छुट्टी नगदीकरण, ग्रेच्युटी भुगतान आदि।
   - ❖ लेखा परीक्षकों का मानदेय।

2. हमारे लेखा परीक्षण के दौरान यह पाया गया कि उपयुक्त निर्दिष्ट लेखा मानकों के अनुसार खाता बहियों को तैयार किया गया है। निम्न लेखा मानक व्यक्तिक्रम में हैंः-

   (i) स्थायी परिसम्पत्ति हेतु ए.एस.-10 लेखा
   (ii). सरकारी अनुदान हेतु ए.एस-12 लेखा
   (iii). ए.एस-15 कर्मचारी लाभ

3. हमारे प्रत्यक्ष सत्यापन हेतु स्थायी परिसम्पत्ति रजिस्टर उपलब्ध नहीं करवाया गया। हालांकि इसके लिए लेखा बहियों में आंकड़े दर्ज किए गए हैं। लेखा बहियों में स्थायी परिसम्पत्ति को मूल्य रहित ह्रासित मूल्य उपलब्ध कराया गया है। स्थाई परिसम्पत्ति पर मूल्यह्रास विधि से आयकर अधिनियम 1961 द्वारा निर्धारित दरों के अनुसार उपलब्ध कराया गया है, सिवाय पुस्तकालयों की पुस्तकों के जिनके मूल्यह्रास को 10 प्रतिशत के दर से ह्रासित मूल्य आधार पर उपलब्ध कराया गया है।

4. हमारे लेखा परीक्षण के दौरान हमने पाया कि विज्ञान प्रसार को कार्यालय भवन हेतु रु0 50,00,000 प्राप्त हुआ है जिसे अनुदान शीर्ष या उपशीर्षों में नहीं रखा गया है, परंतु कार्यालय भवन के लिए प्रत्यक्ष भुगतान किया है जो एएस-12 के अनुसार त्रुटिपूर्ण है। अब इसे ठीक कर लिया गया है।
5. हमने पाया है कि एएस-15 के प्रावधानों में अतिक्रमण हुआ है, एएस-15 के अनुसार कर्मचारियों की ग्रेच्युटी, अवकाश ग्रहण/पेंशन और संग्रहित छुट्टी या मूल्यांकन वास्तविक आधार पर करना अपेक्षित होता है तथा वर्षान्त में उपलब्ध कराना होता है परंतु इसे बार-बार उपयोग में नहीं लाते हैं।
6. लेखा परीक्षण के दौरान हमने पाया कि नगद रजिस्टर में विसंगतियाँ हैं। इनका विवरण निम्नवत है:

दिनांक	डेबिट शीर्ष	क्रेडिट शीर्ष	राशि	टिप्पणी
4.9.08	कार्यशाला/ अभिमुखीकरण कार्यक्रम	सम्मेलन/बैठक में नकद अग्रिम	10000 6846 3154	अरविन्द रानडे को रु. 10000 अग्रिम राशि का भुगतान किया गया वास्तविक व्यय रु. 6846 है और शेष राशि रु. 3154 वापस प्राप्त करना है। विज्ञान प्रसार द्वारा नगद में रु. 6308 की कमी के प्रभाव के फलस्वरूप वह राशि पुनः भुगतान की गई। लेकिन नगद पुनरीक्षण के दौरान इस प्रकार का अंतर नहीं पाया गया।
28.11.08	हिंदी दिवस पर बैठक सम्मेलन/बैठक	हिंदी दिवस समारोह हेतु अग्रिम	85656 16344 102000	श्री कपिल त्रिपाठी को हिंदी दिवस समारोह हेतु अग्रिम भुगतान दिया गया, उन्होंने रु0 85656 का विवरण प्रस्तुत किया तथा शेष राशि नगद प्राप्त हुआ। लेकिन उन्हों ने रु. 16344 की राशि को सम्मेलन/बैठक शीर्ष में दर्ज किया यद्यपि इस प्रकार के खाते में कोई व्यय नहीं पाया गया।
	लेखा बहियों के अनुसार नगद राशि		**भौतिक रूप में प्राप्त नगद**	**टिप्पणी**
26.8.09	20844		20814	नगद के सम्यापन के दौरान हमने रू. 30 का अंतर पाया

*   हमने यह भी पाया है कि वर्ष के दौरान नगद पुस्तिका में नकारात्मक नगद राशि थी जो व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है।

दिनांक	डेबिट	क्रेडिट	बेलेंस
9.4.08	120000	20000	105719 डेबिट
10.4.08 से 16.04.08	.	109840	4121 क्रेडिट
17.04.08	20000	3000	12879 डेबिट

*   बैंक पुस्तिका में सम्मेलन/कार्यशाला/व्यय हेतु कर्मचारियों को अग्रिम संबंधी धारक चैक जारी किए गए हैं। हमने पुनः नगद और बैंक में जमा राशि पर आंतरिक नियंत्रण को मजबूत करने तथा प्राथमिक पुस्तिकाओं के रख-रखाव को दुरुस्त करने की सलाह दी।

7. लेखा परीक्षण के दौरान हमने पाया कि बिक्री कर अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन किया गया है। बिक्री कर को पंजीकरण संख्या एलसी/101/189370/0896 के अंतर्गत पंजीकृत किया गया है, परंतु बिक्री कर रिटर्न दाखिल नहीं किया जा रहा है, यद्यपि यह बिक्री कर अधिनियम के प्रावधानों के अनुकूल है। बिक्री कर दाखिल करने की अपेक्षा है परंतु बिक्री कर की कोई देयता नहीं बनती है (शून्य रिटर्न)।

8. जाँच के दौरान हमने 27 अगस्त 2009 को वस्तु सूची का परीक्षण आधार पर भौतिक सत्यापन किया जिसमें 274 वस्तुओं में से केवल 45 की जॉच की गई और हमने पाया कि सभी मामलों में भौतिक स्टॉक एवं तुलन रजिस्टर में भिन्नता है।

विवरण हेतु परिशिष्ट-1(अ) संलग्न है।

9. लेखा परीक्षण के दौरान हमने पाया कि अधिकांश मामलों में लेखा की दोहरी प्रविष्टी प्रणाली को उचित रूप से नहीं अपनाया गया है, जैसे अपनी लेखा बहियों में बिना पार्टी खाता बनाए चैक द्वारा सीधे राशि भुगतान कर दी गई है। उदाहरण के रूप में निम्न मामले हैंः-

1. मैसर्स पीसी-ई सिस्टम्स
2. मैसर्स मीडिया क्लिपिंग ब्यूरो
3. मैसर्स सेफायर हाउस कीपिंग सर्विसेज (प्रा.) लि.

4. मैसर्स सूर्य कमल एसोसिएट्स
5. मैसर्स लैप केयर कम्प्यूटर्स
6. मैसर्स इनफिनियम (आई) लि.
7. मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स
8. मैसर्स पल्स मीडिया प्रा. लि.
9. मैसर्स उत्तरांचल रोड कैरियर्स
10. मैसर्स मल्टीकलर सर्विसेज

10. लेखा परीक्षण के दौरान हमारे द्वारा पीसी-ई सिस्टम्स प्रा. लि. के मामलें में निम्न कमियां पाइ गईः
i) पार्टी का खाता तैयार नहीं किया गया है जिससे एक स्थान पर समस्त लेन-देन का सत्यापन हम नहीं कर सकते हैं।
ii) पार्टी को अनेक क्रयादेश और एएमसी कार्य प्रदान किए हैं, परंतु न तो समुचित निविदाएँ प्राप्त की गई हैं और आदेश को अंतिम रूप देने के लिए न ही तुलनात्मक विवरण उचित रूप से तैयार किया गया है।
iii) वर्तमान वर्ष के दौरान पिछले वर्ष किए गए 20536 रुपए के पूर्व भुगतान का कोई समायोजन नहीं किया गया है, परंतु अन्य भुगतान नियमित रूप से जारी किए जा रहे थे।

11. डीजीएस एण्ड डी के मामले में हमने पाया कि 1 अप्रैल 2008 को एक आरंभिक शेष राशि है और 24 अप्रैल 2008 को पुनः दो फोटोकॉपी मशीनों हेतु 400567 रुपए अग्रिम राशि का भुगतान किया गया है। लेकिन वर्ष के दौरान फोटोकॉपी मशीन के भुगतान हेतु किसी भी राशि का समायोजन नहीं किया गया है और पुस्तिकाओं में कोई बिल सम्मिलित नहीं किया गया है यद्यपि निम्न बिल प्राप्त हुए थे। विवरण निम्नवत हैः

बीजक संख्या	दिनांक	पार्टी	राशि
111131-0397	08.07.08	एचसीएल इफोसिस्टम्स	2,22,196
111131-0445	25.07.08	एचसीएल इंफोसिस्टम्स	1,77,402

12. सेफायर हाउसकीपिंग सर्विसेज (प्रा.) लि. के मामलें में हमने कुछ विसंगतियाँ पाई जो निम्नवत हैः

- अनुबंध आधार कर्मचारियों के प्रबंध हेतु अनेक पार्टियों से निविदाएँ प्राप्त की गई और इन निविदाओं के तुलनात्मक आधार बनाए गए, परंतु तुलना को आधार पार्टी के देय केवल एजेंट कमीशन के प्रतिशत को बनाया गया। न तो कर्मचारी के प्रतिदिन के दर का ध्यान रखा गया है और न ही अनुबंध को अंतिम रूप देने हेतु प्रबंधन द्वारा कंपनी को नेट लागत को दृष्टि में रखा गया है।
- पार्टी द्वारा दिए गए कर्मचारियों के दैनिक दर का, भुगतान के समय अनुपालन नहीं किया गया है।
- पार्टी का उचित रूप से खाता नहीं तैयार किया गया है यद्यपि प्रतिमाह भुगतान जारी

किया गया।

13. जाँच के दौरान हमने जमा पुनर्निवेश प्रमाण-पत्र पाया जो भौतिक रूप में उपलब्ध हैं परंतु जबसे इन्हें तैयार किया गया है तब से लेखा बहियों में इनका अस्तित्व नहीं है। विवरण्या निम्नवत है:-

क्रमांक	खाता संख्या	दिनांक	बैंक का नाम	राशि
1.	270	29.04.03	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	1,00,000
2.	349903030243921	23.11.04	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	7,00,000
3.	3030244753	25.05.05	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	6,00,000

14. लेखा परीक्षण के दौरान हमने पाया कि कर्मचारियों के मामले में निम्न विसंगतियाँ हैं। उन्होंने फार्म 16 उचित रूप से नहीं तैयार किया है और उन्होंने यू/एस 80 सी कटौती एवं अन्य कटौतियों हेतु आधार एकत्र नहीं किए हैं।

विवरण हेतु परिशिष्ट-2अ संलग्न है।

15. लेखा परीक्षण के दौरान हमने पाया कि मैसर्स उत्तरांचल रोड कैरियर्स के मामले में न तो निविदाएं प्राप्त हुई हैं और न ही पार्टी को अनुबंध प्रदान करने हेतु तुलनात्मक आधार तैयार किया गया है। उसको किए गए भुगतान का विवरण निम्न है:

बीजक संख्या	**दिनांक**	**पार्टी का नाम**	**राशि**
084	26.02.09	उत्तरांचल रोड कैरियर्स	58,406

III. हमारे विचार और हमें दी गई सूचना के अनुसार, टिप्पणियों के साथ पढ़े गए कथित खाते एक सत्य एवं स्वच्छ स्वरूप प्रकट करते हैं।

(i) उक्त सोसाइटी के 31 मार्च 2009 तक क्रियाकलापों से संबंधित तुलन-पत्र मामले में।

(ii) 31 मार्च 2009 को समाप्त हुए लेखा वर्ष के लिए सोसाइटी की आय की तुलना में व्यय की अधिकता से संबंधित आय एवं व्यय लेखा के मामले में।

के. बी. एल. अग्रवाल एंड कंपनी

ह/-

हस्ताक्षर

डी. डी. अग्रवाल

(पार्टनर)

चार्टर्ड एकाउंटेंटस

स्थानः दिल्ली

दिनांक 14.09.2009

विज्ञान प्रसार, ए-50, सैक्टर-62, नोएडा-201307

अनुसूचीः 13

लेखा की टिप्पणियां एवं लेखा नीतियाँः 2008-2009

संस्था द्वारा प्रदान की गई अग्रिम राशि

1. रूपये 124,26,321/- (विगत वित्त वर्ष में 85,11,499.01 रूपये) की है जिसमें से 13,23,757 रुपयों की प्रविष्टियां 3 वर्ष से अधिक समय से बकाया चल रही हैं। ये अग्रिम विभिन्न कार्यक्रमों/गतिविधियों हेतु दी गई थीं।
2. 31.03.2009 को 19,69,198.21/- रुपये की देनदारी थी (विगत वित्त वर्ष में 6,13,639.88 रूपये) जिसमें से 21,038/- रुपयों की राशि 3 वर्ष से अधिक समय से बकाया चल रही है।
3. जहां आवश्यक पाया गया वहां विगत वर्ष के आंकड़ों का पुनः समूहन/पुनर्व्यवस्था या समाशोधन किया गया है।
4. लेखा परीक्षण के दौरान हमने कुछ अन्य विसंगतियाँ पाई हैं। इनके विवरण निम्न हैंः-

क्रमांक	विवरण	राशि	टिप्पणी
1.	श्री बी. के. त्यागी को अग्रिम	9127	2500 रूपये की एक आरंभिक शेष थी और वर्ष के दौरान पुनः 6627 रूपये दिए गए परंतु व्यय का कोई विवरण प्राप्त नहीं हुआ तथा इस खाते से कोई समायोजन नहीं किया गया।
2.	एवी कोड, अहमदाबाद को अग्रिम	2152	03.06.08 को चैक प्राप्त किया गया परंतु इसे अब तक बैंक में प्रस्तुत नहीं किया गया है।
3.	पुस्तकालय की पुस्तकें	2714	24.07.08 को चैक जारी हुए परंतु पार्टी द्वारा अब तक प्रस्तुत नहीं किया गया। अब चैक की अवधि समाप्त होने के कारण इसे प्रत्यावर्तित कर दिया गया है।
4.	निदेशक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, डॉलीगंज, पोर्टब्लेयर	40855	09.03.09 को पार्टी से चैक प्राप्त हुआ परंतु इसे अब तक बैंक में प्रस्तुत नहीं किया गया है।
5.	यात्रा भत्ता अग्रिम	6190	सम्मेलन हेतु 45000 रूपये की अग्रिम राशि प्रदान की गई। व्यय के ब्यौरे के अनुसार कुल व्यय 38810 रूपया है, शेष राशि रूपये 6190 का समायोजन सम्मेलन अग्रिम के बजाय यात्रा भत्ता अग्रिम से किया गया।
6.	कम्प्यूटर/परिसरीय	3720	राजस्व प्रकृति के व्यय को पूंजी के रूप में रखा गया था जिसे अब परिशोधित कर लिया गया है।
7.	कम्प्यूटर/परिसरीय	604781	राजस्व प्रकृति के व्यय को पूंजी के रूप में त्रुटिवश रखा गया था जिसे अब परिशोधित कर लिया गया है।

8.	कम्प्यूटर/परिसरीय	10372	राजस्व प्रकृति के व्यय को पूंजी के रूप में त्रुटिवश रखा गया था जिसे अब परिशोधित कर लिया गया है।
9.	कम्प्यूटर/परिसरीय	113568	31.03.09 को समान प्रविष्टि को दो बार दर्ज किया गया। इसे अब परिशोधित कर लिया गया है।
10.	कार्यालय उपस्कर	15392	डॉ. काम्बले के लैपटॉप हेतु बैटरियाँ क्रय की गई जिसे कम्प्यूटर/परिसरीय व्यय में दिखाने के बजाय त्रुटिवश कार्यालय उपस्कर के अन्तर्गत दर्ज किया गया। इसे अब परिशोधित किया जा चुका है।
11.	विज्ञापन में व्यय	73793	समान प्रविष्टि दो बार दर्ज हुई थी। इसे अब समाशोधित कर लिया गया है।
12.	केन्द्रीय बिक्री	2266240	वास्तविक प्रकृति का क्रय किया गया परंतु इसे त्रुटिवश केन्द्रीय बिक्री में दर्ज कर लिया गया है। इसे अब परिशोधित कर लिया गया है।
13.	यात्रा भत्ता अग्रिम	30000	20.08.08 को 25000 रुपये तथा अरविन्द रानडे को 7.10.08 को रु000 रुपये अग्रिम राशि के रूप में प्रदान किया गया। इसे अब तक समायोजित नहीं किया गया है।
14.	एल टी सी अग्रिम	4322	09.09.08 को पूरन सिंह को 322 रुपये और 11.02.09 को अरविन्द रानडे को 4000 रूपये की राशि अदा की गई। इसे अब तक समायोजित नहीं किया गया है।
15.	डाक-व्यय अग्रिम	19000	डाक व्यय और डाक व्यय अग्रिम दोनों प्रत्यक्ष व्यय शीर्ष के अंतर्गत आ रहे हैं। इसे अब परिशोधित कर लिया गया है।

कृते

स्थानः दिल्ली
स्थानः 14.09.2009

के. बी. एल. अग्रवाल एवं कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

डी. डी. अग्रवाल
(पार्टनर)

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

ह0/-
(जे. के. चंदेल)
लेखाधिकारी

ह0/-
(सोमेश सी. झिंगन)
रजिस्ट्रार

ह0/-
(डॉ. वी. बी. काम्बले)
कार्यवाहक निदेशक

परिशिष्ट-1 (अ)

विवरण	आन्तरिक संख्या	बाह्य संख्या	पुस्तक खातों के अनुसार संख्या	भौतिक रूप में उपलब्ध संख्या	रुपये में दर	संख्या में अंतर	रूपये में अंतर
आकाश दर्शन का आनंद	8000	3014	4986	1000	112.53	-3986	-448544.58
सभी गतियाँ सापेक्ष है(अंग्रजी)	882	75	807	493	7.35	-314	-2307.90
जैव विविधता	15000	3576	11424	1200	105.15	-10224	-1075053.60
चार्ल्स डार्विन की आत्मकथा (हिन्दी)	871	212	659	336	21.25	-323	-6863.75
इलेक्ट्रॉन की खोज (अंग्रेजी)	977	39	938	750	25.47	-188	-4788.36
भूकंप पुस्तक (अंग्रेजी)	1655	79	1576	1200	4.10	-376	-2541.60
इमरजेंस ऑफ मार्डन फिजिक्स (हिन्दी)	1771	293	1478	215	90.00	-1263	-113670.00
इवोल्यूशनाइड	1847	116	1731	952	22.50	-779	-17527.50
एक्सटिंशन	22	15	7	307	25.50	300	7650.00
गिलास से कुछ और खेल (हिन्दी)	999	997	2	0	11.00	-2	-22.00
हिस्ट्री ऑफ मार्डन टेलीकम्यूनिकेशन (अंग्रेजी)	47	13	34	0	35.66	-34	-1212.44
जानो और बूझो	117	34	83	0	3.00	-83	-249.00
खेल खेल में ब्रेल पुस्तक	31	0	31	26	45.00	-5	-225.00
नो मोर एबाउट जॉडिस(तमिल)	5	0	5	6	21.80	1	21.80

क्रमशः

क्यों और कैसे (हिन्दी)	3000	0	3000	0	42.54	-3000	-127620.00
क्यों और कैसे (पेपर बैक)	3007	3018	-11	0	42.51	11	467.61
लेट्स पुट थिंग्स टूगेदर	890	959	-9	0	13.52	9	121.68
मैड मैड मेड काउ -सीडी	1539	16	1523	953	32.50	-570	-18525.00
मानव का विकास (तमिल)	24	0	24	1092	465.00	1068	496620.00
मशरूम स्पान (हिन्दी)	11925	3306	8619	3000	1.85	-5619	-10395.15
मिथ्स ऑफ इंडिया55	1892	37	1855	900	22.50	-955	-21487.50
मेरा दोस्त मि. लीकी (उड़ीया)	9	0	9	8	23.00	-1	-23.00
ओरिगेमी- फन एण्ड मैथमेटिक्स	2103	1168	935	614	19.44	-321	-6240.24
अवर वाटर अवर लाइफ (अंग्रेजी)	0	129	-129	0	20.56	129	2652.24
प्लेनेट अर्थ-सीडी	0	247	-247	0	32.07	247	7921.29
प्राचीन भारत में-सीडी	0	1800	-1800	146	50.00	1946	97300.00
रसायन कि दुनिया	15	0	15	2	35.67	-13	-463.71
रिसोर्स मेट डब्ल्यूआईपी 2005 (अंग्रेजी) पुस्तकें एवं सीडी	5	0	5	9	60.00	4	240.00
सच तो कुछ और है	10926	4037	6889	2255	35.29	-4634	-163533.86
सीइंग इज नॉट ऑलवेज बिलिविंग	346	215	131	0	28.00	-131	-3668.00

क्रमशः

सिसुर जतनो ओहेलन पालान-बंगाली	1010	0	1010	862	16.50	-148	-2442.00
स्क्वेयर पेग्स इन राउंड होल-(अंग्रेजी)	549	67	482	0	23.25	-482	-11206.50
एसटीडी-(अंग्रेजी)	2383	22	2361	1800	31.10	-561	-17447.10
द इंडियन एलीफेंट	4	4	36	0	25.50	-36	-918.00
द इनसेक्ट वर्ल्ड अंग्रेजी	33	55	-22	400	21.24	422	8963.28
द सोप बबल एंड फोर्सेज-मराठी	35	0	35	33	28.49	-2	-56.98
टॉय-जॉय-अंग्रेजी	481	200	281	0	11.90	-281	-3343.90
टीएसई	231	200	220	0	10.50	-220	-2310.00
अनचार्टर्ड ट्रेंड्स-अंग्रेजी	298	17	281	260	56.25	-21	-1181.25
विज्ञान नाटक	13793	210	13583	5401	6.15	-8182	-50319.30
विज्ञान रेल -डीवीडी	102	0	102	0	88.45	-102	-9021.90
डब्ल्यू-5एच ऑफ टैक्नोलॉजी -अंग्रेजी	500	37	463	362	92.00	-101	-9292.00
वेदर रिडल	1000	898	102	1715	84.51	1613	136314.63
याले प्रागाडा सुब्बा राव	1618	16	1602	710	93.25	-892	-83179

परिशिष्ट-2अ

क्रमांक	कर्मचारी का नाम	कर वेतन	योग्य दावा की गई कटौतियां	कटौती दावा हेतु आधार	फार्म 96 के अनुसार कर	संशोधित कर गणना (उपकर सहित)
1.	डॉ. सुबोध महंती	870984	गृह सम्पत्ति	प्राप्त किया	171746	171284
2.	डॉ. टी. वी. वेकटेश्वरन	589319	गृह सम्पत्ति,	उपलब्ध नहीं गृह कर, पुनः भुगतान	84713 कराया	84248
3.	श्री अरविन्द रानडे	340132	म.कि.भ.जीवन बीमा, पीएफ	उपलब्ध नहीं कराया	24026	23716
4.	श्री संदीप बरूआ	398158	म.कि.भ., अन्य निवेश	उपलब्ध नहीं कराया	35980	35670
5.	श्री बी.के. त्यागी	485878	गृह सम्पत्ति, अन्य निवेश	उपलब्ध नहीं कराया	54050	53740
6.	श्रीमती किंणकिणी दास गुप्ता	607704	पीपीएफ	उपलब्ध नहीं कराया	87306	86841
7.	श्री रिन्टू नाथ	509710	म.कि.भ., अन्य निवेश, जीवन बीमा	उपलब्ध नहीं कराया	60114	59650

विज्ञान प्रसार, ए–50, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, सैक्टर–62, नोएडा,
31/03/09 को समाप्त हुई वर्ष की अनुसूची का तुलन पत्रा

राशि (रूपये में.)

सामग्री/पूंजीगत निधि एवं देयतांए	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
कापर्स/पूंजीगत निधि	1	6,15,04,033.57	5,00,73,288.23
चिन्हित/विन्यास निधि	2	1,71,434.00	2,30,373.00
चालू देयतांए एवं प्रावधान	3	19,51,253.90	22,97,259.40
योग		**6,36,26,721.47**	**5,26,00,920.63**
परिसम्पत्ति			
स्थाई परिसम्पत्ति	4	1,25,91,205.83	1,43,40,471.37
चालू परिसम्पत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	5	5,10,35,515.64	3,82,60,449.26
योग		**6,36,26,721.47**	**5,26,00,920.63**
लेखा एवं लेखाकरण नीतियों पर टिप्पणी	13		

समान दिनांक की हमारी पृथक रिपोर्ट के आधार पर प्रमाणित
के. बी. एल. अग्रवाल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

ह/-	ह/-	ह/-	ह/-
(डी.डी.अग्रवाल)	(जे. के. चंदेल)	(सोमेश सी. झिंगन)	(डॉ. वी. बी. काम्बले)
पार्टनर	लेखाधिकारी	रजिस्ट्रार	निदेशक

दिनांक : 14.09.2009
स्थान: नई दिल्ली

विज्ञान प्रसार, ए-50, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, सैक्टर-62, नोएडा, 31/03/09 को समाप्त हुई वर्ष की अनुसूची जो तुलन पत्र का भाग है

अनुसूची 1

राशि (रूपये में)

सामग्री/पूंजीगत निधि	चालू वर्ष	गत वर्ष
वर्ष के आरंभ में शेष राशि	5,00,73,288.23	4,43,51,367.32
जोड़े-आय और व्यय खाने से स्थानांतरित आय का अधि शेष	1,14,30,745.34	47,21,920.91
जोड़- आरक्षित (एफसीटी प्रसारण से)	-	10,00,000.00
	6,15,04,033.57	5,00,73,288.23
वर्ष के अंत में शेष राशि	**6,15,04,033.57**	**5,00,73,288.23**

अनुसूची 2

राशि (रूपये में)

	परियोजना												योग	
चिन्हित/ विन्यास निधि	एसई आरसी	आईडीआर परियोजना	एनएसटी एमआईएस	यूनेस्को	बेहतर प्रयोगशाला पद्धति	वूमेन साइंटिस्ट	स्टैक- परियोजना	विज्ञान एवं समाज	राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	विज्ञान रेल	अन्तर्राष्ट्रीय प्रभाग डीएसटी	कार्यालय भवन निधि	चालू वर्ष	गत वर्ष
(क) वर्ष के आरम्भ में शेष राशि	(-)1,61,601	1,14,590	1,47,002.00	89,900	(-)2,44,514	3,33,286	(-)34,352	(-)1,02,646	(-) 93,500	31,558	1,50,650	-	2,30,373	(-)2,49,174
(ख) जोड़	2,30,000	-	3,19,472.00	-	2,39,351	2,75,000	-	3,88,149	-	-	-	50,00,000	64,65,537	14,95,535
योग (क+ख)	68,399.00	1,14,590	4,66,747.00	89,900	(-)5,163	6,08,286	(-)34,352	2,85,503	(-)93,500	31,558	1,50,650	50,00,000	66,95,910	12,46,361
(ग) नियमों के उद्देश्यों को पूरा करने हेतु उपयोग/व्यय	2,38,295.00	-	6,11,874.00	-	17,727	89,012	-	5,47,724	-	15,169	14,000	50,00,000	65,33,801	10,15,988
वर्ष के दौरान विज्ञान एवं समाज परियोजना सह व्यय					-22,890									
निबल शेष राशि (क+ख-ग)	**(-)1,69,896**	**1,14,590**	**(-)1,45,400.00**	**89,900**	**-**	**5,19,274**	**(-)34,352**	**(-)2,62,221**	**(-)93,500**	**16,389**	**136,650**	**-**	**1,71,434**	**2,30,373.00**

विज्ञान प्रसार, ए-50, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, सैक्टर-62, नोएडा,

अनुसूची 3

राशि (रूपये में)

चालू देयताएं एवं प्रावधान	चालू वर्ष		गत वर्ष	
चालू देयताएं				
1. स्वीकृति (वितरक/एजेंट)	67,000.00		67,000.00	
2. उपभोक्ताओं को भुगतान की जाने वाली राशि		10,03,836.90		7,71,981.40
3. वैधानिक देयताएं:				
a) अन्य (टीडीएस/बिक्री कर)		5,93,086.00		7,96,358.00
b) लीव सैलेरी		-		23,705.00
4. **अन्य चालू देयताएं:**				
a) मैसर्स विप्रो इंडिया	20,240.00		20,240.00	
b) विद्युत शुल्क	2,660.00		2,283.00	
c) दूरभाष	13,048.00		56,519.00	
d) विपरिस क्लिपसेट	-		9,656.00	
e) कार्यशाला/दिशा-निर्देशक कार्यक्रम	69,087.00		-	
f) बीमा	-		5.00	
g) चिकित्सा प्रतिपूर्ति	-		801.00	
h) डाकशुल्क	-		26,208.00	
i) मानदेय	68,500.00		-	
j) दूरदर्शन के माध्यम से विज्ञान संचार	-			
k) विज्ञापन व्यय	-	-	4,164.00	
l) मैसर्स जेनेसिस मीडिया	2,295.00		78,362.00	
m) समाचार पत्र और पत्रिकाएं	4,838.00		2,295.00	
n) वेब/होमपेज	1,518.00		3,486.00	
o) प्रकाशन	-		1,115.00	
p) मरम्मत एवं रख-रखाव	-		2,24,280.00	
q) विपनेट न्यूजलेटर	-		5,163.00	
r) प्रकाशिकी पर सीडी	-		44,720.00	
s) पुस्तक मेला	-		-	
t) आई.आई.टी., कानपुर	-		-	
u) उपभोज्य वस्तुएं	700.00		-	
v) कार का किराया	39,573.00		-	
w) कन्टेनजेन्सी	-		9,750.00	
x) विपी न्यूजलेटर	-		9,344.00	
y) यात्रा व्यय	-		6,750.00	
z) एलटीसी	-		29,587.00	
aa) आई.आई.टी., कानपुर	11,158.00		11,816.00	
bb) सी-डैक	-		16,671.00	
योग		**19,51,253.90**		**22,97,259.40**

विज्ञान प्रसार, ए-50, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, सैक्टर-62, नोएडा,

अनुसूची 4

राशि (रूपए में)

स्थायी परिसम्पत्ति

विवरण	सकल खंड: बैंक के आरंभ में लागत/मूल्यांकन	जोड़ अप्रैल-सितंबर के दौरान	जोड़ अक्टूबर-मार्च के दौरान	वर्ष के दौरान घटाव	वर्ष के दौरान लागत मूल्यांकन	अवक्षय: 31.03.2008 तक	व्यवस्थित. अपक्षय	चालू वर्ष के लिए	वर्ष के अंत तक योग	निवल खंड: चालू वर्ष के अंत तक	गत वर्ष के अंत तक
1. संयंत्र मशीनरी एवं उपस्कर	4,70,659.65	Nil	Nil	Nil	4,70,659.65	4,05,067.03	Nil	9,838.89	4,14,905.92	55,753.73	65,592.62
2. फर्नीचर, फिक्सचर	73,98,286.59	Nil	Nil	Nil	73,98,286.59	22,87,201.78	Nil	5,11,108.48	27,98,310.26	45,99,976.33	51,11,084.81
3. कार्यालय उपस्कर	29,47,108.87	Nil	1,237.00	Nil	29,48,345.87	22,65,380.00	Nil	1,02,352.11	23,67,732.11	5,80,613.76	6,81,728.87
4 कम्प्यूटर/पेरीफेरल	1,48,09,263.96	1,72,885.00	3,59,612.00	Nil	1,53,41,760.96	1,27,60,917.04	Nil	14,80,925.05	1,42,41,842.09	10,99,918.87	20,48,346.92
5 पुस्तकालय हेतु पुस्तकें	11,70,218.30	1,37,998.00	1,79,106.00	Nil	14,87,322.30	4,16,486.60	Nil	98,128.27	5,14,614.87	9,72,707.43	7,53,731.70
6 कार्यालय भवन (निर्माणधीन)	8,26,500.00	Nil	4,84,600.00	Nil	13,11,100.00	Nil	Nil	Nil	Nil	13,11,100.00	8,26,500.00
7 विद्युत संस्थापन	4,33,326.00	Nil	Nil	Nil	4,33,326.00	99,881.40	Nil	33,344.46	1,33,225.86	3,00,100.14	3,33,444.60
8 श्रव्य-दृश्य उपस्कर	45,82,479.00	Nil	Nil	Nil	45,82,479.00	13,20,039.55	Nil	4,89,365.92	18,09,405.47	27,73,073.53	32,62,439.45
9 हैम उपस्कर एवं सहायक सामग्री	4,88,923.00	Nil	Nil	Nil	4,88,923.00	1,62,169.66	Nil	49,013.00	2,11,182.66	2,77,740.34	3,26,753.34
10 टेलीस्कोप एवं अन्य सामग्री	8,22,982.00	Nil	Nil	Nil	8,22,982.00	2,72,132.94	Nil	82,627.36	3,54,760.30	4,68,221.70	5,50,849.06
11 डिजिटल पुस्तकालय	9,50,000.00	Nil	Nil	Nil	9,50,000.00	5,70,000.00	Nil	2,28,000.00	7,98,000.00	1,52,000.00	3,80,000.00
चालू वर्ष का योग	**3,48,99,747.37**	**3,10,883.00**	**10,24,555.00**	**Nil**	**3,62,42,855.37**	**2,05,59,276.08**	**Nil**	**30,84,703.54**	**2,36,43,979.62**	**1,25,91,205.83**	**1,43,40,471.37**
पिछले वर्ष का योग	**3,07,11,012.45**	**34,36,525.00**	**7,52,210.00**	**Nil**	**3,48,99,747.45**	**1,57,91,969.39**	**Nil**	**47,67,306.69**	**2,05,59,276.08**	**1,43,40,471.37**	**1,49,19,043.06**

अनुसूची 5

चालू परिसम्पत्तियों, ऋण अग्रिम आदि			चालू वर्ष	गत वर्ष
A. चालू देयताएः				
1. वस्तु सूची:				
a) भंडार एवं पूर्जे	Nil		Nil	
b) खुले औजार		Nil		Nil
c)साज-सामान	68,74,561.82	68,74,561.82	Nil	Nil
2. विविध देनदार	19,18,472.71		6,13,639.88	
3. स्रोत पर आयकर कटौती		15,125.00		15,125.00
4. मौजूद नगद रीश		4,122.00		9,129.00
5. बैंक में मौजूद राशिः वचत खाते में		2,36,08,179.10		2,34,92,702.37
6. सावधि जमा	61,81,049.00		56,18,354.00	
योग (अ)		**3,86,01,509.63**		**2,97,48,950.25**

क्रमशः

अनुसूची 5

चालू परिसम्पत्तियों, ऋण अग्रिम आदि	चालू वर्ष		गत वर्ष	
B. ऋण, अग्रिम एवं अन्य चालू परिसंपत्तिया				
1. ऋण: स्टॉफ (एचबीए)		-		2,12,538.00
2. मोटर साईकिल अग्रिम		25,000.00		-
3. नगद या वस्तुओं या मूल्य के रूप में प्राप्त होने वाला वसूलयोग्य अग्रिम एवं अन्य राशियां:				
a) गतिविधियों के लिए अग्रिम				
सूचना प्रौद्योगिकी आधारित विज्ञान व प्रौद्योगिकी परियोजना	1,50,000.00		1,50,000.00	
मराठी विज्ञान परिषद्	85,000.00		1,05,000.00	
नेहू, शिलांग	28,113.00		28,113.00	
टेलिविजन कार्यक्रम (सीइसी)	2,50,000.00		2,50,000.00	
अग्रिम वीएचएपी	18,525.00		18,525.00	
अग्रिम:प्रकाशन	15,500.00		15,500.00	
भारतीय तमिल अध्ययन संस्थान, तमिलनाडु	34,269.00		34,269.00	
अग्रिम ए.आई.आर.कोलकाता	3,93,463.00		Nil	
तमिलनाडु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र	2,46,000.00	12,20,870.00	3,13,500.00	
				13,08,370.00
b) पूर्व भुगतान				
अग्रिम भुगतान (पर्सनल कम्प्यूटर-ई सिस्टम)		7,685.00		20,536.00
अग्रिम भुगतान (लिपि डाटा, सिस्टम लिमिटेड)		29,214.00		-
c) अन्य				
ओपेन एडेड कार्यक्रम का विकास	1,77,945.00		1,77,945.00	
अग्रिम ए. वी. कोड	1,96,048.00		1,98,200.00	
प्रतिभूति-डीएवीपी	25,000.00		25,000.00	
प्रतिभूति- एनसीएसटीसी संचार	1,400.00		1,400.00	
प्रतिभूति- परिसर पट्टा	2,77,984.00		2,64,747.00	
कर्मचारियों के लिए अग्रिम	10,000.00		8,498.00	
कियोस्क रख-रखाव	57,100.00		57,100.00	
प्रतिभुति- (पुस्तकालय)	500		500.00	
अग्रिम- डी.जी.एस. एंड डी	7,79,356.00		3,78,789.00	
अग्रिम-भारतीय विद्या निकेतन, केरल	1,00,000.00		Nil	
अग्रिम. नैम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	2,00,000.00		2,00,000.00	
अग्रिम गुजरात काउंसिल ऑफ साइंस सीटी	70,375.00		70,375.00	
अग्रिम- एच. ए. आर.एस.ऐ. सी. हिसार	4.332.00		1,20,750.00	
एलटीसी (अग्रिम)	1,00,000.00		11,745.00	
अग्रिम- दयानंद एजु. सोसाइटी, लानुर	11,000.01		Nil	
अग्रिम एडीएम कॉलेज फॉर ओमेन, तमिलनाडु	3,250.00		3,250.00	
अग्रिम अगरकर रिसर्च इन्स्टीट्यूट, पुणे	5,26,629.00		5,56,000.00	
अग्रिम मैसर्स मैकॉन लिमिटेड	15,00,000.00		15,00,000.00	
अग्रिम आई. आई.टी. कानपुर	5,72,795.00		1,92,795.00	

क्रमशः

अनुसूची 5

प्रतिभुतिः टेलीफोन	11,000.01		11,000.01	
अग्रिम. ए. पी.राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, ईटानगर	2,900.00		2,900.00	
अग्रिम एएसटीईसी, गुवाहाटी	4,46,500.00		4,46,500.00	
अग्रिम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद सी. जी.	3,250.00		3,250.00	
अग्रिम नेहरू प्लानेटेरियम, दिल्ली	75,000.00		Nil	
अग्रिम विज्ञान एवं प्रौद्योगिक परिषद, लखनऊ उ0 प्र0	7,500.00		7,500.00	
अग्रिम गोवा राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद	10,750.00		10,750.00	
अग्रिम एमएएसटीईसी, मणिपुर	79,500.00		79,500.00	
अग्रिम मिजोरम राज्य विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण परिषद	1,00,350.00		1,00,350.00	
अग्रिम मैसर्स इंटरलेंकी कम्यूनिकेशन, मदरिद, एल ए.	10,869.00		I0,869.00	
अग्रिम आईआईएम, नोएडा	5,000.00		-	
अग्रिम पंजाब राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद	1,04,500.00		-	
अग्रिम रमन साइंस सेंटर	1,500.00		-	
अग्रिम साइंस सेंटर ग्वालियर	1,30,000.00		-	
अग्रिम सृजनिका	55,000.00		-	
अग्रिम एम. एस. स्वामिनाथन रिसर्च फाउंडेशन, पांडिचेरी	6,500.00		6,500.00	
अग्रिम एनवाईएएसएस ट्रस्ट थाणे, महाराष्ट्र	1,50,000.00		75,000.00	
अग्रिम ऑफिस ऑफ डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट, मिदानपुर, पश्चिम बंगाल	3,250.00		3,250.00	
अग्रिम प्रिंसपल सिक्किम गवर्नमेंट कॉलेज गंगटोक	3,250.00		3,250.00	
अग्रिम सेमिनार/बैठक	15,000.00		-	
अग्रिम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद शिमला	10,750.00		10,750.00	
अग्रिम यात्रा भत्ता	30,000.00		83,317.00	
अग्रिम डॉ. वी. बी. काम्बले	53.00		11,970.00	
अग्रिम इंडियन एसीसीयसन फॉर साइंस फिक्शन स्टाडीज	-		70,000.00	
अग्रिम कर्नाटक राज्य विज्ञान परिषद बैंगलोर	15,500.00		15,500.00	
अग्रिम मैसर्स हरकारा	9,88,768.00		3,95,507.00	
अग्रिम मैसर्स औरबिठ	12,91,560.00		4,13,485.00	
अग्रिम टैरी दिल्ली	4,400.00		4,400.00	
अग्रिम त्रिपुरा साइंस फोरम, त्रिपुरा	30,000.00		30,000.00	
अग्रिम ए. आई. आर., अगरतला	46,000.00		46,000.00	
मैसर्स ग्रे फिल्मस	16,17,983.00		6,47,193.00	
अग्रिम मैसर्स इस्टलस, दिल्ली	12,64,050.00		5,05,620.00	
प्रतिभूतिः डाक विभाग	20,000.00		20,000.00	
		1,11,50,737.01		67,81,455.01
3. जमा आय				
i) जीपीए पर स्टॉक को मिलनेवाला ब्याज				1,88,600.00
योग (ख)		1,24,34,006.01		85,11,499.01
योग (क + ख)		5,10,35,515.64		3,82,60,449.26

विज्ञान प्रसार, ए-50, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, सैक्टर-62, नोएडा, 31/03/09 को समाप्त हुई वर्ष की अनुसूची जो तुलन पत्र का भाग है

राशि (रूपये में)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
बिक्री से हुई आय	6	28,94,839.00	10,25,837.30
अनुदान	7	8,76,00,000.00	8,00,00,000.00
अर्जित आय	8	15,05,072.00	16,28,164.00
अन्य आय	9	8,03,910.00	7,10,713.20
स्टॉक में वृद्धि/कर्मी	19	68,74,561.82	-
योग (A)		**9,96,78,382.82**	**8,33,64,714.500**
व्यय			
कार्यक्रम/गतिविधि व्यय	10	5,75,46,292.00	5,58,71,183.00
संस्थापन खर्च	11	1,46,57,755.00	85,23,277.00
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	12	1,29,58,886.94	94,81,026.90
अनुसूचीअवक्षय (अनुसूची 4 के अनुरूप वर्ष के अंत में कुल योग)		30,84,703.54	47,67,306.69
योग (B)		**8,82,47,637.48**	**7,86,42,793.59**
आय से अधिक व्यय होने पर शेष राशि (A-B)		1,14,30,745.34	47,21,920.91
सामान्य आरक्षित/पूंजीगत निधि से प्राप्त शेष राशि		1,14,30,745.34	47,21,920.91
लेखा एवं लेखाकरण नीतियो पर टिप्पणी	13		

समान दिनांक की हमारी पृथक रिपोर्ट के आधार पर प्रमाणित
के. बी. एल. अग्रवाल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

ह/-	ह/-	ह/-	ह/-
(डी.डी.अग्रवाल)	(जे. के. चंदेल)	(सोमेश सी. झिंगन)	(डॉ. वी. बी. काम्बले)
पार्टनर	लेखाधिकारी	रजिस्ट्रार	निदेशक

दिनांक : 14.09.2009
स्थान: नई दिल्ली

विज्ञान प्रसार, ए-50, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, सैक्टर-62, नोएडा,
31/03/09 को समाप्त हुए वर्ष के लिए अनुसूचियॉं, जो आय और व्यय का भाग हैं

अनुसूची 6

राशि (रूपये में)

बिक्री से हुई आय		**चालू वर्ष**	**गत वर्ष**
1)	बिक्री से हुई आय		
	बिक्री	28,94,839.00	10,25,837.30
	योग	**28,94,839.00**	10,25,837.30

अनुसूची 7

राशि (रूपये में)

अनुदान		चालू वर्ष	गत वर्ष
1)	केन्द्र सरकार	8,76,00,000.00	8,00,00,000.00
	योग	**8,76,00,000.00**	**8,00,00,000.00**

विज्ञान प्रसार, ए-50, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, सैक्टर-62, नोएडा,

अनुसूची 8

राशि (रूपये में)

अर्जित आय			चालू वर्ष	गत वर्ष
1)	वचत खातो पर:			
	a)	अनुसूचित बैंको के पास	9,27,130.00	11,53,629.00
	b)	सावधि जमा पर	5,62,695.00	4,53,697.00
2)	ऋणों पर:			
	a)	एचबीए (स्टाफ) पर प्रोदमून ब्याज	15,247.00	20,838.00
	योग		**15,05,072.00**	**16,28,164.00**

अनुसूची 9

राशि (रूपये मे)

अन्य आय		चालू वर्ष	गत वर्ष
1)	मिश्रित आय	21,076.00	14,819.50
2)	परियोजना प्राप्ति	-	56,000.00
3)	प्राप्त रॉयल्टी	22,500.00	12,912.00
4)	पीछे लिखी राशि	-	66,794.70
5)	ओवरहेड आय	7,49,022.00	5,60,187.00
6)	पूर्व अवधि आय	11,312.00	-
	योग	**8,03,910.00**	**7,10,713.20**

विज्ञान प्रसार, ए-50, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, सैक्टर-62, नोएडा,

अनुसूची 10

राशि (रूपये में)

	कार्यक्रम/गतिविधि खर्च	चालू वर्ष	गत वर्ष
1)	विपरिस क्लिपसेट	77,783.00	99,281.00
2)	प्रकाशन	2,07,860.00	8,44,299.00
3)	अनुवाद	-	5,104.00
4)	विज्ञान प्रसार न्यूजलेटर	66,20,513.00	68,82,438.00
5)	सेमिनार/मीटिंग	3,91,132.00	6,31,334.00
6)	वेब/होमपेज	3,78,511.00	3,05,405.00
7)	पुस्तक मेला	77,368.00	2,33,893.00
8)	रेडियो कार्यक्रम	-	1,80,582.00
9)	रॉयल्टी (प्रकाशन)	1,06,644.00	99,719.00
10)	विपनेट कार्यशाला	4,39,666.00	2,30,074.00
11)	प्रसारण शुल्क	2,42,51,710.00	2,16,49,776.00
12)	श्रव्य कार्यक्रम	20,000.00	14,29,940.00
13)	सीडी की प्रतिकृति	41,438.00	5,23,148.00
14)	विपनेट न्यूजलेटर	10,46,423.00	10,47,046.00
15)	कार्यशाला/दिशा-निर्देशक कार्यक्रम	17,57,521.00	13,56,362.00
16)	विज्ञान संचार पर कार्यक्रम	1,29,84,750.00	50,78,770.00
17)	दृश्य पुस्तकें	-	1,000.00
18)	बायोडाइवर्सिटी एवं मौसम किट	3,03,285.00	-
19)	भौतिकी के साथ फन सीडी	18,538.00	-
20)	स्कूल स्तर पर भौतिकी कार्यक्रम	7,919.00	4,46,660.00
21)	वीडियों फिल्म	2,11,769.00	18,26,428.00
22)	हिंदी दिवस पर बैठक	87,696.00	43,120.00
23)	प्रकाशिकी सीडी	21,230.00	49,154.00
24)	भौतिकी गतिविधि किट	-	11,87,280.00
25)	पृथ्वी वर्ष पर कार्यक्रम	55,08,274.00	11,36,342.00
26)	क्विच प्रोग्राम	13,37,982.00	1,04,64,313.00-
27)	स्पांसरशिप रजिस्ट्रेशन फीस	1,000.00	41,874.00
28)	रेल संग्रहालय में ग्रीष्मकालीन शिविर	61,189.00	76,141.00
29)	प्रशिक्षण शुल्क	-	1,700.00
30)	व्याख्यान/चैट पत्र	84,570.00	-
31)	अंतर्राष्ट्रीय खगोलकी वर्ष पर कार्यक्रम	8,88,173.00	-
32)	इंडिया बायो डाइवरसिटी लिक्टेचर परियोजना	5,12,351.00	-
33)	साइंस फिक्शन सेमिनार	1,00,000.00	-
	योग	**5,75,46,292.00**	**5,58,71,183.00**

विज्ञान प्रसार, ए-50, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, सैक्टर-62, नोएडा,

अनुसूची 11

राशि (रूपये में)

स्थापन व्यय		चालू वर्ष	गत वर्ष
1)	वेतन व मजदूरी	1,25,04,532.00	78,75,144.00
2)	बोनस	58,473.00	29,604.00
3)	भविष्य निधि में अंशदान (सी.जी.एफ. योगदान एवं ब्याज)	11,97,580.00	5,04,329.00
4)	अन्य (मानदेय/वृतिका)	77,000.00	1,14,200.00
5)	पेंशन अंशदान	2,81,520.00	-
6)	सेवा निवृत्ति उपदान	3,43,187.00	-
7)	बाल शिक्षा भत्ता	86,085.00	-
8)	अवकाश एनकैशमेंट	1,09,378.00	-
	योग	**1,46,57,755.00**	**85,23,277.00**

अनुसूची 12

राशि (रूपये में)

अन्य प्रशासनिक व्यय आदि .					चालू वर्ष	गत वर्ष
	खरीद				47,87,932.00	-
	बिजली				67,415.00	60,986.00
	बीमा				55.00	3,334.00
	मरम्मत एवं रख-रखाव				4,27,286.00	3,09,821.00
	किराया, दर एवं कर				15,00,918.00	14,04,682.00
	डाक, टेलीफोन एवं संचार शुल्क				6,15,319.44	9,12,141.50
	मुद्रण एवं लेखन सामग्री				4,79,304.00	7,37,066.00
	यात्रा व्यय				18,11,226.00	32,15,787.00
	अभिदान व्यय				61,127.00	61,632.00
	लेखा परीक्षक का परिश्रमिक	i)	ऑडिट परीक्षा शुल्क	Rs. 18,540.00		
		ii)	जेबी खर्च	Rs. 12,000.00		
				30,540.00	26,040.00	
	अतिथ्य व्यय			14,826.00	1,10,438.00	
	वृत्तिक व्यय			38,769.00	21,366.00	
	बट्टे खाते में डाली जा सकने वाली शेष राशि	-		9,87,399.90		
	विज्ञापन एवं प्रचार				3,31,350.00	4,30,971.00
	अन्य					
i)	समाचार पत्र				24,526.00	93,058.00
ii)	बैंक प्रभार				2,977.50	23,814.00
iii)	उपभोज्य				12,97,201.00	344.00
iv)	पूर्व अवधि व्यय				1,51,045.00	7,06,113.00
v)	एलटीसी				90,015.00	1,59,822.00
vi)	चिकित्सा आपूर्ति				38,973.00	37,651.00
vii)	गाड़ी भाड़ा एवं वाहन आवक				70,361.00	43,969.00
viii)	नोटिस पटल				-	35,272.00
ix)	इंटिग्रेशन				-	69,320.00
x)	छूट				9,05,017.00	30,000.00
xi)	कार्यालय व्यय				2,12,704.00	-
	योग				**1,29,58,886.94**	**94,81,026.90**

विज्ञान प्रसार, ए-50, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, सैक्टर-62, नोएडा

अनुसूची 19

Amount (Rs.)

तैयार माल के स्टॉक में बढ़ती (कमी) तथ्वा प्रगामी कार्य	चालू वर्ष	गत वर्ष
A) वर्षांत में शेष माल		
- तैयार माल	68,74,561.82	-
- प्रगामी माल	-	-
(B) कमीः ओपनिंग स्टॉक	0	-
- तैयार माल	-	-
- प्रगामी माल	-	-
निवल बढ़ती (A-B)	68,74,561.82	-

विज्ञान प्रसार, ए-50, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, सैक्टर-62, नोएडा
31.03.09 को समाप्त हुए वर्ष की प्राप्ति एवं भुगतान

Amount (Rs.)

प्राप्तिया				चालू वर्ष	गत वर्ष
I. आरंभिक राशि			I. व्यय		
a) मौजूद नकद	9,129.00	4,906.00	a) कार्यक्रम/गतिविधि व्यय . (अनुसूची 10)	5,75,46,292.00	5,58,71,183.00
b) बैंक में मौजूद राशि			b) संस्थापन व्यय (अनुसूची 11)	1,46,57,755.00	85,23,277.00
i) वचत खाता	2,34,92,702.37	1,92,05,405.95	c) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 12)	1,29,58,886.94	94,81,026.90
ii) मियादी जमा	56,18,354.00	51,64,657.00	II. विभिन्न परियोजनाओं के लिए निधि में		
II. प्राप्त अनुदान			किया गया भुगतान		
a) भारत सरकार से	8,76,00,000.00	8,00,00,000.00			
b) अन्य स्रोतों से (विवरण)			ii) एनएसटीआईएमएस	6,03,549.00	1,91,497.00
i) एन एस टी एम आई एस	3,11,147.00	5,31,115.00	iii) एसईआरसी	2,38,295.00	2,93,420.00
ii) एस ई आर सी	2,30,333.00	2,00,000.00	iii) विज्ञान और सोसाइटी	5,42,561.00	44,000.00
iii) जीएलपी परियोजना	-	-	ivi) जीएलपी परियोजना	-	1,70,455.00
iv) आई डी आर सी परियोजना	-	-	v) एसटीएसी परियोजना	-	39,682.00
v) विज्ञान एवं समाज	6,27,500.00	-	vi) वूमेन इन साइंस	89,012.00	2,76,934.00
vi) वूमेन इन साइंस	2,75,000.00	6,10,220.00	vii) विज्ञान रेल	15,169.00	-
vii) अन्तर्राष्ट्रीय डिविजन	-	1,54,200.00	viii) अंतर्राष्ट्रीय प्रभाग	14,000.00	-
viii) कार्यालय निर्माण अनुदान	50,00,000.00	-	ix) कार्यालय भवन अनुदान	50,00,000.00	-
III. प्राप्त ब्याज			III. स्थायी परिसंपत्तियों पर व्यय		
वचत खाते में	9,27,130.00	11,53,629.00	स्थाई परिसंपत्तियों का क्रय	13,35,438.00	41,88,735.00
मियादी खातो पर	5,62,695.00	4,53,697.00			
IV. अन्य आय (ब्यौरा)					
a) बिक्री से प्राप्त आय	28,94,839.00	10,25,837.30	IV. ऋण एवं अग्रिमों का भुगतान		
b) परियोजना से प्राप्त आय	-	56,000.00	a) चालू परिसंपत्तियों का क्रय	1,21,01,901.65	8,51,791.68
c) प्राप्त मिश्रित	21,076.00	14,819.50			
d) एचबीए पर ब्याज	15,247.00	20,838.00	VI. अंतिम राशि		
e) प्राप्त रॉयल्टी	22,500.00	12,912.00	a) मौजूद नकद	4,122.00	9,129.00
f) पीछे लिखित राशि	-	66,794.70	b) बैंक में जमा राशि		
g) ओवरहेड आय	7,49,022.00	5,60,187.00	i) वचत खाता	2,36,08,179.10	2,34,92,702.37
h) एफसीटी बिक्री	-	10,00,000.00	ii) मियादी जमा	61,81,049.00	56,18,354.00
i) पूर्व अवधि आय	11,312.00	-			
j) शेष माल में बढ़ती देय राशि	68,74,561.82	-			
V. देय राशि					
चालू देयताओं में वृद्धि/कमी	(-)3,46,005.50	(-)11,83,031.50			
योग	**13,48,96,209.69**	**10,90,52,186.95**	योग	**13,48,96,209.69**	**10,90,52,186.95**

समान दिनांक की हमारी पृथक रिपोर्ट के आधार पर प्रमाणित

के. बी. एल. अग्रवाल एंड कंपनी के लिए

चार्टर्ड एकाउंटेंटस

ह/-	ह/-	ह/-	ह/-
(डी.डी.अग्रवाल)	(जे. के. चंदेल)	(सोमेश सी. झिंगन)	(डॉ. वी. बी. काम्बले)
पार्टनर	लेखाधिकारी	रजिस्ट्रार	निदेशक

दिनांक : 14/9/2009

स्थान : नई दिल्ली

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट का प्रत्युत्तर

हमारे द्वारा विज्ञान प्रसार, ए-50, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सैक्टर-62, नोएडा-201307 (उ0 प्र0) के 31 मार्च 2009 तक के तुलन पत्र तथा इसी तिथि को समाप्त हुए वर्ष के आय एवं व्यय के साथ-साथ प्राप्तियों एवं भुगतान संबंधी लेखा की जाँच की गई है, जो कथित सोसाइटी द्वारा तैयार की गई लेखा बहियों के अनुरूप है।

I. हमने वे सभी सूचनाएं एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो कि हमारी जानकारी एवं विश्वास के मुताबिक हमारी लेखा परीक्षा के लिए आवश्यक थे। : **भाग 1, 2(क) (ख)**

II. 31.03.2009 के तुलन पत्र में अनुसूची 13 में निर्दिष्ट लेखा टिप्पणियों के बिंदुओं के आधार पर हमारे विचार में, हमारे द्वारा किए गए बहियों के निरीक्षण से यह ज्ञात होता है कि इस सोसाइटी में उपयुक्त लेखा बहियाँ रखी हुई हैं।

तथ्य विवरण : कोई टिप्पणी नहीं

1. सोसाइटी ने लेखा बहियों को प्रोद्भवन आधार पर तैयार किया है, हालांकि निम्नोक्त स्थितियों में नगद प्राप्ति आधार प्रणाली को अपनाया गया है
   - कर्मचारियों के वेतन भुगतान
   - छुट्टी नगदीकरण, ग्रैच्युटी भुगतान आदि।
   - लेखा परीक्षकों का मानदेय।

2. हमारे लेखा परीक्षण के दौरान यह पाया गया कि उपयुक्त निर्दिष्ट लेखा मानकों के अनुसार खाता बहियों को तैयार किया गया है। निम्न लेखा मानक व्यक्तिक्रम में हैं:-

(i) स्थायी परिसम्पत्ति हेतु ए. एस.-10 लेखा
(ii). सरकारी अनुदान हेतु ए एस-12 लेखा
(iii). ए एस-15 कर्मचारी लाभ

3.	हमारे प्रत्यक्ष सत्यापन हेतु स्थायी परिसम्पत्ति रजिस्टर उपलब्ध नहीं करवाया गया। हालांकि इसके लिए लेखा बहियों में आंकड़े दर्ज किए गए हैं। लेखा बहियों में स्थायी परिसम्पत्ति को मूल्य रहित ह्रासित मूल्य उपलब्ध कराया गया है। स्थाई परिसम्पत्ति पर मूल्यह्रास विधि से आयकर अधिनियम 1961 द्वारा निर्धारित दरों के अनुसार उपलब्ध कराया गया है, सिवाय पुस्तकालयों की पुस्तकों के जिनके मूल्यह्रास को 10 प्रतिशत के दर से ह्रासित मूल्य आधार पर उपलब्ध कराया गया है।	:	स्थायी परिसंपति रजिस्टर 2003-04 से संरक्षित नहीं किया जा रहा है, किंतु स्थायी परिसंपत्तियों की प्रविटियॉ पूर्ण रूप से कम्प्यूटरीकृत हैं तथा निर्मित डाटा बेस में ये सभी प्राप्त सूचनाओं के साथ उपलबध हैं। कागजी कार्य कम करने के प्रयोजन से यह व्यवस्था की गई तीा सभी सूचनाएं लेखा परीक्षकों को उपलब्ध कराई गईं। डाटा बेस में की गई प्रविटियों के आधार पर स्थायी परिसम्पत्ति का मूल्यांकन किया जाता है। इस प्रकार किया गया मूल्यांकन तुलन पत्र में दिखाया जाता है और सांख्यिकी लेखा परीक्षकों द्वारा नियमित रूप से प्रमाणित किया जात है। संपत्तियों के भौतिक सत्यापन हेतु विज्ञान प्रसार प्रतिवर्ष एक समिति गठित करता है।
4	हमारे लेखा परीक्षण के दौरान हमने पाया कि विज्ञान प्रसार को कार्यालय भवन हेतु रु0 50,00,000 प्राप्त हुआ है जिसे अनुदान शीर्ष या उपशीर्षों में नहीं रखा गया है, परंतु कार्यालय भवन के लिए प्रत्यक्ष भुगतान किया है जो एएस-12 के अनुसार त्रुटिपूर्ण है। अब इसे ठीक कर लिया गया है।	:	सैक्टर-62 नोएडा की जमीन जिस पर विज्ञान प्रसार का कार्यालय सम्मिश्र बनाने का प्रस्ताव है, विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग (डी. एस. टी.) की भूमि है। इस भूमि के भुगतान से संबंधित सारी जिम्मेदारियां डीएसटी की है। इस प्रयोजन के लिए डीएसटी द्वारा जारी की गई रू. 50 लाख की राशि सही रूप में अनुदान नहीं मानी गई। तथापि लेखा परीक्षकों के निर्देश पर सुधारा गया।
5.	हमने पाया है कि एएस-15 के प्रावधानों में अतिक्रमण हुआ है, एएस-15 के अनुसार कर्मचारियों की ग्रेच्युटी, अवकाश ग्रहण/पेंशन और संग्रहित छुट्टी या मूल्यांकन वास्तविक आधार पर करना अपेक्षित होता है तथा वर्षान्त में उपलब्ध कराना होता है परंतु इसे बार-बार उपयोग में नहीं लाते हैं।	:	लेखा परीक्षा रिपोर्ट बिंदु II (1) में यह बनाया गया है कि वेतन आदि का भुगतान नगद आधार पर किया जाता है। यह हमारी लेखाकरण नीति का पहले से ही उद्घटित तथ्य हैं चूँकि ग्रेच्युअी तथा छुटटी के बदले नगद भुगतान कर्मचारियों की परिलब्धियों का अंश है, इसलिए इसके लिए प्रावधान रखना आवश्यक नहीं है।

6. लेखा परीक्षण के दौरान हमने पाया कि नगद रजिस्टर में विसंगतियाँ हैं।?
इनका विवरण निम्नवत है:

दिनांक	डेबिट शीर्ष	क्रेडिट शीर्ष	राशि	टिप्पणी
4.9.08	कार्यशाला/ अभिमुखीकरण कार्यक्रम	सम्मेलन/बैठक में नकद अग्रिम	10000 6846 3154	अरविन्द रानडे को रु. 10000 अग्रिम राशि का भुगतान किया गया वास्तविक व्यय रु. 6846 है और शेष राशि रु. 3154 वापस प्राप्त करना है। विज्ञान प्रसार द्वारा नगद में रु. 6308 की कमी के प्रभाव के फलस्वरूप वह राशि पुनः भुगतान की गई। लेकिन नगद पुनरीक्षण के दौरान इस प्रकार का अंतर नहीं पाया गया।
28.11.08	हिंदी दिवस पर बैठक सम्मेलन/बैठक	हिंदी दिवस समारोह हेतु अग्रिम	85656 16344 102000	श्री कपिल त्रिपाठी को हिंदी दिवस समारोह हेतु अग्रिम भुगतान दिया गया, उन्होंने रु0 85656 का विवरण प्रस्तुत किया तथा शेष राशि नगद प्राप्त हुआ। लेकिन उन्होंने रु. 16344 की राशि को सम्मेलन/बैठक शीर्ष में दर्ज किया यद्यपि इस प्रकार के खाते में कोई व्यय नहीं पाया गया।
	लेखा बाहियों के अनुसार नगद राशि		**भौतिक रूप में प्राप्त नगद**	**टिप्पणी**
26.8.09	20844		20814	नगद के सम्यापन के दौरान हमने रु. 30 का अंतर पाया

: नगद रजिस्टर की विसंगतियाँ

* संदर्भित महीने के सभी बाउचरों के सत्यापन की प्रक्रिया चल रही है तथा इसमें पाई जाने वाली त्रुटियाँ समुचित प्रविष्टियों द्वारा सुधारी जाएगी।

** यह राशि एआरआई, पुणे में आयोजित बायोडाइवर्सिटी सेमिनार के अवसर पर खर्च की गई। व्यय के बाउचर रिकार्ड में उपलब्ध हैं, लेखापरीक्षक अगले निरीक्षण के समय इनका सत्यापन कर सकते हैं, उपयुक्त सेमिनार के लिए निदेशक का अनुमोदन पहले से ही प्राप्त है।

*** वास्तव में राशि में कोई अंतर नहीं है, बल्कि लेखा परीक्षकों द्वारा परीक्षण के तुरंत पहले किसी अत्यावश्यक वस्तु की खरीद के लिए यह राशि दी गई थी, लेखा परीक्षकों को यह बात मौखिक रूप से बताई गई।

* हमने यह भी पाया है कि वर्ष के दौरान नगर पुस्तिका में नकारात्मक नगद राशि थी जो व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है।

दिनांक	डेबिट	क्रेडिट	बेलेंस
9.4.08	120000	20000	105719 डेबिट
10.4.08 से 16.04.08	.	109840	4121 क्रेडिट
17.04.08	20000	3000	12879 डेबिट

: नगद रजिस्टर में नकारात्मक नगद शेष के संबंध में निवेदन है कि विज्ञान प्रसार बैंक से दो प्रकार से धन का आहरण करता है, एक - देनदिन जरूरत के छोटे-मोटे खर्च के आहरण एक मुश्त राशि के रूप में किया जाता है। इस आहरण को खर्च के लिए आहरित राशि भुगतान करने के लिए कम पड़ जाती है जिसे बैठकों आदि के लिए आहरित एकमुश्त राशि से समायोजित किया जाना है। यह कमी छोटे-मोटे खर्च के लिए बाद में आहरित राशि से भरी जाती है। इस तरह की लेन-देन किसी निर्दिष्ट दिन में नगद रजिस्टर के नगद में कमी का कारण बनती है जो कि तकनीकी दृष्टि से नगद की कमी नहीं है।

* बैंक पुस्तिका में सम्मेलन/कार्यशाला/व्यय हेतु कर्मचारियों को अग्रिम संबंधी धारक चैक जारी किए गए हैं। हमने पुनः नगद और बैंक में जमा राशि पर आंतरिक नियंत्रण को मजबूत करने तथा प्राथमिक पुस्तिकाओं के रख-रखाव को दुरुस्त करने की सलाह दिया।

: * जहां तक सेमिनार/कार्यशालाओं हेतु कर्मचारियों के नाम धार चेक जारी करने का मामला है, यह पद्धति पहले ही बंद की जा चुकी है।

7. लेखा परीक्षण के दौरान हमने पाया कि बिक्री कर अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन किया गया है। बिक्री कर को पंजीकरण संख्या एलसी/101/189370/0896 के अंतर्गत पंजीकृत किया गया है, परंतु बिक्री कर रिटर्न दाखिल नहीं किया जा रहा है, यद्यपि यह बिक्री कर अधिनियम के प्रावधानों के अनुकूल है। बिक्री कर दाखिल करने की अपेक्षा है परंतु बिक्री कर की कोई देयता नहीं बनती है (शून्य रिटर्न)।

: बिक्री कर विवरणी दाखिल करने के संबंध में निवेदन है कि विज्ञान प्रसार प्रकाशनों की बिक्री मुद्रण लागत से जरा अधीक मूल्य पर करती है ताकि ऊपरी खर्च निकल जाए। यह बिक्री लाभ के उद्देश्य से नहीं की जाती। प्रतिवर्ष शून्य बिक्री विवरणी, दाखिल करने की बाध्यता से मुक्त होने की दृष्टि से, बिक्री कर पंजीकरण को बिक्री कर आयुक्त के पास अभ्यर्पित करना बेहतर प्रतीत होता है।

8. जाँच के दौरान हमने 27 अगस्त 2009 को वस्तु सूची का परीक्षण आधार पर भौतिक सत्यापन किया जिसमें 274 वस्तुओं में से केवल 45 की जॉच की गई और हमने पाया कि सभी मामलों में भौतिक स्टॉक एवं तुलन रजिस्टर में भिन्नता है।

विवरण हेतु परिशिष्ट-1(अ) संलग्न है।

: इस संदर्भ में निवेदन है कि लेखा परीक्षकों ने 27.8.09 का शेष वस्तुओं का, 31.3.09 के शेष की स्थिति दिखाने वाली सूची के साथ जॉच की लेखापरीक्षकों ने बीच की अवधि में जारी की गई स्टॉक/वस्तुओं को गणना में नहीं लिया है हालांकि स्टॉक की स्थिति ठीक-ठाक है। लेखापरीक्षकों द्वारा संकेतिक अंतर इसी का परिणाम है। तथापि यहां पर यह बनाना संगत प्रतीत होताह ै कि स्टॉक/टिकाऊ वस्तुओं का भौतिक सत्यापन करने का कार्य संविधिक लेखापरीक्षकों की सीमा के अंदर नहीं आना। सीएजी, एमएसओ, भाग का पृष्ठ-62 इसका संदर्भ देता है।

9. लेखा परीक्षण के दौरान हमने पाया कि अधिकांश मामलों में लेखा की दोहरी प्रविष्टी प्रणाली को उचित रूप से नहीं अपनाया गया है, जैसे अपनी लेखा बहियों में बिना पार्टी खाता बनाए चैक द्वारा सीधे राशि भुगतान कर दी गई है। उदाहरण के रूप में निम्न मामले हैंः-

(i) मैसर्स पीसी-ई सिस्टम्स
(ii) मैसर्स मीडिया क्लिपिंग ब्यूरो
(iii) मैसर्स सेफायर हाउस कीपिंग सर्विसेज (प्रा.) लि.
(iv) मैसर्स सूर्य कमल एसोसिएट्स
(v) मैसर्स लैप केयर कम्प्यूटर्स
(vi) मैसर्स इनफिनियम (आई) लि.
(vii) मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स
(viii) मैसर्स पल्स मीडिया प्रा. लि.
(ix) मैसर्स उत्तरांचल रोड कैरियर्स
(x) मैसर्स मल्टीकलर सर्विसेज

: सामान्य रूप से, पार्टी खाते उन्हीं पार्टियों के मामलें में खोले जाते है जिनके साथ वित्तीय कारोबार पूरे वर्ष में चलता है। लेखापरीक्षण में उद्धृत मामले उनके संबंध में है जिन्हें पहला एवं अंतिम भुगतान किया जा चुका है।

10. लेखा परीक्षण के दौरान हमारे द्वारा पीसी-ई सिस्टम्स प्रा. लि. के मामलें में निम्न बिंदुएँ पाईः

i. पार्टी का खाता तैयार नहीं किया गया है जिससे एक स्थान पर समस्त लेन-देन का सत्यापन हम नहीं कर सकते हैं।

: वर्ष के दौरान किए गए लेन-देन का विवरण उपलब्ध हैं तथा इन्हें सत्यापित किया जा सकता है। जब भी मांगा जाए लेखापरीक्षण के लिए प्रस्तुत किया जायेगा ।

ii. पार्टी को अनेक क्रयादेश और एएमसी कार्य प्रदान किए हैं, परंतु न तो समुचित निविदाएँ प्राप्त की गई हैं और आदेश को अंतिम रूप देने के लिए न ही तुलनात्मक विवरण उचित रूप से तैयार किया गया है।

यह निरीक्षण स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि खरीद या एएमसी कार्य के लिए आदेश देते समय जीएफआर के अनुसार सभी नियमसंगत औपचारिकताओं का पालन किया जाता है। इसे जब भी मांगा जाए लेखापरीक्षकों को दिखाया जा सकता है।

iii. वर्तमान वर्ष के दौरान पिछले वर्ष किए गए 20536 रुपए के पूर्व भुगतान का कोई समायोजन नहीं किया गया है, परंतु अन्य भुगतान नियमित रूप से जारी किए जा रहे थे। : अनुपालन के लिए नोट किया गया।

11. डीजीएस एण्ड डी के मामले में हमने पाया कि 1 अप्रैल 2008 को एक आरंभिक शेष राशि है और 24 अप्रैल 2008 को पुनः दो फोटोकॉपी मशीनों हेतु 400567 रुपए अग्रिम राशि का भुगतान किया गया है। लेकिन वर्ष के दौरान फोटोकॉपी मशीन के भुगतान हेतु किसी भी राशि का समायोजन नहीं किया गया है और पुस्तिकाओं में कोई बिल सम्मिलित नहीं किया गया है यद्यपि निम्न बिल प्राप्त हुए थे। विवरण निम्नवत हैः :

बीजक संख्या	दिनांक	पार्टी	राशि
111131-0397	08.07.08	एचसीएल इफोसिस्टम्स	2,22,196
111131-0445	25.07.08	एचसीएल इंफोसिस्टम्स	1,77,402

: लेखा परीक्षकों द्वारा उठाई गई यह बिंदु क्रमानुसार नहीं है। फार्म 16 उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर बकायदा तैयार किया जाता है। विज्ञान प्रसार के आय कर दाताओं से प्रदत्त विवरणों के आधार पर करयोग्य आय मे से धारा 80सी के अंतर्गत कटौतियां स्वीकृत की जाती है, और सत्यापन के बाद दावेदारों को वापस किये जाते है।

12. सेफायर हाउसकीपिंग सर्विसेज (प्रा.) लि. के मामलें में हमने कुछ विसंगतियाँ पाई जो निम्नवत हैः

❖ अनुबंध आधार कर्मचारियों के प्रबंध हेतु अनेक पार्टियों से निविदाएँ प्राप्त की गई और इन निविदाओं के तुलनात्मक आधार बनाए गए, परंतु तुलना को आधार पार्टी के देय केवल एजेंट कमीशन के प्रतिशत को बनाया गया। न तो कर्मचारी के प्रतिदिन के दर का ध्यान रखा गया है और न ही अनुबंध ा को अंतिम रूप देने हेतु प्रबंधन द्वारा कंपनी को नेट लागत को दृष्टि में रखा गया है। : चूँकि राजीव गांधी शिक्षा मिशन, छत्तीसगढ़ को सामग्री अत्यावश्यक रूप से भेजी जानी थी तथा उक्त संगठन इस सामग्री की शीघ्र प्राप्ति के लिए दबाव डाल रहा था इसलिए तुरंत इसका प्रबंध करना पड़ा। इस कार्यालय द्वारा खर्च किए गए मालभाड़े की प्रतिपूर्ति उक्त राजीव गांधी शिक्षा मिशन में कर दी है। इस दृष्टि से कोटेशन नहीं मांगे गए।

❖ पार्टी द्वारा दिए गए कर्मचारियों के दैनिक दर का, भुगतान के समय अनुपालन नहीं किया गया है। : तथ्य विवरणः कोई टिप्पणी नहीं।

❖ पार्टी का उचित रूप से खाता नहीं तैयार किया गया है यद्यपि प्रतिमाह भुगतान जारी किया गया।

अनुसूचीः 13

लेखा की टिप्पणियां एवं लेखा नीतियाँः 2008-2009

संस्था द्वारा प्रदान की गई अग्रिम राशि

1.	रूपये 124,26,321/- (विगत वित्त वर्ष में 85,11,499.01 रूपये) की है जिसमें से 13,23,757 रुपयों की प्रविष्टियां 3 वर्ष से अधिक समय से बकाया चल रही हैं। ये अग्रिम विभिन्न कार्यक्रमों/गतिविधियों हेतु दी गई थीं।	:	विभिन्न कार्यक्रमों/गतिविधियों को विज्ञान प्रसार की तरफ से निष्पन्न कराने के लिए संस्थाओं/संगठनों को दिए गए अग्रिमों का संबंधित लेखाओं की प्राप्ति के बाद समायोजन किया जाएगा। इस विषय में कार्रवाई प्रारंभ की जा चुकी है।
2.	31.03.2009 को 19,69,198.21/- रुपये की देनदारी थी (विगत वित्त वर्ष में 6,13,639.88 रूपये) जिसमें से 21,038/- रुपयों की राशि 3 वर्ष से अधिक समय से बकाया चल रही है।	:	इन देनदारों के परिसमापन करने के प्रयास चालू वित्त वर्ष के दौरान किए जायेंगे तथा जो राशि नगण्य पाई जाएं उसे अशोध्य ऋण के रूप में बट्टे खाते में डाल दिया जाएगा ।
3.	जहां आवश्यक पाया गया वहां विगत वर्ष के आंकड़ों का पुनः समूहन/पुनर्व्यवस्था या समाशोधन किया गया है।	:	कोई टिप्पणी नहीं।

4. लेखा परीक्षण के दौरान हमने कुछ अन्य विसंगतियाँ पाई हैं। इनके विवरण निम्न हैं:-

क्रमांक	विवरण	राशि	टिप्पणी	प्रत्युत्तर
1.	श्री बी. के. त्यागी को अग्रिम	9127	2500 रूपये की एक आरंभिक शेष थी और वर्ष के दौरान पुनः 6627 रूपये दिए गए परंतु व्यय का कोई विवरण प्राप्त नहीं हुआ तथा इस खाते से कोई समायोजन नहीं किया गया।	यह राशि चालू वित्त वर्ष के दौरान वसूल की जानी है।
2.	एवी कोड, अहमदाबाद को अग्रिम	2152	03.06.08 को चैक प्राप्त किया गया परंतु इसे अब तक बैंक में प्रस्तुत नहीं किया गया है।	आवश्यक शोधन किया गया है।
3.	पुस्तकालय की पुस्तकें	2714	24.07.08 को चैक जारी हुए परंतु पार्टी द्वारा अब तक प्रस्तुत नहीं किया गया। अब चैक की अवधि समाप्त होने के कारण इसे प्रत्यावर्तित कर दिया गया है।	कोई टिप्पणी नहीं।
4.	निदेशक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, डॉलीगंज, पोर्टब्लेयर	40855	09.03.09 को पार्टी से चैक प्राप्त हुआ परंतु इसे अब तक बैंक में प्रस्तुत नहीं किया गया है।	दिनांक 9.03.09 को बैंक में चैक जमा किया गया। राशि को विज्ञान प्रसार के खाते में क्रेडिट करने हेतु बैंक को पत्र जारी किया गया।
5.	यात्रा भत्ता अग्रिम	6190	सम्मेलन हेतु 45000 रूपये की अग्रिम राशि प्रदान की गई। व्यय के ब्यौरे के अनुसार कुल व्यय 38810 रूपया है, शेष राशि रूपये 6190 का समायोजन सम्मेलन अग्रिम के बजाय यात्रा भत्ता अग्रिम से किया गया।	आवश्यक शोधन किया गया है।
6.	कम्प्यूटर/परिसरीय	3720	राजस्व प्रकृति के व्यय को पूंजी के रूप में रखा गया था जिसे अब परिशोधित कर लिया गया है।	कोई टिप्पणी नहीं।
7.	कम्प्यूटर/परिसरीय	604781	राजस्व प्रकृति के व्यय को पूंजी के रूप में त्रुटिवश रखा गया था जिसे अब परिशोधित कर लिया गया है।	कोई टिप्पणी नहीं।

8.	कम्प्यूटर/परिसरीय	10372	राजस्व प्रकृति के व्यय को पूंजी के रूप में त्रुटिवश रखा गया था जिसे अब परिशोधित कर लिया गया है।	कोई टिप्पणी नहीं।
9.	कम्प्यूटर/परिसरीय	113568	31.03.09 को समान प्रविष्टि को दो बार दर्ज किया गया। इसे अब परिशोधित कर लिया गया है।	कोई टिप्पणी नहीं।
10.	कार्यालय उपस्कर	15392	डॉ. काम्बले के लैपटॉप हेतु बैटरियाँ क्रय की गई जिसे कम्प्यूटर/परिसरीय व्यय में दिखाने के बजाय त्रुटिवश कार्यालय उपस्कर के अन्तर्गत दर्ज किया गया। इसे अब परिशोधित किया जा चुका है।	कोई टिप्पणी नहीं।
11.	विज्ञापन में व्यय	73793	समान प्रविष्टि दो बार दर्ज हुई थी। इसे अब समाशोधित कर लिया गया है।	कोई टिप्पणी नहीं।
12.	केन्द्रीय बिक्री	2266240	वास्तविक प्रकृति का क्रय किया गया परंतु इसे त्रुटिवश केन्द्रीय बिक्री में दर्ज कर लिया गया है। इसे अब परिशोधित कर लिया गया है।	कोई टिप्पणी नहीं।
13.	यात्रा भत्त अग्रिम	30000	20.08.08 को 25000 रुपये तथा अरविन्द रानडे को 7.10.08 को 5000 रुपये अग्रिम राशि के रूप में प्रदान किया गया। इसे अब तक समायोजित नहीं किया गया है।	अग्रिम समायोजित।
14.	एल टी सी अग्रिम	4322	09.09.08 को पूरन सिंह को 322 रुपये और 11.02.09 को अरविन्द रानडे को 4000 रूपये की राशि अदा की गई। इसे अब तक समायोजित नहीं किया गया है।	बकाया रु. 322 की वसूली की गई।
15.	डाक-व्यय अग्रिम	19000	डाक व्यय और डाक व्यय अग्रिम दोनों प्रत्यक्ष व्यय शीर्ष के अंतर्गत आ रहे हैं। इसे अब परिशोधित कर लिया गया है।	कोई टिप्पणी नहीं।